



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० १०] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च ६, १९९३ (फाल्गुन १५, १९१४)
No. 10] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 6, 1993 (PHALGUNA 15, 1914)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय सूची

पृष्ठ

पृष्ठ

भाग I—खण्ड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं	231	भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों जिनमें (सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी अधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं) *	पृष्ठ
भाग I—खण्ड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के संबंध में अधिसूचनाएं	253	भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के संबंध में अधिसूचनाएं	*
भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के संबंध में अधिसूचनाएं	3	भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश	*
भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के संबंध में अधिसूचनाएं	361	भाग III—खण्ड 1—उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखा-परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	195
भाग II—खण्ड 1—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राप्ति करना	*	भाग III—खण्ड 2—पेटेन्ट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेन्टों और डिजाइनों से संबंधित अधिसूचनाएं और नोटिस	167
भाग II—खण्ड 2—विद्येयक तथा विद्येयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट	*	भाग III—खण्ड 3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	*
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिसमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं)	*	भाग III—खण्ड 4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं	10489
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं	*	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस	33
*आंकड़े प्राप्त नहीं।		V— प्रग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दर्शाने वाला अनुप्रकरण	*
1—481GT/92		(231)	

CONTENTS

	PAGE	PAGE
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	231	
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court.	253	
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence.	3	
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	361	
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations	*	195
PART II—SECTION 1-A—Authoritative texts in Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations	*	
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*	
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (i)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India, (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*	
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*	
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, Published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administration of Union Territories)		
PART II—SECTION—4 Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence		
PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India		167
PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs		
PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners		
PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies		10489
PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private bodies.		33
PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi.		

*Folio Nos. not received

भाग I—खण्ड 1
[PART I—SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-S^tutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

**विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)**

नई दिल्ली—110001, दिनांक 4 फरवरी 1993

सं० 27/10/93—सी० एल०-२—कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209क की उपधारा (1) के खण्ड (ii) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा कम्पनी कार्य विभाग के श्री बी० एम० जैन, कम्पनी लेखाकार को उक्त धारा 209क के प्रयोजन के लिए प्राधिकृत करती है।

आर० एन० वासवानी,
अवर सचिव

**मानव संसाधन विकास मंत्रालय
(संस्कृति विभाग)**

नई दिल्ली, 18 जनवरी 1993
संकल्प

का० सं० 4-4/89—सी० एच० 5/सी० एच०।—जिस संकल्प सं० एफ०-27-4/85—सी० एच० 5 दिनांक 7 अक्टूबर, 1985 के तहत, इलाहाबाद संग्रहालय सोसायटी का गठन किया गया था, उसका अतिक्रमण करते हुए, राष्ट्रपति इलाहाबाद संग्रहालय सोसायटी के नियमों और विनियमों के नियम 4, 23, 39 के अंतर्गत क्रमशः इलाहाबाद संग्रहालय सोसायटी, कार्यकारी समिति और वित्त समिति का, कार्यालय में कार्य भार संभालने की तारीख से पांच वर्ष की अवधि के लिए अथवा सोसायटी का पुनर्गठन होने तक, जो भी पहले हो, पुनर्गठन करते हैं।

इलाहाबाद संग्रहालय सोसायटी का गठन

1. प्रो० जी० सी० पाण्डे, अध्यक्ष
11, बलराम पुर हाउस,
इलाहाबाद।

2. श्री एस० बनर्जी, पदेन सदस्य
वित्त सलाहकार संस्कृति विभाग,
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
नई दिल्ली।

3. सोसायटी के मामले से संबंधित संस्कृति विभाग का एक प्रतिनिधि

- | | |
|---|--------------|
| 4. आयुक्त, | पदेन—सदस्य |
| इलाहाबाद, | |
| उत्तर प्रदेश। | |
| 5. श्री डी० के० भट्टाचार्य, | सदस्य |
| डी० 58/52, सी०, सिगरा | |
| वाराणसी—221010। | |
| 6. डा० एस० एम० नायर, | पदेन—सदस्य |
| निदेशक, | |
| राष्ट्रीय संग्रहालय एवं प्राकृतिक इतिहास, | |
| बाराखंभा रोड, | |
| नई दिल्ली। | |
| 7. प्रो० विंशंभर शरण पाठक, | सदस्य |
| रिटायर्ड प्रोफेसर एवं प्राचीन इतिहास | |
| संस्कृति एवं पुरातत्व प्रमुख, | |
| गोरखपुर, विश्वविद्यालय। | |
| 8. प्रो० एस० सी० भट्टाचार्य, | सदस्य |
| प्राचीन इतिहास के विभागाध्यक्ष, | |
| इलाहाबाद विश्वविद्यालय। | |
| 9. सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय का एक | पदेन—सदस्य |
| प्रतिनिधि। | |
| 10. पर्यावरण विभाग का एक | पदेन—सदस्य |
| प्रतिनिधि। | |
| 11. संयुक्त सचिव, | पदेन—सदस्य |
| वित्त प्रभाग, | |
| उत्तर प्रदेश शासन, | |
| लखनऊ। | |
| 12. डा० एस० सी० काला, | सदस्य |
| पूर्व—निदेशक, | |
| इलाहाबाद संग्रहालय 63—ई, | |
| स्टानले रोड़, | |
| इलाहाबाद। | |
| 13. निदेशक, | पदेन—सदस्य |
| सांस्कृतिक कार्य विभाग, | |
| उत्तर प्रदेश जवाहर भवन, | |
| लखनऊ। | |
| 14. निदेशक, | मद्रासा—सचिव |
| इलाहाबाद संग्रहालय | |

इलाहाबाद संग्रहालय सोसायटी की कार्यकारी समिति	
1. प्रौ० जी० सी० पाण्डे	अध्यक्ष
2. प्रौ० एस० सी० भट्टाचार्य, प्राचीन इतिहास के विभागाध्यक्ष, इलाहाबाद विश्वविद्यालय ।	सदस्य
3. श्री डी० के० भट्टाचार्य, डी 58/52 सी, सिंगरा, वाराणसी-221020 ।	सदस्य
4. सोसायटी के मामलो से संबंधित मंसूख्ति विभाग का एक प्रतिनिधि ।	परेन-सदस्य
5. निदेशक, सांस्कृतिक कार्य विभाग, उत्तर प्रदेश शासन	परेन-सदस्य
6. श्री एस० बनर्जी, वित्त सलाहकार, संस्कृति विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय	परेन-सदस्य
7. निदेशक, इलाहाबाद संग्रहालय सोसायटी वित्त समिति	सदस्य-सचिव
1. श्री एस० बनर्जी, वित्त सलाहकार, संस्कृति विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय	परेन-सदस्य
2. इलाहाबाद संग्रहालय सोसायटी में संबंधित संस्कृति विभाग, संयुक्त सचिव	परेन-सदस्य
3. संयुक्त सचिव, वित्त विभाग, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ	परेन-सदस्य
4. श्री डी० के० भट्टाचार्य, डी 58/52 सी० सिंगरा, वाराणसी-221010 ।	सदस्य
5. निदेशक, इलाहाबाद संग्रहालय सोसायटी ।	सदस्य
आदेश :—आदेश दिया जाता है कि संक्तप्त की एक-एक प्रति भारत सरकार के सभी मंत्रालयों और विभागों तथा राज्य सरकारों एवं संघ शासित छोटों को भेजी जाए । यह भी आदेश दिया जाता है कि जन-साधारण की सूचनार्थ मंकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए ।	अशोक वाजपेयी, संयुक्त सचिव

थ्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 जनवरी, 1993.

संख्या क्य०-16012/1/89-ई० एस० ए० (डब्ल्य० ई०) —केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड के नियम और विनियमों के नियम 3(vi) के अनुसरण में भारत सरकार एतद्वारा थ्रम सचिव, मध्य प्रदेश शासन और सचिव, सिविकम सरकार (थ्रम विभाग) के स्थान पर क्रमशः थ्रम सचिव, थ्रम विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार और विशेष आयुक्त एवं सचिव, असम सरकार (थ्रम एवं नियोजन विभाग) को इस अधिसूचना के जारी होने की तिथि से दो वर्ष के लिये केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड के सदस्य के रूप में नियुक्त करती है ।

2. तदनुसार थ्रम मंत्रालय द्वारा भारत के राजपत्र के भाग-1 खण्ड-1 में प्रकाशित तथा समय-समय पर संशोधित दिनांक 25 जून, 1992 की अधिसूचना संख्या क्य०-16012/2/89-ई० एस० ए० (डब्ल्य० ई०) में निम्नलिखित परिवर्तन किए जाएँगे :—

(i) वर्तमान प्रविष्टि अर्थात् :—

“5. सचिव,
मध्य प्रदेश शासन,
थ्रम विभाग,
भोपाल (म० प्र०) ।

“7. सचिव,
सिविकम सरकार
(थ्रम विभाग),
गंगटोक (प्रिविकम) ।

(ii) के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएँगी, अर्थात् :—

“5. सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन,
थ्रम विभाग,
लखनऊ (उ० प्र०)

“7. विशेष आयुक्त एवं सचिव,
थ्रम एवं नियोजन विभाग,
असम सरकार” ।

जी० के० भट्टाचार्य
संयुक्त सचिव

सं० क्य०-16012/2/89-ई० एस० ए० (डब्ल्य० ई०) (.)—केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड के नियमों और विनियमों के नियम 4(iv) के साथ पठित नियम 3(ii) के अनुसरण में भारत सरकार एतद्वारा श्री लालफाक जुआला, संयुक्त सचिव, थ्रम मंत्रालय, भारत सरकार के स्थान पर श्री जी० के० भट्टाचार्य, संयुक्त सचिव, थ्रम मंत्रालय, भारत सरकार को 25 अगस्त, 1992 से केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड के सदस्य के रूप में नियुक्त करती है ।

2. तदनुसार, श्रम मंत्रालय द्वारा भारत के राजपत्र के भाग-1 खण्ड-I में दिनांक 25 जून 1990 को प्रकाशित अधिसूचना संख्या क्यू-16012/2/89-ई० एस० ए० (डब्ल्यू० ई०) में समय-समय पर किये गये यथासंशोधन में निम्नलिखित परिवर्तन किये जाएंगे :—

(i) वर्तमान प्रविष्टि अर्थात् :—

“2’ श्री लालकाक जुआला,
संयुक्त सचिव,
श्रम मंत्रालय,
नई दिल्ली ।

(ii) के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी अर्थात् :—

“2” श्री जी० के० भट्टाचार्य,
संयुक्त सचिव,
श्रम मंत्रालय,
भारत सरकार,
नई दिल्ली ।

जी० के० भट्टाचार्य
संयुक्त सचिव

दिनांक 1 फरवरी 1993

सं०-क्यू०-16012/2/89-ई० एस० ए० (डब्ल्यू० ई०) (.)—केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड के नियमों और विनियमों के नियम 4(iv, v एवं vii) के साथ पठित नियम 3(iii) के अनुसरण में, भारत सरकार एतद्वारा श्री रणकादेवी बकोरकोटोकी, अध्यक्ष, इंटक, असम शाखा गुवाहाटी, श्री रवि आर्य संगठन सचिव, इंटक भिलाई (म० प्र०) और श्री आर० पी० मुरगेसन, महासचिव, अधिल भारतीय नेशनल बैंक कर्मचारी परिसंघ, मद्रास के स्थान पर केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड में भारतीय राष्ट्रीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस का प्रतिनिधित्व करने के लिये नमस्तः श्री अंकरराव एम० यादव, महासचिव, राष्ट्रीय मिल मजदूर संघ, बम्बई, श्री मांगिलाल जोशी, महासचिव, इंटक, राष्ट्रीय प्रदेश, देवास और श्रीमती शांता गोविन्दराज, सिक्किम एवं टोको इर अधिसूचना के जारी होने की तारीख से केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड के सदस्य के रूप में नियुक्त करती है।

2. तदनुसार भारत के राजपत्र के भाग-1 खण्ड-I में प्रकाशित तथा समय-समय पर यथा संशोधित श्रम मंत्रालय की दिनांक 25 जून, 1990 की अधिसूचना संख्या क्यू०-16012/2/89-ई० एस० ए० (डब्ल्यू० ई०) में निम्नलिखित परिवर्तन किये जायेंगे :—

(1) विद्यमान प्रविष्टि अर्थात्;

(1) “13” श्रीमती रणकादेवी बोरकोटोकी
अध्यक्ष,
इंटक,
असम शाखा
के० सी० सेन रोड,
पल्टन बाजार,
गुवाहाटी-781001 (असम)”।

(2) “14” श्री रवि आर्य,
संगठन सचिव,
इंटक,
पो० वा०-सं०-38,
जीवन फूकन नगर
डिब्बूगढ़-786001”।

(3) “16” श्री आर० पी० मुरगेसन,
महासचिव अखिल भारतीय
नेशनल बैंक कर्मचारी परिसंघ
45, रोयापेट्टा हाई रोड
मद्रास-600014”।

(II) के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जायें, अर्थात् :—

(1) “13” श्री शंकर राव एम० यादव
महासचिव राष्ट्रीय मिल मजदूर संघ
जी० डी० अच्चेकर मार्ग,
परेल,
बम्बई-400012”।

(2) श्री मांगिलाल जोशी
महासचिव,
इंटक,
मध्य प्रदेश शाखा
98, कर्मचारी कालोनी
स्टेशन रोड
देवास (मध्य प्रदेश)।

(3) “16” श्री शांता गोविन्दराज
मकान सं०-10-1-5/1/2
मारेदपल्ली परिसंघ,
सिकन्दराबाद-500026
(आंध्र प्रदेश)।

जी० के० भट्टाचार्य
संयुक्त सचिव

नई दिल्ली, दिनांक 4 फरवरी, 1993

सं० क्यू०-16012/2/89-ई० एस० ए० (डब्ल्यू० ई०) (.)—केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड के नियमों और विनियमों के नियम 4-(iv) के साथ पठित नियम 3(ii) के अनुसरण में भारत सरकार एतद्वारा श्री वार० के० चक्रवर्ती, संयुक्त सचिव, जल संसाधन मंत्रालय (श्रम मंत्रालय के वित्तीय सलाहकार), भारत सरकार, नई दिल्ली के स्थान पर इस अधिसूचना के जारी होने की तारीख से श्री कौशल राम, संयुक्त सचिव, वित्त मंत्रालय (कोयला और श्रम विभाग के वित्तीय सलाहकार), भारत सरकार, नई दिल्ली को केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड के एक सदस्य के रूप में नियुक्त करती है।

तदनुसार, भारत के राजपत्र भाग-1 खण्ड-1 में प्रकाशित और समय-समय पर यथा संशोधित श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या क्यू-16012/2/89-ई० एस० ए० (डब्ल्यू० ई०) दिनांक 25 जून, 1990 में निम्नलिखित परिवर्तन किये जायेंगे :—

(1) वर्तमान प्रविष्टि, अर्थात्

“3. श्री आर० के० चक्रवर्ती,
संयुक्त सचिव
जल संसाधन मंत्रालय
(श्रम मंत्रालय के वित्तीय सलाहकार)
भारत सरकार,
नई दिल्ली”।

(ii) के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जायेगी, अर्थात्

“3. श्री कौशल राम,
संयुक्त सचिव,
वित्त मंत्रालय
(कोषला और श्रम विभाग के वित्तीय
सलाहकार)
भारत सरकार
नई दिल्ली”।

जी० के० भट्टाचार्य
संयुक्त सचिव

स० क्यू-16012/2/89-ई० एस० ए० (डब्ल्यू० ई०)

(.) केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड के नियमों और विनियमों के नियम-4(v) और (vii) के साथ पठित नियम 3(iv)

के अनुसरण में भारत सरकार एताद्वारा, श्री जोगिंदर कुमार, अध्यक्ष, यूनाइटेड साइकिल एंड पार्ट्स विनिर्माता संघ, लुधियाना के स्थान पर इस अधिसूचना के जारी होने की तारीख से भारतीय लघ उच्चोग संघ के परिसंघ का प्रति-निधित्व करने के लिए श्री पी० बी० दुग्गल, ई-222, न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली-110068 को केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड के एक सदस्य के रूप में नियुक्त करती है।

तदनुसार, भारत के राजपत्र भाग-1 खण्ड-1 में प्रकाशित और समय-समय पर यथा संशोधित श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या क्यू-16012/2/89-ई० एस० ए० (डब्ल्यू० ई०) दिनांक 25 जून, 1990 में निम्नलिखित परिवर्तन किये जायेंगे :—

(1) वर्तमान प्रविष्टि, अर्थात्

“श्री जोगिंदर कुमार,
अध्यक्ष,
यूनाइटेड साइकिल एंड पार्ट्स विनिर्माता संघ
गिल रोड,
लुधियाना-141003”।
(एफ० ए० एस० आई० आई०)

(ii) के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जायेगी, अर्थात्

“12. श्री पी० बी० दुग्गल
ई-222, न्यू राजेन्द्र नगर
नई दिल्ली-110068”

जी० के० भट्टाचार्य
संयुक्त सचिव

a period of five years from the date of assumption of office or till the society is reconstituted whichever is earlier.

Composition of Allahabad Museum Society

Chairman

1. Prof. G. C. Pandey,
11, Balram Pur House,
Allahabad.

Ex-officio-Member

2. Shri S. Banerjee,
Financial Adviser,
Dept. of Culture,
Ministry of Human Resource Development,
New Delhi.

3. One representative of the Dept. of Culture
dealing with matter relating to the Society.

4. Commissioner, Allahabad,
Uttar Pradesh.

Member

5. Shri D. K. Bhattacharya,
D 58, 52 C, Sigra Varanasi-221010.

Ex-officio-Member

6. Dr. S. M. Nair, Director,
National Museum & Natural History,
Barakhamba Road, New Delhi.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

New Delhi, the 4th February 1993

No. 27/10/93-CL.II.—In exercise of the powers conferred by clause (ii) of sub-section (1) of Section 209-A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) the Central Government heretby authorise Shri B. M. Jain, Company Accountant in the Department of Company Affairs for the purpose of the said section 209-A.

R. N. VASWANI
Under Secy.

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT
(DEPARTMENT OF CULTURE)

New Delhi, the 18th January 1993

RESOLUTION

No. 4-4/89-CH.5/CH.I.—In supersession of Resolution No. F. 27-4/85-CH.5 dated 7th October, 1985 constituting the Allahabad Museum Society, the President is pleased to re-constitute the Allahabad Museum Society, Executive Committee & Finance Committee under Rule 4, 23, 39 respectively of the Rules & Regulations of Allahabad Museum Society

Member

7. Prof. Vishambhar Sharan Pathak,
Retd. Prof. and Head of Ancient History
Culture and Archaeology, Gorakhpur
University.
8. Prof. S. C. Bhattacharya,
Head of Department of Ancient History,
University of Allahabad.

Ex-officio-Member

9. One representative of Ministry of
Information and Broadcasting.
10. One representative of Deptt. of Environment.

11. Joint Secretary,
Finance Division,
U.P. Govt., Lucknow.

Member

12. Dr. S. C. Kala, Ex-Director,
Allahabad Museum, 63-E, Stanely Road,
Allahabad.
13. Director, Deptt. of Cultural Affairs,
Uttar Pradesh Jawahar Bhawan,
Lucknow.

Member-Secretary

14. Director, Allahabad Museum,
Allahabad.

*executive Committee of Allahabad Museum Society***Chairman**

1. Prof. G. C. Pandey.

Member

2. Prof. S. C. Bhattacharya,
Head of the Deptt. of Ancient History,
University of Allahabad.
3. Shri D. K. Bhattacharya,
D 58/52 C, Sigra,
Varanasi-221020.

Ex-officio-Member

4. A representative of the Department of Culture
dealing with matters relating to the Society.
5. Director,
Dept. of Cultural Affairs,
Govt. of U.P.
6. Shri S. Banerjee, Financial Adviser,
Department of Culture, M/O H.R.D.

Member-Secretary

7. Director,
Allahabad Museum Society.

*Finance Committee***Ex-officio-Member**

1. Shri S. Banerjee,
Financial Adviser, Deptt. of Culture
Ministry of Human Resource Development.
2. Joint Secretary, Deptt. of Culture
dealing with Allahabad Museum Society.
3. Joint Secretary, Finance Deptt.
Govt. of U.P. Lucknow.

Member

4. Shri D. K. Bhattacharya,
D 58/52 C, Sigra,
Varanasi-221020.
5. Director,
Allahabad Museum Society.

ORDER

Ordered that a copy of the Resolution be communicated to all the Ministries and Department of the Government of India and to all State Government and Union Territories.

Order also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

ASHOK VAJPEYI
Jt. Secy.

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 29th January 1993

No. Q-16012/2/89-ESA(WE)(.).—In pursuance of Rule 3(vi) of the Rules and Regulations of the Central Board for Workers Education, the Government of India hereby appoint the Labour Secretary, Department of Labour, Govt. of Uttar Pradesh and the Special Commissioner & Secretary to the Govt. of Assam (Department of Labour & Employment) as members of the Central Board for Workers Education in place of the Labour Secretary, Government of Madhya Pradesh and the Secretary to the Government of Sikkim (Department of Labour) respectively for a period of two years from the date of issue of this Notification.

2. The following changes shall, accordingly, be made in the Ministry of Labour Notification No. Q-16012/2/89-ESA(WE) dated the 25th June, 1992, published in the Gazette of India, Part-I Section-I, as amended from time to time :—

(i) For the existing entry viz :—

“5. Secretary to the Government
of Madhya Pradesh,
Labour Department,
Bhopal (M.P.).

“7. Secretary to the Govt. of
Sikkim (Department of Labour),
Gangtok (Sikkim).

(ii) the following entry shall be substituted viz :—

“5. Secretary to the Government
of Uttar Pradesh,
Department of Labour,
Lucknow (U.P.).

“7. Special Commissioner & Secretary,
Department of Labour & Employment,
Government of Assam.”

G. K. BHATTACHARYA
Jt. Secy.

No. Q-16012/2/89-ESA(WE)(.).—In pursuance of Rule 3(ii) read with Rule 4(iv) of the Rules and Regulations of the Central Board for Workers Education, the Government of India hereby appoint Shri G. K. Bhattacharya, Joint Secretary in the Ministry of Labour, Govt. of India, New Delhi as a member on the Central Board for Workers Education in place of Shri Lalfak Zuala, Joint Secretary, Ministry of Labour, Government of India, New Delhi with effect from 25th August, 1992.

2. The following changes shall accordingly be made in the Ministry of Labour Notification No. Q-16012/2/89-ESA(WE) dated the 25th June, 1990 published in the Gazette of India Part-I, Section-I, as amended from time to time :—

(i) For the existing entry viz :—

“2” Shri Lalfak Zuala,
Joint Secretary,
Ministry of Labour,
New Delhi.

(ii) the following entry shall be substituted viz :—

“2” Shri G. K. Bhattacharya,
Joint Secretary,
Ministry of Labour,
Government of India,
New Delhi.

G. K. BHATTACHARYA
Jt. Secretary

The 1st February 1993

No. Q-16012/2/89-ESA(WE)(.).—In pursuance of Rule 3(vii) read with Rule 4(iv, v & vii) of the Rules and Regulations of Central Board for Workers Education, the Government of India hereby appoint Shri Shankar Rao M. Yadav, General Secretary, Rashtriya Mill Mazdoor Sangh, Bombay, Shri Mangilal Joshi, General Secretary, INTUC, Madhya Pradesh Branch, Dewas and Smt. Shanta Govindraj of Secunderabad, as Members of the Central Board for Workers Education in place of Smt. Renukadevi Borkotoky, President, INTUC, Assam Branch, Guwahati, Shri Ravi Arya, Organising Secretary, INTUC, Bhilai (M.P.) and Shri R. P. Murgesan, General Secretary, All India National Bank Employees Federation, Madras respectively to represent Indian National Trade Union Congress on the Central Board for Workers Education with effect from the date of issue of this Notification :—

2. The following changes shall be made, accordingly, in the Ministry of Labour Notification No. Q-16012/2/89-ESA(WE) dated 25th June, 1990, published in the Gazette of India, Part-I, Section-I, as amended from time to time :—

(i) For the existing entry viz :—

- (1) "13" Smt. Renukadevi Borkotoky,
President, INTUC Assam Branch,
K. C. Sen Road, Paltan Bazar,
Guwahati-781001 (Assam)."
- (2) "14" Shri Ravi Arya.
Organising Secretary, INTUC,
Post Box No. 38, Jiban Phukan Nagar,
Dibrugarh-786 001."
- (3) "16" Shri R. P. Murgesan,
General Secretary, All India
National Bank Employees Federation,
45, Royapettah High Road,
Madras-600 014."

(ii) the following entry shall be substituted viz :—

- (1) "13" Shri Shankar Rao M. Yadav,
General Secretary,
Rashtriya Mill Mazdoor Sangh,
G.D. Ambedkar Marg,
Parel, Bombay-400 012.
- (2) "14" Shri Mangilal Joshi,
General Secretary,
INTUC M.P. Branch,
98, Karamchari Colony,
Station Road, DEWAS (M.P.)
- (3) "16" Smt. Shanta Govindraj,
H. No. 10-1-5/1/2 Mareedpalli West,
Secunderabad-500 026
(Andhra Pradesh)".

G. K. BHATTACHARYA, Jt. Secy.

The 4th February 1993

No. Q-16012/2/89-ESA(WE)(.).—In pursuance of Rule 3(vii) read with Rule 4(iv) of the Rules & Regulations of Central Board for Workers Education, the Government of India appoint Shri Kaushal Ram Joint Secretary, Ministry of Finance (Financial Adviser to the Department of Coal & Labour), Govt. of India, New Delhi as a member on the C.B.W.E. in place of Shri R. K. Chakrabarti, Joint Secretary, Ministry of Water Resources (Financial Adviser to Ministry of Labour) Government of India, New Delhi with effect from the date of issue of this Notification.

The following changes shall, accordingly, be made in the Ministry of Labour Notification No. Q-16012/2/89-ESA(WE) dated the 25th June, 1990, published in the Gazette of India Part-I, Section-I, as amended from time to time :—

(i) For the existing entry, viz :—

- "3. Shri R. K. Chakrabarti.
Joint Secretary,
Ministry of Water Resources,
(Financial Adviser to the Ministry of Labour),
Government of India, New Delhi."

(ii) the following entry shall be substituted, viz :—

- "3. Shri Kaushal Ram.
Joint Secretary,
Ministry of Finance,
(Financial Adviser to the Department of
Coal & Labour).
Government of India, New Delhi."

G. K. BHATTACHARYA, Jt. Secy.

No. Q-16012/2/89-ESA(WE)(.).—In pursuance of Rule 3(iv) read with Rule 4(v) & (vii) of the Rules and Regulations of Central Board for Workers Education, the Government of India hereby appoint Shri P. B. Duggal, E-222, New Rajinder Nagar, New Delhi-110 068, as a member of the Central Board for Workers Education in place of Shri Joginder Kumar, President, United Cycle & Parts Manufacturers Association, Ludhiana, to represent Federation of Association of Small Industries of India, New Delhi from the date of issue of this Notification.

The following changes shall be made accordingly in the Ministry of Labour Notification No. Q-16012/2/89-ESA(WE) dated the 25th June, 1990, published in the Gazette of India, Part-I, Section-I, as amended from time to time :—

(i) For the existing entry, viz :—

- "Shri Joginder Kumar,
President,
United Cycle & Parts Manufacturers Association,
Gill Road,
Ludhiana-141003." (FASII).

(ii) the following entry shall be substituted, viz :—

- "12. Shri P. B. Duggal,
E-222, New Rajinder Nagar,
New Delhi-110 068."

G. K. BHATTACHARYA, Jt. Secy.

रेल मंत्रालय
(रेलवे बोर्ड)
नियम
नई दिल्ली, दिनांक 6 मार्च 1993
नियमावली

सं. 92/इ. (जी. आर.)-1/18/2—निम्नलिखित सेवाओं/पदों में रिकॉर्टर्स भरने के लिए 1993 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली जाने वाली स्पेशलिट प्रतियोगिता इंजीनियरी सेवा परीक्षा की नियमावली मंत्रालयों/विभागों की महमति से सर्वभाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित की जाती है :—

वर्ग 1—सिविल इंजीनियरी

शृणु 'क' सेवायर्थ/पद

- (1) इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा
- (2) भारतीय रेल भंडार सेवा (सिविल इंजीनियरी पद)
- (3) केन्द्रीय इंजीनियरी पद
- (4) भारतीय सर्वेक्षण सेवा शृणु 'क' (सिविल इंजीनियरी पद)
- (5) सैनिक इंजीनियरी सेवा (भवन तथा सड़क संवर्ग)
- (6) सैन्य इंजीनियरी सेवा (निर्माण सर्वेक्षण संवर्ग)
- (7) केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेवा (सिविल इंजीनियरी पद)
- (8) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क) शृणु 'क'
- (9) डाक व तार भवन निर्माण (शृणु-क) सेवा के महायक इंजीनियर (सिविल),
- (10) सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) सीमा मड़क इंजीनियरी, सेवा शृणु 'क'

वर्ग 2—यांत्रिक इंजीनियरी

शृणु 'क' सेवायर्थ/पद

- (1) यांत्रिक इंजीनियरी की भारतीय रेल सेवा।
- (2) भारतीय रेल भंडार सेवा यांत्रिक (इंजीनियरी पद)।
- (3) केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद)।
- (4) केन्द्रीय वैद्युत इंजीनियरी सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद)।
- (5) भारतीय आयुध कारखाना सेवा (इंजीनियरी शास्त्र) (यांत्रिक इंजीनियरी पद)।
- (6) भारतीय नौ सेना, आयुध सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद)।
- (7) सैन्य इंजीनियरी सेवा (वैद्युत और यांत्रिक मंत्रालय) (यांत्रिक इंजीनियरी पद)।
- (8) केन्द्रीय वैद्युत तथा यांत्रिक इंजीनियरी मंत्रालय (यांत्रिक इंजीनियरी पद)।
- (9) सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी का पद) तकनीकी विकास महानिदेशालय (यांत्रिक इंजीनियरी पद)।
- (10) सहायक कार्यपालक इंजीनियर (वैद्युत तथा यांत्रिक) यांत्रिक इंजीनियरी पद सीमा मड़क इंजीनियरी मंत्रालय शृणु 'क'।

- (11) भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में वर्मा इंजीनियर (कनिष्ठ)।
- (12) भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) शृणु 'क'।
- (13) सहायक प्रबन्धक (कारखाना), दूर संचार विभाग (दूर-संचार कारखाना संगठन)।
- (14) केन्द्रीय इंजीनियरी मंत्रालय (सड़क) शृणु 'क' (यांत्रिक इंजीनियरी पद)।

वर्ग 3—वैद्युत इंजीनियरी

शृणु 'क' सेवायर्थ, पद

- (1) वैद्युत इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा।
- (2) भारतीय रेल भण्डार सेवा (वैद्युत इंजीनियरी पद)।
- (3) केन्द्रीय वैद्युत और यांत्रिक इंजीनियरी सेवा (वैद्युत इंजीनियरी पद)।
- (4) भारतीय आयुध कारखाना सेवा (इंजीनियरी शास्त्र) वैद्युत इंजीनियरी पद।
- (5) भारतीय नौसेना आयुध सेवा (वैद्युत इंजीनियरी पद)।
- (6) केन्द्रीय वैद्युत इंजीनियरी सेवा (वैद्युत इंजीनियरी पद)।
- (7) सहायक कार्यकारी इंजीनियरी (वैद्युत) डाकतार भवन निर्माण (शृणु 'क') सेवा।
- (8) सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी) का पद तकनीकी विकास महानिदेशालय (वैद्युत इंजीनियरी पद)।
- (9) सहायक कार्यपालक इंजीनियर (वैद्युत और यांत्रिक) वैद्युत इंजीनियरी पद, सीमा मड़क इंजीनियरी सेवा।
10. सहायक प्रबन्धक (कारखाना), दूर संचार विभाग (दूर-संचार कारखाना संगठन)।

वर्ग 4—इलैक्ट्रॉनिकी और दूर-संचार

इंजीनियरी

शृणु 'क' सेवायर्थ/पद

- (1) सिगनल इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा।
- (2) भारतीय रेल भण्डार सेवा (दूर-संचार) (इलैक्ट्रॉनिकी इंजीनियरी पद)।
- (3) भारतीय दूर-संचार सेवा।
- (4) इंजीनियर वायरलैस आयोजन और ममन्य नक्श/अनुश्रवण संगठन।
- (5) भारतीय प्रसारण (इंजीनियरी) सेवा।
- (6) भारतीय आयुध कारखाना सेवा (इंजीनियरी शास्त्र) इलैक्ट्रॉनिकी इंजीनियरी पद।
- (7) भारतीय नौ सेना आयुध सेवा (इलैक्ट्रॉनिकी इंजीनियरी पद)।
- (8) केन्द्रीय वैद्युत इंजीनियरी सेवा (दूर-संचार इंजीनियरी पद)।
- (9) सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी) का पद तकनीकी विकास महानिदेशालय (उलैक्ट्रॉनिकी तथा दूर-संचार इंजीनियरी पद)।

- (10) भारतीय सर्वेक्षण सेवा ग्रूप 'क' (इलैक्ट्रोनिकी एवं दूर-संचार इंजीनियरी पद)।
- (11) महायक प्रबंधक (कारखाना), दूर-संचार विभाग (दूर-संचार कारखाना संगठन)।

1. परीक्षा संघ लोक सेवा आयोग द्वारा इन नियमों के परिशिष्ठ 1 में निर्धारित नीति से ली जाएगी। परीक्षा की तारीख और स्थान शायोग निश्चित करेगा।

2. उम्मीदवार उर्ध्वकृत सेवाओं/पदों के बारे में से किसी एक या अधिक के लिए प्रतियोगी हो सकता है। उसे अपने आवेदन-पत्र में उस सेवाओं/पदों का स्पष्ट रूप से उल्लेख करना चाहिए जिसके लिए वह वरीयता क्रम में विचार किए जाने का इच्छुक है।

विशेष ध्यान 1 :—उम्मीदवार को सलाह दी जानी है कि वह अपने आवेदन-पत्र में उन सभी सेवाओं/पदों का वरीयता क्रम में उल्लेख करें जिन सेवाओं/पदों के लिए वे नियमों की शर्तों के अनुगाम नाप्राप्त हैं। यदि वह किसी सेवा/पद का वरीगता क्रम नहीं लिखता है तथा आवेदन-प्रपत्र में विकल्पी सेवाओं/पदों को गणित्यित नहीं करता है तो शह भारत नियम जाग्रत्ता कि उस सेवाओं/पदों के लिए उचिती कोड़े विकल्पी वरीयता नहीं है और उन्हें विधिनि नहीं सेवाओं/पदों के लिए उम्मीदवारों के वरीयताओं के अनुगाम आवेदन करने के एचआर लियर्स ग्रिनिंग्स हाँसी जाना किसी भी तौर पर भेजा जाएगा/पदों पर अधिकारियों ने नियम गांधी अवनंत्र नाप्राप्त है तथा वरीयता को एचआर लियर्स "क" सेवाओं/पदों पर भी नाप्राप्त है ग्रूप "ब" सेवाओं/पदों के लिए विचार किया जाएगा।

विशेष ध्यान 2 :—उम्मीदवार जिन सेवा/पद से संबंधित वर्ग/वर्गों अर्थात् शिविल इंजीनियरी, यांत्रिक इंजीनियरी, वैद्युत इंजीनियरी और इलैक्ट्रोनिकी तथा दूर-संचार इंजीनियरी के प्रतियोगी हैं (नियमावली की प्रस्तावना दर्शाते हुए) उनके अन्तर्गत आने वाली सेवाओं/पदों के बारे में उम्मीदवारों द्वारा निर्दिष्ट वरीयताओं में एरिवर्टन के अन्तर्गत पर कोई ध्यान तब तक नहीं दिया जाएगा जब तक ऐसे परिवर्तन का अन्तर्गत आयोग के कार्यालय में लिखित परीक्षा के परिणाम के रूपान्वार समाचार में प्रकाशित हो नारीसे से 30, (तीस) दिन के अन्दर प्राप्त नहीं हो जाता है। आयोग या रेल संचालय (रेलवे बोर्ड) उम्मीदवारों के कोड़े एसो पट्र नहीं भेजेगा जिसमें उनसे सनके आवेदन-पत्र प्रस्ताव कर देने के बाद विभिन्न सेवाओं/पदों के लिए परिषोधित वरीयता निर्दिष्ट करने को कहा जाए।

विशेष ध्यान 3 :—उम्मीदवार केवल उन्हें सेवाओं और पदों के लिए अपनी वर्गिता हाना—जिनके लिए वे नियमों की शर्तों के अनुगाम नाप्राप्त हैं और जिनके लिए ने प्रतियोगी नहीं। जिन सेवाओं और नहीं के लिए जो दात्र नहीं हैं और जिन एचआर और पदों में संतुष्टि उत्पन्नी करने के लिए उन्हें इन्हें नहीं भेजेगा जिसमें नियम जाना है उनके नारे में वराई गई वरीयता पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

विशेष ध्यान 4 :—वे विभागीय उम्मीदवार, जिन्हें आयोग रोड लाइन के अधीन [दर्शाइ नियम 5 (ख)] परीक्षा में भाग लेने की अप्रतिदीप गई है, अन्य मंत्रालयों/विभागों में सेवाओं/पदों पर नियशक्त किए जाने के लिए भी उपर्यन्त वरीयता दे रखने हैं। तथापि एहत उन्हें सनके गोपनीयाक्रम के अनुगाम उन्हें जीवन में सेवाओं/पदों पर नियशक्त करने पर विभाग जाएगा और केवल उन विभागों में रिक्तियों के न

होने अथवा ऐसे उम्मीदवारों के उनके अपने ही विभागों में सेवाओं/पदों के लिए चिकित्सा जांच में अग्रिम रहने की स्थिति में ही उनके द्वारा दी गई वरीयताओं के आधार पर अन्य मंत्रालयों/विभागों में सेवाओं/पदों पर नियशक्त करने के संबंध में विचार किया जाएगा।

विशेष ध्यान 5 :—नियम 6 के उपबंध में अन्तर्गत परीक्षा में प्रवेश दिए गए उम्मीदवारों की केवल उन्हों वरीयताओं पर विचार किया जाएगा जो उक्त उपबंध में निर्दिष्ट पदों के लिए हैं और अन्य सेवाओं और पदों के लिए उसकी वरीयताओं यदि कोई हो, पर विचार नहीं किया जाएगा।

3. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी किए गए नोटिस में विनिर्दिष्ट की जाएगी। अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन-जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या सरकार द्वारा निर्धारित की जाएगी।

4. कोई उम्मीदवार या तो :—

- (क) भारत का नागरिक हो, या
- (ख) नेपाल की प्रजा हो, या
- (ग) भटान की प्रजा हो, या
- (घ) भारत में स्थाई निवास के इरादे से 1 अक्टूबर, 1962 से पहले भारत आया हुआ तिब्बती शरणार्थी हो, या
- (छ) भारत में स्थायी निवास के इरादे से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका और केन्या उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य तंगानिया (भूतपूर्व दंगानिका और जंजीवार, के पर्वी अफ्रीकी देशों या जाम्बिया, मलावी, ज़ेरै, इथियो-पिया और वियतनाम) में प्रवृत्त कर आया हुआ मूलतः भारतीय व्यक्ति हो।

किन्तु शर्त यह है कि उर्ध्वकृत वर्ग (ख), (ग), (घ), और (छ.) से सम्बद्ध उम्मीदवार को सरकार ने पात्रता प्रमाण-पत्र प्रदान कर दिया हो।

जिस उम्मीदवार के मामले में पात्रता प्रमाण एवं आवश्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किन्तु नियमित प्रस्ताव केवल तभी दिया जा सकता है जब भारत सरकार द्वारा उसे आवश्यक पात्रता प्रमाण-पत्र जारी कर दिया गया हो।

5. (क) इस परीक्षा के उम्मीदवार की आय 1 अगस्त, 1993 को 20 वर्ष हो चकी हो किन्तु 28 वर्ष परी त हुई हो अर्थात् उसका जन्म 2 अगस्त, 1965 से पहले और 1 अगस्त, 1973 के बाद न हुआ हो।

(ख) नियम—2 के नीचे दिए गए विशेष ध्यान (3) में निर्दिष्ट शर्तों के अध्यादीन रहने हाए निम्नलिखित कर्गों के सरकारी कर्मचारियों के लिए, यदि वे नीचे दिए गए कालम—1 में निर्दिष्ट प्राधिकरणों के नियंत्रणाधीन किसी विभाग/कार्यालय में नियशक्त हैं और दाल्य-१ में निर्दिष्ट सभी उथरा किसी सेवा (सेवाओं)/पद (पदों) के लिए प्रमाणित होने हाए नियमके लिए वे बन्धाना दात्र हैं। अवेदन करने हाए नियम—28 वर्ष के स्थान पर 33 वर्ष होती।

- (1) वह उम्मीदवार जो सम्बद्ध विभाग/कार्यालय विशेष में भूल रूप में स्थायी पद पर है। उक्त विभाग/कार्यालय में स्थायी पद पर नियुक्ति परिवीक्षाधीन अधिकारी को उसकी परिवीक्षा की अवधि के दारंतन यह छूट नहीं मिलेगी।
 - (2) वह उम्मीदवार जो किसी विभाग/कार्यालय विशेष में 1 अगस्त, 1993 को कम से कम 3 वर्ष लगातार अस्थायी सेवा नियमित आधार पर कर चका हो।

कालम - 1

कालम-2

रेत विभाग	आई० आर० एस० ई०, आई० आर०एस० एस० ई०ई०, आई० आर० एस० एस० ई०, आई० आर० एस० एम० ई०, आई० आर० एस० एम० ।
केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग	सी०ई० एस० युप 'क', सी० ई० एप्ड एम० ई० एस० युप क ।
मुख्य अभियंता, सेना मुख्यालय	सैनिक इंजीनियरी सेवा, युप (क), (बी० एवं आर० संवर्ग तथा निर्माण सर्वेक्षण संवर्ग) सैनिक इंजीनियरी सेवा युप "क" (ई० एवं एम० संवर्ग)
आयुष्म कारखाना महा- निबेशालय	आई०ओ०एफ०एस० युप क
केन्द्रीय जल आयोग केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण बेतार आयोजन तथा समन्वय स्कूल अनुश्रवण संगठन	सी० डब्ल्यू० ई० (युप क) सेवा सी० पी० ई० युप (क) सेवा इंजीनियर (युप क) ।
आकाशवाणी/दूरदर्शन	भारतीय प्रसारण (इंजीनियरी) सेवा का कनिष्ठ वेतनमान
भारतीय नौसेना संचार मंत्रालय, दूर संचार विभाग तथा डाक विभाग	भारतीय नौसेना आयुष्म सेवा । भारतीय दूर संचार सेवा, युप 'क' सहायक कार्यकारी इंजीनियर (सिविल बैचूत) डाक व तार भवन निर्माण (युप 'क') सेवा सहायक प्रबधक (कारखाना) युप 'क' डाक तार दूर संचार कारखाना संगठन
विज्ञान तथा तकनीकी विभाग तकनीकी विकास महानिवेशालय	भारतीय सब क्षण सेवा युप 'क' । सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी) युप 'क' यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) युप 'क', बमी इंजीनियर (कनिष्ठ) युप 'क'
भारतीय भूविभाग सर्वेक्षण	

टिप्पणी :—प्रशिक्षिता की अवधि के बाद यदि रेलों में किसी कार्यकारी पद पर नियुक्त हो जाती है तो आयु में छूट के प्रयोजन के लिए प्रशिक्षिता की अवधि रेल सवा मासी जायेगी।

(ग) इसके अलावा निम्नलिखित स्थितियों में भी उपर निर्धारित उपरी आय सीमा में छट दी जायेगी :—

- (1) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन-जाति का हो तो अधिक से अधिक पांच वर्ष तक;
 - (2) यदि उम्मीदवार कुपैत या इराक से वस्त्रतः प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हों जो इन देशों में से किसी देश से 15 मई, 1990 के बाद लेकिन

22 नवम्बर, 1991 से पहले भारत प्रवृत्तन कर चुका हा तो अधिक सं अधिक दीन वर्ष;

- (3) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और कुवैत या इराक से वस्तुतः प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो जो इन देशों में से किसी देश से 15 मई, 1990 के बाद लेकिन 22 नवम्बर, 1991 से पहले प्रवृजन कर चुका हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष;

(4) शत्रु देश के साथ संघर्ष में या अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फाँजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा इसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए रक्षा सेवा के कार्मिकों के मामले में अधिक से अधिक 3 वर्ष;

(5) शत्रु देश के साथ संघर्ष में या अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फाँजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा इसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए रक्षा सेवा के अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के कार्मिकों के मामले में अधिक से अधिक आठ वर्ष;

(6) जिन भूतपूर्व सैनिकों, (कमीशनप्राप्त अधिकारियों तथा आपातकालीन कमीशनप्राप्त अधिकारियों/अल्पकालिक सेवा कमीशनप्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 अगस्त 1993 को कम से कम 5 वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो (1) कदाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त न होकर अन्य कारणों से कार्य काल के समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 अगस्त 1993 से एक वर्ष के अन्दर पूरा होना है, या (2) सैनिक सेवा से हुई शारीरिक अपेंगता या (3) अशक्तता के कारण कार्यमुक्त हुए हैं उनके मामले में अधिक से अधिक पांच वर्ष तक;

(7) भूतपूर्व सैनिक (कमीशनप्राप्त अधिकारियों तथा आपातकालीन कमीशनप्राप्त अधिकारियों/अल्पकालिक सेवा कमीशनप्राप्त अधिकारियों सहित) जो अ. जा. या अ. ज. जा. के हैं तथा जिन्होंने 1 अगस्त 1993 को कम से कम 5 वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो (1) कदाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 अगस्त 1993 में एक वर्ष के अन्दर पूरा होना है, या (2) सैनिक सेवा से हुई शारीरिक अपेंगता या (3) अक्षमता के कारण कार्यमुक्त हुए हैं उनके मामले में अधिक से अधिक 10 वर्ष तक;

(8) आपातकालीन कमीशनप्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों के उन मामलों में जिन्होंने 1 अगस्त, 1993 को सैनिक सेवा के 5 वर्ष की सेवा की प्रारम्भिक अवधि पूरी कर ली है और तिनका कार्यकाल 5 वर्ष से आगे भी बढ़ाया गया है तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय एक प्रमाण-पत्र जारी करता है कि वे सिविल रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और चयन होने पर नियुक्त प्रस्ताव प्राप्त होने की तारीख से तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा, अधिकतम 5 वर्ष,

(9) अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जन जाति के एसे आपातकालीन कर्मशान प्राप्त अधिकारियों/अल्प-कालीन सेवा कमीशनप्राप्त अधिकारियों के उन मामलों में जिन्होंने 1 अगस्त, 1993 को सैनिक सेवा के 5 वर्ष की सेवा की प्रारम्भिक अवधि पूरी कर ली है और जिनका कार्यकाल 5 वर्ष से आगे भी बढ़ाया गया है तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय एक प्रमाण-पत्र जारी करता है कि वे सिविल रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और चयन होने पर नियुक्त प्रस्ताव प्राप्त होने की तारीख से तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा, अधिकतम 10 वर्ष।

टिप्पणी 1.—‘भूतपूर्व सैनिक’ शब्द उन व्यक्तियों पर लागू होगा जिन्हें समय-समय पर यथासंशोधित ‘भूतपूर्व सैनिक’ सिविल सेवा तथा पदों में पूर्णरोजगार नियम, 1979, में परिभ्रामित किया गया है।

टिप्पणी 2 :—एसे उम्मीदवार जो अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के नहीं हैं तथा जिन्होंने आयु सीमा में छूट लेने के पश्चात साइड में कोई सरकारी नौकरी पहले ही ले ली है, वे नियम 5(ग) (2) से (9) के अधीन आयु सीमा में छूट के पात्र नहीं हैं।

विशेष ध्यान——जिस उम्मीदवार को उपर्युक्त नियम 5 (ख) में उल्लिखित आयु संबंधी रियायतें देकर परीक्षा में प्रवेश दिया गया है उसकी उम्मीदवारी उस स्थिति में रद्द कर दी जायेगी यदि आवेदन पत्र प्रस्तृत कर देने के बाद वह परीक्षा देने से पहले या बाद में सेवा से त्याग-पत्र दे देता है या उसके विभाग/कार्यालय द्वारा उसकी सेवा समाप्त कर दी जाती है। किन्तु आवेदन-पत्र प्रस्तृत करने के बाद यदि उसकी सेवा या पद से छूटनी हों जाती है तो वह परीक्षा देने का पात्र बना रहेगा।

जो उम्मीदवार विभाग को अपना आवेदन-पत्र प्रस्तृत कर देने के बाद किसी अन्य विभाग/कार्यालय को स्थानान्तरित हो जाता है वह उस सेवा/पद हेतु विभाग वी आयु संबंधी रियायत लेकर प्रतियोगिता में सम्मिलित होने का पात्र रहेगा जिसका पात्र वह स्थानान्तरण न होने पर रहता बशते कि उसका आवेदन-पत्र उसके बूल विभाग द्वारा अर्थात् कर दिया गया है।

उपर्युक्त व्यवस्था के अलावा निर्धारित आयु सीमा में किसी भी स्थिति में छूट नहीं दी जायेगी।

6. उम्मीदवार—

(क) के पास भारत के केन्द्र या राज्य विधान मंडल द्वारा विनियमित किसी विश्वविद्यालय की या संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 3 के अधीन विश्वविद्यालय के रूप में मानी गई किसी अन्य शिक्षा संस्थान से इंजीनियरी में डिग्री होनी चाहिए, अथवा

(ख) इंजीनियरों की संस्था (भारत) की परीक्षा का भाग कु और व उत्तीर्ण हो; अथवा

(ग) के पास किसी विदेशी विश्वविद्यालय/कालिज/संस्था से इंजीनियरी में डिग्री/डिप्लोमा होना चाहिए, जिसे समय-समय पर इस प्रयोजन के लिए, सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त हो; अथवा

(घ) इलैक्ट्रॉनिकी और दूर संचार इंजीनियरों की संस्था (भारत) की ग्रेजुएट मेम्बरशिप परीक्षा उत्तीर्ण हो; अथवा

(इ) भारतीय वैमानिकों सोसायटी को एसोसिएट मेम्बरशिप परीक्षा भाग 2 और 3/खण्ड के और ख उत्तीर्ण हो; या

(ज) यांत्रिक इंजीनियरों की संस्था (भारत) की एसोसिएट मेम्बरशिप परीक्षा (भाग के और ख) उत्तीर्ण हो; या

(छ) नवम्बर, 1959 के बाद लो गई इलैक्ट्रॉनिकी और रॉडियो संचार इंजीनियरी की संस्था (लन्दन) की ग्रेजुएट मेम्बरशिप परीक्षा उत्तीर्ण हो।

किन्तु वायरलैस आयोजन तथा समन्वय स्कॉल/अनुश्रवण संगठन संचार मंत्रालय में इंजीनियरी शूप क, भारतीय प्रसारण इंजीनियरों सेवा तथा भारतीय प्रसारण इंजीनियरी सेवा तथा भारतीय नासना आयु सेवा (इलैक्ट्रॉनिकी इंजीनियरी पद) के पदों के लिए उम्मीदवारों के पास उपर्युक्त कोई योग्यता या निम्नालिखित योग्यता हो जैसे :—

वायरलैस संचार इलैक्ट्रॉनिकी ट्रॉडिया भौतिकी या रॉडियो समकक्ष ।

टिप्पणी 1 :—यदि काई उम्मीदवार एसी परीक्षा में बैठकू हों जिस उत्तीर्ण कर लेने पर वह शैक्षक दृष्टि से इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है, पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो वह इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हकृपा परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है। एसे उम्मीदवारों को यदि अन्यथा पात्र होंगे तो उन्हें परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अनन्तिम मानी जाएगी और यदि वे अर्हकृपा परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हालत में 15 दिसम्बर, 1993 तक नीचे निर्धारित पत्र में प्रस्तृत नहीं करते तो यह अनुमति रद्द की जा सकती है।

टिप्पणी 2 :—विशेष पारिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग एसे किसी उम्मीदवार को भी परीक्षा में प्रवेश पाने का पात्र मान सकता है जिसके पास उपर्युक्त अहंताओं में से कोई अहंता न हो बशते कि उम्मीदवार ने किसी संस्था द्वारा ली गई कोई एसी परीक्षा पास कर ली हो जिसका स्तर आयोग के मतानुसार एसा हो कि उसके आधार पर उम्मीदवार को उक्त परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है।

टिप्पणी 3 :—जिस उम्मीदवार ने अन्यथा अहंता प्राप्त कर ली है किन्तु उसके पास विदेशी विश्वविद्यालय की एसी डिग्री है जो सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त नहीं है वह भी आयोग को आवेदन कर सकता है और उसे आयोग की विवक्षा पर परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है।

7. उम्मीदवारों को आयोग के नोटिस के पैरा 6 में निर्धारित शूलक का भूगतान अवश्य करना चाहिए।

8. जो उम्मीदवार सरकारी नौकरी में स्थाई है या अस्थाई रूप से काम कर रहे हैं या वे किसी काम के लिए विशिष्ट रूप से नियुक्त भी क्यों न हों पर आकस्मिक या दैनिक दर पर नियुक्त न होए हैं अथवा जो लोक उद्यमों में सेवारत हों, उन सबको इस आशय का परिवर्चन (अण्डरटॉकिंग) देना होगा कि उन्होंने अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को लिखित रूप में यह सूचित कर दिया है कि उन्होंने परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने से सम्बद्ध अनुमति रोकते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन पत्र अस्वीकृत कर दिया जाएगा/उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

9. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अंतिम होगा।

10. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक कि उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र (सर्टिफिकेट ऑफ एडमिशन) न हो।

11. आयोग ने जिस उम्मीदवार को दोषी पाया अथवा धोषित किया हो :—

- (1) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा
- (2) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (3) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप से कार्यसाधन कराया है, अथवा
- (4) जाली प्रमाण-पत्र या ऐसे प्रमाण-पत्र प्रस्तृत किए हैं जिनमें तथों को बिगड़ा गया हो, अथवा
- (5) गलत या झूठे बक्तव्य दिये हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
- (6) परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहाय लिया है, अथवा
- (7) परीक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया हो, या
- (8) उत्तर पुस्तकाओं पर असंगत वातं लिखी हों जो अलील भाषा में या अभद्र आशय की हों, या
- (9) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्घटनाक हो, या
- (10) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो, या
- (11) परीक्षा की अनुमति देते हुए उम्मीदवारों को भेजे गए प्रमाण-पत्र के साथ जारी अनुदेशों का उल्लंघन किया हो, अथवा
- (12) उपर्युक्त खण्डों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य के द्वारा आयोग की अवग्रहित करने का प्रयत्न किया हो।

तो उस पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल श्रीसीक्यु-शन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे :—

- (क) आयोग द्वारा उस परीक्षा से जिसका वह उम्मीदवार है, बैठने के लिए आयोग ठहराया जा सकता है, तथा/अथवा
- (ख) उसे अस्थाई रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए :—
 - (1) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन के लिए,
 - (2) कोन्ड्रीय सरकार द्वारा उनके अधीन किसी भी नौकरी से वारित किया जा सकता है, और
- (ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा रक्ती है।

किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक :—

- (1) उम्मीदवार को इस सम्बन्ध में लिखित अभ्यावेदन जो वह देना चाहे, प्रस्तृत करने का अवसर न दिया गया हो, और
- (2) उम्मीदवार द्वारा अनुमति समय में प्रस्तृत अभ्यावेदन पर, यदि कोई हो, विचार न कर लिया गया हो।

12. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में, आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेते हैं उन्हें आयोग की विवेका पर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा।

परन्तु यदि आयोग के भ्रान्तिकार सामान्य स्तर के आधार पर अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन-जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों के लिए इन जातियों के उम्मीदवार पर्याप्त संख्या में व्यक्तित्व परीक्षण के लिए साक्षात्कार हेतु बुलाए न जा सकते हों तो आयोग उनकी स्तर में छूट देकर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुला सकता है।

13. (1) साक्षात्कार के बाद आयोग हर एक उम्मीदवार की अन्तिम रूप से लिए गए कुल प्राप्तांकों के आधार पर उनके योग्यताक्रम के अनुसार नामों की सूची बताएगा और उस परीक्षा का परिणाम निकलने पर जितनी अवारक्षित खाली जगहों पर भर्ती करने का फैसला किया गया हो उनमें ही ऐसे उम्मीदवारों को योग्यताक्रम के अनुसार नियुक्त करने के लिए अनुशासा की जाएगी जो आयोग द्वारा परीक्षा में योग्य पाए गए हैं।

(2) आयोग द्वारा अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जन-जाति के उम्मीदवारों की, अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जन-जाति के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या तक, स्तर में छूट देकर सिफारिश की जा सकेंगी किन्तु शर्त यह है कि ये उम्मीदवार सेवा पर नियुक्ति के लिए उपयुक्त हों।

परन्तु अनुसूचित तथा अनुसूचित जनजाति के जो उम्मीदवार अन्य समाजियों के उम्मीदवारों के साथ-साथ इस उप-नियम में वर्णित किसी छूट का लाभ उठाए बिना चुने जाते हैं उनका समयोजन अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित रिक्तियों में नहीं किया जाएगा।

14. प्रत्यक्ष उम्मीदवार का पराक्रम का सूचना। किस रूप में आर किस प्रकार दा जाए, हरका निषय आयाग स्वयं करेगा और आयाग उनसे पराक्रम के बारे में कोइं पठ-व्यवहार नहीं करेगा।

15. नियमों का अन्य व्यवस्थाओं का ध्यान में रखते हुए पराक्रम के पारणाम के आधार पर नियुक्त करने समय उम्मीदवार द्वारा आवदन-पत्र में विभिन्न सवाओं/पदों के लिए बताए गए वरायता क्रम पर आधार द्वारा उचित ध्यान दिया जाएगा।

विभागीय उम्मीदवारों के शायताक्रम के अनुसार पहले उनके अपने हो विभाग में सवाओं/पदों पर नियुक्त करने पर विचार किया जाएगा और केवल उन विभागों में विभिन्नों के न होने अथवा ऐसे उम्मीदवारों के, उनके अपने विभागों में सवाओं/पदों के लिए चार्किता जाच में अवश्य रहने की स्थिति नहीं हो, उन्हें उनके द्वारा दो गहरे वरीयताओं के आधार पर अन्य मन्त्रालयों/विभागों में सवाओं/पदों पर नियुक्त करने के संबंध में विचार किया जाएगा।

16. परीक्षा में पास हो जाने मार्ग से ही नियुक्त का आधिकार नहीं। इसके लिए आवश्यक है कि सूक्तार आवश्यकता-नुसार जाच करके इस बात से सतुष्ट हो जाए कि उम्मीदवार चारों तथा पूर्ववृत्त का छाप्ट से इस सवा में नियुक्त के लिए हर प्रकार से उपयुक्त है।

17. उम्मीदवारों का मार्ग सक्षम और शारीरिक छाप्ट से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दायर नहीं होना चाहिए जो संबंधित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कल्पन्य को कुशलतापूर्वक निभाने में बाधक हो। यदि विहित डाक्टरों परीक्षा जा सकार या नियुक्त प्राधिकारी द्वारा निधारित की जाए, यथास्थिति के बाद किसी उम्मीदवार को बारं में यह ज्ञात हुआ कि वह इन शर्तों को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्त नहीं की जाएगी।

परीक्षा के लिए अर्हता प्राप्त कर लेते हुए उनकी डाक्टरी जाच साक्षात्कार के लिए अर्हता प्राप्त कर लेते हुए उनकी डाक्टरी जाच साक्षात्कार की तारीख के तुरन्त बाद उने वाले कार्य दिवस का की जाएगी (शीनिवार और रविवार तथा छुट्टियों वाले दिन डाक्टरी जाच नहीं होगी)। इस प्रथाज्ञन के लिए सभी सफल उम्मीदवारों का प्रातः 9.00 बजे अतिरिक्त मुख्य चिर्कित्सा अधिकारी, केन्द्रीय अस्पताल, उत्तरी रेलवे, बसंत लेन, नई दिल्ली पर उपस्थित होना पड़ेगा। यदि उम्मीदवार चश्मा लगाते हों तो उन्हें हाल ही की चश्मों के नम्बर के साथ मैटिकल बोड़ के सामने उपस्थित होना चाहिए।

डाक्टरी जाच की तारीख या स्थान में परिवर्तन का अनुरोध सामान्यतः स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उम्मीदवार को यह नोट कर लेना चाहिए कि किसी भी हालत में डाक्टरी जाच से छूट के अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

उम्मीदवारों का ध्यान इसमें प्रकाशित शारीरिक परीक्षा से संबंधित विनियमों की ओर आकर्षित विद्या जाता है। उसमें विभिन्न सेवाओं की लिए शारीरिक स्वयंसत्ता के गोपदण्ड अलग-अलग हैं। अतः उम्मीदवारों को यह सलाह दी जाती है कि जिन सेवाओं के लिए वे प्रतियोगी हैं, जिन सेवाओं/पदों के लिए सं. लो. सं. आ. कां दरीयता दरायी है उन सेवाओं के विशेष संवर्ग में इन भाषणों को ध्यान में रखें।

उम्मीदवार यह भी नोट कर लें कि :

- (1) उनके 30 रुपये (तोस रुपये) का नकद राँश मौड़िकल बोड़ को भूगतान करनी होगी;

(2) डाक्टरी जाच के सम्बन्ध में नगा भइ धाराओं के लिए उम्मीदवारों का काइ धारा भरा नहीं दिया जाएगा; और

(3) उम्मीदवार को डाक्टरी जाच हो जाने का अर्थ यह नहीं होगा कि नियुक्त के लिए उसके मामले पर विचार किया ही जाएगा।

उम्मीदवार यह नोट कर लें कि उन्हें रेल मंत्रालय (रेल विभाग), द्वारा डाक्टरी जाच से सम्बन्धित अलग से कोई सूचना नहीं भजी जाएगी।

निराशा से बचने के लिए उम्मीदवारों का सलाह दो जाती है कि पराक्रम में प्रवेश के लिए आवदन करने से पहले टाईवल सजन के स्तर के सरकारी चिर्कित्सा अधिकारी से अगला डाक्टरी पराक्रम सेवाओं से गुजरना होगा उनके स्वरूप वे विवरण और मानक परिशिष्ट-2 में दिए गए हैं। संघर्ष के दौरान विकलांग हुए और पारणामस्वरूप नियुक्त हुए भूतपूर्व सैनिकों को प्रत्येक सेवा की अपक्षाओं के अनुसार स्तर में से छूट दी जा सकती है।

18. जिस व्यक्ति ने—

(क) ऐसे व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबन्ध किया है जिसका जीवित पति/पत्नी पहले से है, या

(ब) जीवित पति/पत्नी के रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबन्ध किया है, तो वह सेवा में नियुक्त के लिए पात्र नहीं माता जाएगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाले वैयक्तिक कानून के उनुसार स्वीकार्य हैं और ऐसा करने के अन्य कारण भी हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है।

19. उम्मीदवारों का सूचित किया जाता है कि सेवा में प्रवेश से पहले हिन्दी का कुछ ज्ञान विभागीय परीक्षाओं को उत्तीर्ण करने में सहायक होगा जो कि उम्मीदवार को सेवा में प्रवेश के बाद उत्तीर्ण करनी है।

20. इस परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओं/पदों के संबंध में भतीजी की जा रही है उनका संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट-3 में दिया गया है।

मसीहुज्जमान, सचिव, रेलवे बोर्ड

परिशिष्ट-1

1. परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार आयोजित की जाएगी :—

भाग 1—लिखित परीक्षा: दो भाग में होगी। भाग 1 में केवल वस्तुपूरक प्रकार के प्रश्न होंगे और भाग 2 में परम्परागत प्रश्नपत्र होंगे। दोनों भागों में संगत इंजीनियरी शिक्षा शालाओं जैसे सिविल इंजीनियरी, यांत्रिक इंजीनियरी, विद्युत इंजीनियरी और इलेक्ट्रॉनिकी तथा दूर संचार इंजीनियरी की पूरा पाठ्यचर्या होगी। इन प्रश्नपत्रों के लिए निर्धारित स्तर तथा पाठ्यचर्या परिशिष्ट की अनुसूची में दिए गए हैं। लिखित परीक्षा का विवरण जैसे विषय, प्रत्येक विषय के लिए निर्धारित समय और अधिकतम अंक नीचे पैरा 2 में दिए गए हैं।

भाग-2—लिखित परीक्षा के आधार पर अहंता प्राप्त करने वाले उम्मीदवार का व्यक्तित्व परीक्षण जो अधिकतम 200 अंकों का है।

2. लिखित परीक्षा निम्न विषयों में से ली जाएगी :—

अधेणी-1—सिविल इंजीनियरी

(नियमावली की प्रस्तावना दर्शिए)

विषय	कोड	अवधि	पूर्णांक
खण्ड 1—वस्तुपरक प्रश्न-पत्र			
सामान्य योग्यता परीक्षण	01	2 घंटे	200
(भाग क : सामान्य अंग्रेजी)			
(भाग ख : सामान्य अध्ययन)			
सिविल इंजीनियरी			
प्रश्न-पत्र I	11	2 घंटे	200
सिविल इंजीनियरी			
प्रश्न-पत्र II	12	2 घंटे	200
खण्ड 2—परम्परागत प्रश्न-पत्र			
सिविल इंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	13	3 घंटे	200
सिविल इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	14	3 घंटे	200
योग			1000

अधेणी-2—यांत्रिक इंजीनियरी

(नियमावली की प्रस्तावना दर्शिए)

विषय	कोड	अवधि	पूर्णांक
खण्ड 1—वस्तुपरक प्रश्न-पत्र			
सामान्य योग्यता परीक्षण	01	2 घंटे	200
(भाग क : सामान्य अंग्रेजी)			
(भाग ख : सामान्य अध्ययन)			
यांत्रिक इंजीनियरी			
प्रश्न-पत्र I	21	2 घंटे	200
यांत्रिक इंजीनियरी			
प्रश्न-पत्र II			
खण्ड 2—परम्परागत प्रश्न-पत्र			
यांत्रिक इंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	23	3 घंटे	200
यांत्रिक इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	24	3 घंटे	200
योग			1000

अधेणी-3—वैद्युत इंजीनियरी

(नियमावली की प्रस्तावना दर्शिए)

विषय	कोड	अवधि	पूर्णांक
खण्ड 1—वस्तुपरक प्रश्न-पत्र			
सामान्य योग्यता परीक्षण	01	2 घंटे	200
(भाग क : सामान्य अंग्रेजी)			
(भाग ख : सामान्य अध्ययन)			
वैद्युत इंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	41	2 घंटे	200
वैद्युत इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	42	2 घंटे	200
खण्ड 2—परम्परागत प्रश्न-पत्र			
वैद्युत इंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	43	3 घंटे	200
वैद्युत इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	44	3 घंटे	200
योग			1000

अधेणी-4—इन्वेट्रानिकी और दूर-संचार इंजीनियरी (नियमावली की प्रस्तावना दर्शिए)

विषय	त्रितीय	अवधि	पूर्णांक
खण्ड 1—वस्तुपरक प्रश्न-पत्र			
सामान्य योग्यता परीक्षण	01	2 घंटे	200
(भाग क : सामान्य अंग्रेजी)			
(भाग ख : सामान्य अध्ययन)	61	2 घंटे	200
इलैक्ट्रॉनिकी तथा दूर-संचार			
इंजीनियरी प्रश्न-पत्र I			
इलैक्ट्रॉनिकी तथा दूर-संचार	62	2 घंटे	200
इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II			
खण्ड-2—परम्परागत प्रश्न-पत्र			
इलैक्ट्रॉनिकी तथा दूर संचार	63	3 घंटे	200
इंजीनियरी प्रश्न-पत्र I			
इलैक्ट्रॉनिकी तथा दूर संचार	64	3 घंटे	200
इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II			
योग			1000

3. व्यक्तित्व परीक्षण करते समय उम्मीदवार की नेतृत्व क्षमता, पहल तथा मेधा शक्ति, व्यवहार कुशलता तथा अन्य सामाजिक गुण, मानसिक तथा शारीरिक उर्जास्ति प्रायोगिक अनुप्रयोग की शक्ति और चारित्रिक निष्ठा के निर्धारण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

4. सभी प्रश्न-पत्रों के उत्तर अंग्रेजी में दिए जायें। प्रश्न-पत्र केवल अंग्रेजी में ही होंगे।

5. उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्रों के उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। किसी भी हालत में उन्हें उत्तर लिखने के लिए अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

6. आयोग अपनी विवक्षा से परीक्षा के किसी एक सभी विषयों के अर्हक अंक निर्धारित कर सकता है।

7. केवल सतही ज्ञान के लिए अंक नहीं दिए जायेंगे।

8. लिखाई खराब होने पर लिखित प्रश्न-पत्रों के पूर्णांक में से 5 प्रतिशत क अंक काट लिए जायेंगे।

9. परीक्षा के परम्परागत प्रश्न-पत्र में इस बात को व्येदिया जाएगा कि अभिव्यक्ति कम शब्दों में कमबद्ध प्रभाव पूर्ण ढंग की ओर सही हो।

10. प्रश्न-पत्रों में यथा आवश्यक तोल और माप की मीटरी प्रणाली से संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगे।

नोट :—उम्मीदवारों को जब भी जरूरी समझा जाएगा परीक्षा भवन में संदर्भ हेतु भारतीय मानक संस्थान द्वारा संकीलित तथा प्रकाशित मीटरी इकाइयों की सारणी उपलब्ध कराई जाएगी।

11. उम्मीदवारों को परम्परागत (निवंध) प्रकार के प्रश्न-पत्रों के लिए बैटरी से चलने वाले पाकेट कैलक्यूलेटर परीक्षा भवन में लाने और उनका प्रयोग करने की अनुमति है। परीक्षा भवन में किसी से कैलक्यूलेटर भांगने या आपस में बदलने की अनुमति नहीं है।

यह ध्यान रखना भी आवश्यक है कि उम्मीदवार वस्तुपरक प्रश्न-पत्रों (परीक्षण पूस्तिका) का उत्तर देने के लिए कैलकुलेटरों का प्रयोग नहीं कर सकते। अतः वे उन्हें परीक्षा भवन में न लायें।

12. उम्मीदवार को प्रश्न-पत्र के उत्तर लिखते समय भारतीय अंकों के अन्तर्याप्तीय रूप (अर्थात् 1, 2, 3, 4, 5, 6, आदि) का ही प्रयोग करना चाहिए।

परीक्षण 1 की अनुसूची

स्तर और पाठ्यक्रम

सामान्य योग्यता परीक्षण के प्रश्न-पत्र का स्तर वैसा ही होगा जैसा कि इंजीनियरी विज्ञान स्तरके से अपेक्षा को जाती है। अन्य विषयों के प्रश्न-पत्रों के स्तर एक भारतीय विश्वविद्यालय की इंजीनियरी डिग्री स्तर की परीक्षा के अनुरूप होगा। किसी भी विषय में प्रायोगिक परीक्षा नहीं होगी।

सामान्य योग्यता परीक्षण (कोड संख्या 01)

भाग (क) सामान्य अंग्रेजी :—अंग्रेजी की प्रश्न-पत्र इस प्रकार बनाया जाएगा ताकि उम्मीदवार की अंग्रेजी भाषा की समझ और शब्दों के कुशल प्रयोग को जांच हो सके।

भाग (ख) सामान्य अध्ययन :—सामान्य अध्ययन के प्रश्न-पत्र में सामायिक घटनाओं और ऐसी बातों की, उनके वैज्ञानिक पहलूओं पर ध्यान देते हुए, जानकारी सम्मिलित होगी जो प्रतिदिन के अनुभव में आती है तथा जिनकी किसी शिक्षित व्यक्ति से अपेक्षा की जा सकती है। प्रश्न-पत्र में भारत के इतिहास और भूगोल के ऐसे प्रश्न भी सम्मिलित होंगे जिनका उत्तर उम्मीदवार विशेष अध्ययन किए बिना ही दे सकेंगे।

सिविल इंजीनियरी

(वस्तुपरक तथा परम्परागत दोनों प्रश्नों-पत्रों के लिए)

प्रश्न-पत्र 1

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्नपत्र के लिए कोड सं. 11 और परम्परागत प्रश्नपत्र के लिए कोड सं. 13

1. भवन सामग्री और निर्माण—पत्थर, इमारती लकड़ी, इंट, सिमेंट, लेप, कंक्रीट, रचिति, इस्पात।

2. धन यांत्रिकी

प्रतिबल, विकर्ति, धन, द्रव्य का विकलन सिद्धांत, साधारण दंकन और विमोटन के सिद्धांत, अपरूपण केन्द्र।

3. आखेली स्थैतिकी

बल बहूभूज प्रतिबल आरेख।

4. संरचनात्मक विश्लेषण

ट्रेसेज और फ्रेम का विश्लेषण, प्लास्टिक विश्लेषण का परिचय।

5. धातु संरचना का अभिकल्पन

कार्यकारी प्रतिबल और साधारण रचना के चरम गार्डर्स अभिकल्पन।

6. कंक्रीट और चिनाई रचना के अभिकल्पन

चिनाई दीवार का अभिकलन, कार्यकारी प्रतिबल ममतल का अभिकल्पन, प्रवलित और प्रतिवलित कंक्रीट प्रवलित और प्रतिकूलित कंक्रीट का चरम गार्डर्स अभिकल्पन।

प्रश्न-पत्र-2

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न-पत्रों के लिए कोड सं. 12 और परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 14

1. तरल यांत्रिकी जल स्रोत: इंजीनियरी

विवृत चैनल और पाइप प्रवाह, जल विज्ञान, नहरों का अभिकल्पन और जलीय संरचना।

2. मृदा यांत्रिकी और आधार इंजीनियरी और उनके सामान्य सिद्धांत, प्रवलता प्राचल भूमि दाब के सिद्धांत उथले और गहरे आधारों के अभिकल्पन।

3. रेल इंजीनियरी तथा सर्वेक्षण कार्य सहित परिवहन इंजीनियरी, सड़क अतिउन्नयन नियमन प्रवणता, कृटिटम, यातायात नियंत्रण, अभिकल्पन विचारण।

4. पर्यावरण इंजीनियरी

जल स्वच्छता, सीबेज अभिक्रिया एवं निपटान।

5. निर्माण नियोजन और प्रबन्ध

निर्माण पद्धति के तत्व, बार चार्ट, मी. पी. एम., पी. ई. आर. टी।

यांत्रिकी इंजीनियरी

(वस्तुपरक तथा परम्परागत दोनों प्रश्नों के लिए)

प्रश्न-पत्र-1

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न-पत्रों के लिए कोड सं. 21 और परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 23

1. उभागतिकी

नियम, आदर्श गैसों और वाष्प के गृणधर्म, विद्युत चक्र, गैस पावर चक्र, गैस टरबाइन चक्र, ईंधन और दहन।

2. आई. सी. इंजन

सी.आई. और एस.आई.इंजन, अधिस्फोटन ईंधन अतःक्षेपण और कार्बरेशन निष्पादन और परीक्षण टर्बो जेट और प्रोपेलर इंजन, राकेट इंजन, नाभिकीय शक्ति संयंत्र और नाभिकीय ईंधन का प्रारम्भिक ज्ञान।

3. वाष्प बायलर, ईंधन वाष्प टरबाइन, प्रारूप नोजल से वाष्प प्रवाह, आवेग और अभिक्रिया टरबाइन के बेग आरेख दक्षता और नियंत्रण।

4. संपीडित गैस गतिकी और गैस टरबाइन, प्रत्यागामी केन्द्रभिमुख और पक्षीय प्रवाह के संपीडित बेग आरेख, दक्षता और निष्पादन। प्रवाह पर यांत्रिकी अंकों का प्रभाव, आइसेन ट्रापिक प्रवाह नोजल से सामान्य प्रवाह और प्रवाह बहुचरणीय संपीडित सीहिंगस टरबाइन चक्र, पुनरुत्पादन, पुनरुत्पादन।

5. उष्मा अंतरण, प्रशीतन और वातानुकूलन चालन, संवहन और विकरण उष्मा विनियमक प्रस्तुप। सम्मिलित उष्मा अंतरण। सम्पर्ण उष्मा अंतरण गृणांक प्रशीतन और उष्मा पाय चक्र प्रशीतन प्रणाली। निष्पादन के गृणांक—साइक्रोमीट्रिक्स और साइक्रोमीट्रिक चार्ट कम्पनी मूचक, प्रशीतन और निरादीकरण विधि। औद्योगिकी वातानुकूलन प्रक्रिया। शीतलन और तापन भार गणना।

6. तरलों के वर्गीकरण और गुणधर्म, तरल स्थैतिकी शृद्ध गतिकीय और गतिकी; सिद्धान्त और प्रयोग; दावांतर-मापीय और उत्पादन। आदर्श तरलों का प्रवाह। स्तरीय तथा प्रक्षुध प्रवाह। परिसीमा स्तर सिद्धान्त/निर्भिजित वस्तुओं पर प्रवाह। पाइपों और स्ली नालियों में प्रवाह, विमीय विश्लेषण तथा सादृश्य तकनीक।

अविमीय विशिष्ट गति तथा सामान्यतः तरल मशीनों का वर्गीकरण; उर्जा हस्तांतरण संबंध। पम्पों और आवेगों तथा द्रीतिक्रिया जल टरबाइन का निष्पादन और संचालन। दबंगति विद्युत संचारण।

प्रश्न-पत्र-2

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न-पत्रों के लिए कोड सं. 22 और परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 24

7. मशीनों का सिद्धान्त

(1) गतिमान पिंड (2) मशीनों के बेग और त्वरण क्लाइन निर्माण, मशीनों में जड़त्व बल, कैम्प, गियर और गियरन गतिपालक चक्र और नियामक, पिंडों का पूर्ण एवं प्रत्यागामी संतुलन स्वतंत्र और प्रणोदित कम्पमान की प्रणाली शैफ्ट की कांतिक गति और भूमरी।

8. मशीन अभिकल्पन

पेंच बन्धन और पावर स्कू का जोड़—कुंजयां कोटरास, युमन—बैल्ड सीधि पारगमन पद्धति—पट्टा और चेन चालित-तार रजू—शैफ्ट का अभिकल्पन।

गियर-सर्पी और रोलिंग बेगर्सिंग।

9. पदार्थों की सबलता

द्विविभागीय प्रतिबल और विकृति मोहर चक्र प्रत्यास्थिरणों के बीच संबंध।

किरणपुंज—बंकन आधुर्ण अपर्घपक बल और विक्षेप शैफ्ट—सम्मिलित बंकन प्रत्यक्ष और मरोड़ी प्रतिबल स्थल—बैल्ड सिलिण्डर और नाब के अंतर्गत गोलक स्प्रिंग, आलम्बन स्तम्भ और कालम विकलन का सिद्धान्त।

10. इंजीनियरी पदार्थ

मिश्र धातु और धातू मिश्रण तत्व ताप अभिक्रिया; संयोजन, गुणधर्म और प्रयोग, प्लास्टिक और अन्य नए इंजीनियरी पदार्थ।

11. उत्पादन इंजीनियरी

धातु मशीनीकरण—कर्तन औजार, औजार धातु घिसाई और यंत्रिकीकरणोंता कर्तन शक्ति का माप प्रक्रियाएँ—मशीनीकरण—प्रेषण, बेधन, गीवर निर्माण धातु रूपांकन, धातु संचकन और सम्मिलन बोर्सिक, विशेष प्रयोजन, कार्यक्रम और संख्यात्मक नियंत्रित मशीनी औजार, जिग्य और अनुलग्नी (तत्वों का अवस्थापन)।

12. औद्योगिक इंजीनियरी

कार्य अध्ययन और कार्य की माप मजदूरी प्रोत्साहन उत्पादन कीमत और उत्पादन प्रणाली का अभिकल्पन संबंध विन्यास के सिद्धान्त—उत्पादन नियोजन एवं नियंत्रण,

पदार्थ व्यवस्था स्फूर्ति विज्ञान। रोबिक प्रोग्रामन पंक्ति सिद्धान्त इंजीनियरी जाल विश्लेषण। सी. पी. एम. एवं पी. ई. आर. टी. संगुणकों का उपयोग।

वैद्युत इंजीनियरी

(वस्तुपरक और परम्परागत दोनों प्रश्न-पत्रों के लिए)

प्रश्न-पत्र-1

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 41 और परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 43

1. वैद्युत परिपथ

जाल प्रमेय, ज्यावक्रीय जाल के सोपान, रैम्प, आवेग और ज्यावक्रीय निवेष की अनुत्रिया, आवृत्ति क्षेत्र का विश्लेषण, द्विपद्धर जाल संश्लेषण का तत्व संकेत प्रवाह ग्राफ़।

2. ई. एम. सिद्धान्त

वैद्युत स्थैतिक, सदिश प्रणाली का प्रयोग करते हुए चुम्बक स्थैतिक, चुम्बकीय पदार्थों और चालक के अंतर्गत परावैद्युत के क्षेत्र। समय परवर्ती क्षेत्र, मैक्सबल का समीकरण, चालन परावैद्युत मिडिया में समतल तरंग संचरण, संचरण लाइन का गुणधर्म।

3. पदार्थ विज्ञान। (वैद्युत—पदार्थ)

पट्ट सिद्धान्त स्थितिज और वैकल्पिक क्षेत्रों का व्यवहार, दाव विद्युत। धातु की चालकता अति चालकता पदार्थों का चुम्बकीय गुण धर्म। फेरो और फेरी—चुम्बकत्व अर्थचालकों में चालकता हाल प्रभाव।

4. वैद्युत मापन

मापन के सिद्धान्त, परिपथ पैरामीटर का सेतु, मापन, माप यंत्र। डी. टी. डी. एम. तथा सी. आर. डी. क्यू.—सीटर, स्पैक्ट्रमस विश्लेषक। दांसफर्स तथा गैर-विद्युत मालाओं का मापन, अंकीय मापन दूरमापन तथ्य अभिलेखन तथा प्रदर्श।

प्रश्न-पत्र-2

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 42 और परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 44

5. अभिकलन के तत्व

अंकीय प्रणाली, एटोमोटिम विधियां, प्रवाह-संचित्रण भण्डारण, प्रूप विवरण, सरणी भण्डारण अंक गणित निष्पीड़न, तार्किक निष्पीड़न निर्दिष्टकरण विवरण, कार्यक्रम संरचना, वैज्ञानिक तथा इंजीनियरी अनुप्रयोग।

8. इलेक्ट्रॉनिक तथा संचार

वैद्युत यांत्रिक: विद्युत यांत्रिकीय उर्जा रूपान्तरण के सिद्धान्त। डी. सी. तूल्यकालिक तथा प्रेरण मशीनों का विश्लेषण। भिन्नात्मक अवश्यकता मोटर। नियंत्रण प्रणालियों में मशीनों दांसफार्मर्स। चुम्बकीय परिपथ तथा परिचालकों के लिए मोटरों का चयन। विद्युत प्रणाली—उत्पादन: तापीय तथा नाभिकीय, विद्युत संचरण, कोरोना, पूल चालक, विद्युत प्रणाली रक्षण। आर्थिक परिचालन, लोड आवृत्ति—नियंत्रण, स्थायित्व विश्लेषण।

7. नियंत्रण प्रणालीयां

अधिवृत्-पाश तथा संबृत् पाश प्रणालीयां, अनुक्रिया विश्लेषण, मूल केन्द्र प्रविधि, स्थायित्व, प्रतिपूरण तथा अभिकल्पन प्रविधियां। स्थिति-परिवर्ती उपगमन।

8. इलैक्ट्रॉनिक तथा संचार

इलैक्ट्रॉनिकी-धनावस्था युक्तियां तथा परिपथ। लघु सिगनल प्रवर्धक अभिकल्प, पुनर्भरण प्रवर्धक दोलिम तथा सॉक्रियामक प्रवर्धक एफ. ई.टी. परिपथ तथा रैखिक आई.सी.। स्प्रिचन परिपथ यूनिट डीजरिण्ट, तक्के परिपथ, सायोजिक तथा अनुक्रमिक अंकीय परिपथ।

संचार सिगनल विश्लेषण सिगनलों का प्रेषण। ग्रासुलन तथा विभिन्न प्रकार की संचार प्रणालीयों का संस्चन। संचार प्रणालीयों का निष्पादन।

इलैक्ट्रॉनिकी तथा दूर संचार ईंजीनियरी

दर्शनप्रक तथा परम्परागत दोनों प्रकार के प्रश्न-पत्रों के लिए प्रश्न-पत्र-1

वस्तुप्रक प्रकार के प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 61

और परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 63

पदार्थ

1. सामग्री, घटक तथा यूक्तिधार्थी

वैद्युत इंजीनियरी सामग्रियों की रास्तवा तथा गुणधर्म निष्क्रिय घटक—प्रकार तथा गुणधर्म। सक्रिय घटक—प्रकार का गुणधर्म—धनात्मक यक्तियां—भौतिक लक्षण तथा नियम।

2. जाल सिद्धान्त

जाल प्रमेय: विद्युत परिपथों की स्थिर उत्तरस्था तथा क्षणिक अनुक्रिया। परिपथ जाल विश्लेषण। प्रारम्भिक परिपथ जाल संश्लेषण।

3. विद्युत चुम्बकीय सिद्धान्त

छेत्रगत भिद्धान्त। संचरण लाइन विद्धान्त। एटीमा सिद्धान्त परिवर्त्य तथा अपरिवर्त्य भीड़िया में विद्युत चुम्बकीय तरंगों का प्रवर्तन।

4. माध्यन तथा शाश्वतकरण

विद्युत मात्राओं का आधारभूत माध्य। यंत्रों का मापन तथा उनकी कार्यप्रणाली का सिद्धान्त। दांसडार्स्म विद्युत मात्राओं का माध्य।

प्रश्न-पत्र-2

दर्शनप्रक प्रकार के परक-पत्र के लिए कोड सं. 62 और परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 63।

1. रैखिक तथा अरैखिक अनुरूप परिपथ

मूल रैखिक इलैक्ट्रॉनिक परिपथ। मैट्रिस व्यवहार। तरंग आकार जनित्र। स्थानिकरण।

2. अंकीय परिपथ

तक्के परिपथ तथा गेट। संत्रान्त व्यवहार। संयोजिक तथा अनुक्रमिक परिपथ।

3. नियंत्रण प्रणालीयां

पुनर्भरण सिद्धान्त। नियंत्रण प्रणाली घटक नियंत्रण प्रणालीयों की अनुक्रिया। व्यावहारिक प्रणाली का अभिकल्पन।

4. संचार प्रणालीयां

मूल सूचना सिद्धान्त। माडलन तथा संसूचन प्रक्रियाएँ। विभिन्न प्रकार की संचार प्रणालीयां। रैम्डियो तथा लाइन संचार। दूरदर्शन तथा रेडार संचार सहाय, अनुसामी संचार सिद्धान्त।

5. सूक्ष्म-तरंग इंजीनियरों

सूक्ष्म-तरंग स्त्रोत। सूक्ष्म-तरंग घटक तथा जाल मापन तथा सूक्ष्म-तरंग जावृतियां। सूक्ष्म-तरंग संचार प्रणालीयां।

परिचय-2

उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के बारे में विनियम।

ये विनियम उम्मीदवारों की सुधार्दा के लिए प्रकाशित किए जाते हैं ताकि वे यह अनुसार लगा सकें कि वे अपेक्षित शारीरिक स्तर के हैं या नहीं। ये विनियम स्वास्थ्य परीक्षकों (मैडिकल एग्जामिनेशन) को भार्ग-निदेशन के लिए भी हैं तथा जो उम्मीदवार इन विनियमों में निर्धारित न्यूनतम अपेक्षाओं को पूरा नहीं करता है। तो उसे स्वास्थ्य परीक्षकों द्वारा स्वस्थ घोषित नहीं किया जा सकता। किन्तु किसी उम्मीदवार को इन विनियमों में निर्धारित सानक के अनुसार स्वस्थ न मानते हुए भी स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड को इस बात की अनुमति होगी कि वह लिखित रूप से स्पष्ट कारण देते हुए, भारत सरकार को यह अनुशंसा कर सके कि उक्त उम्मीदवार को सेवा में लिया जा सकता है और उसमें सरकार को कोई हानि नहीं होगी।

2. किन्तु यह दात भी भली प्रकार समझ नेनी चाहिए कि भारत सरकार को स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करके उम्मीदवार का अस्वीकार करते का पूर्ण अधिकार होगा।

1. नियंत्रित के लिए स्वस्थ ठहराये जाने के लिए यह जहरी है कि उम्मीदवार का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ ठीक हो और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिससे नियंत्रित के बाद दथतापर्याप्त काम करने में वापा पड़ते की संभावना हो।

2. प्रत्येक उम्मीदवार की उनके व्यक्तिगत परीक्षा के दूसरे दिन या इस सम्यक को ध्यान में न रखने हाज़िर कि उसने पहले ऐसी डाक्टरी जांच करवाई थी और पहली जांच के आधार पर उन्हें स्वस्थ अथवा अस्वस्थ पाया गया, रेलवे मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) द्वारा यथा निणीत तारीख और स्थान की सेन्ट्रल हास्पिटल बर्सेत लेन, नई दिल्ली पर डाक्टरी जांच करवाई जाएगी। यदि उम्मीदवार नियंत्रित तारीख को डाक्टरी जांच के लिए रिपोर्ट करने में असफल रहता है तो उसकी नियंत्रित के लिए विचार नहीं किया जाएगा और उसकी उम्मीदवारी रद्द समझी जाएगी।

3. (क) भारतीय (एंगलो डिंडिगन सहित) जाति के उम्मीदवारों की जाग, कठ और छाती के धेर के परस्पर सम्बन्ध के बारे में मैडिकल बोर्ड के उपर यह बात लोड दी गई है कि वह उम्मीदवारों के परीक्षा में मर्दादर्शन के रूप में जो भी परस्पर सम्बन्ध के जांचहे सदसे अधिक उपयोग समझे व्यवहार में लाए। गढ़ वजन, कठ और छाती के धेरों में त्रिप्पमता होती है तो जांच के लिए उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिए और उसकी छाती का लम्फर लेना चाहिए। ऐसा करने के बाद जी बोर्ड उम्मीदवार को स्वस्थ अथवा अस्वस्थ घोषित करेगा।

(ख) किन्तु कुछ संवादों के लिए कद और छाती के घेरे के लिए कम से कम मानक निम्नलिखित है, जिस पर पूर्य न उत्तरने पर उम्मीदवार को स्वीकार नहीं किया जा सकता :—

सेवा का नाम	कद	छाती का घेरा	फैलाव
(पूरा फुला- कर)			
रेल इंजीनियरी सेवा			
(सिविल बैचुत)			
यांत्रिक और सिगनल			
श्रौर के ० लो. नि०			
वि० में केन्द्रीय			
इंजीनियरी सेवा शुपू			
'क' तथा केन्द्रीय विद्युत			
इंजीनियरी सेवा शुपू 'क'			
(क) पुरुष उम्मीदवारों			
के लिए	152	84	5 से०मी०
	से०मी०	से०मी०	
(ख) महिला उम्मीदवारों			
के लिए	150	79	5 से०मी०
	से०मी०	से०मी०	

अनुसूचित जनजातियों और तथा उन जातियों जैसे गोरखा, गढ़वाली, असमिया, नागालैण्ड के आदिवासियों आदि जिनका औसत कद स्पष्ट है: ही कम होता है; के मामले में भी निर्धारित न्यूनतम कद में छूट दी जा सकती है।

(ग) यदा इंजीनियरी संवादों शुपू 'क' भारतीय जायूध कारखाना सेवा शुपू 'क' के लिए छाती की नाप में कम से कम 5 से०मी० के फैलाव की गुजाइश रखनी होगी।

4. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि से मापा जाएगा :—

वह अपने जूते उतार देगा और शापदण्ड (स्टैंडिंड) से दस प्रकार सटा कर खड़ा किया जायेगा कि उसके पांच आपस में जुड़े रहें और उसका वजन सिवाए एड़ियों के पांचों के अंगूठों या किसी और हिस्से पर न घड़े। वह बिना अकड़े सीधा खड़ा होगा और उसकी एड़ियाँ, पिंडियाँ, वित्तब और कंधे शापदण्ड के साथ लगे होंगे। उसकी ठांड़ी नीचे रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर (वटकेस आफ दी हैड लेबल) हारिजेन्टल बार (आड़ी छड़ि) के नीचे आए। कद सेंटीमीटरों और आधे सेंटीमीटरों में मापा जाएगा।

5. उम्मीदवार के छाती मापने का तरीका इस प्रकार है :—

उसे इस भाँति खड़ा किया जाएगा कि उसके पांच जुड़े हों और उसकी भुजाएं सिर से ऊपर उठी हों। फीते को छाती के गिर्द इस तरह लगाया जाएगा कि उसका ऊपरी किनारा असफलक (शोल्डर ब्लैण्ड) के निम्न कारों (इन्फीरियर एंगिल्स) के पीछे लगा रहे और यह फीते को छाती के गिर्द ले जाने पर उसी आड़े समतल (हारिजेन्टल प्लेन) में रहे। फिर भुजाओं को नीचे किया जायेगा और उन्हें शरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कन्धे ऊपर या पीछे की ओर न किए जाएं ताकि फीता अपने स्थान से हट न पाए। तब उम्मीदवार को बढ़ी बार गहरा सांस लेने के लिए कहा जाएगा तथा छाती के अधिक से अधिक फैलाव पर सावधानी से ध्यान दिया जाएगा और कम से कम और अधिक से अधिक फैलाव सेंटी-

मीटरों में रिकार्ड किया जाएगा जैसे 84-89 86-93.5 आदि। माप की रिकार्ड करते समय आधे सेंटीमीटर से कम भिन्न (फ्रेक्शन) को नोट नहीं करना चाहिए।

विशेष ध्यान :—अंतिम निर्णय करने से पूर्व उम्मीदवार कद और छाती दो बार मापी जानी चाहिए।

6. उम्मीदवार का वजन भी किया जाएगा और उसका वजन किलोग्राम में रिकार्ड किया जाएगा आधा किलोग्राम से कम भिन्न (फ्रेक्शन) को नोट नहीं करना चाहिए।

7. उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नलिखित नियमों द्वारा सुनार की जाएगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा :—

(1) सामान्य—किसी रोग या असामान्यता का एता लगाने द्वारा लिए उम्मीदवार की आंखों की सामान्य परीक्षा की जाएगी। यदि उम्मीदवार की आंखों, पलकों अथवा साथ लगी संरचनाओं (कार्टिग्यूडस स्ट्रक्चर्स) का कोई ऐसा रोग हो जो उसे अब या आगे किसी समय सेवा के लिए अयोग्य बना सकता हो तो उसको अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

(2) दीप्टि-तीक्ष्णता (विजुअल एक्यूटी)—दीप्टि की तीक्ष्णता का निर्धारण करने के लिए दो तरह की जांच की जाएगी। एक दूर की नजर के लिए और दूसरी नजदीकी की नजर के लिए। प्रत्येक आंख की अलग-अलग परीक्षा की जाएगी।

चम्मे के दिना आंख की नजर (टेकेड आइं विजन) को कोई न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी किन्तु प्रत्येक मामले में मॉडिकल बोइंग या अन्य मॉडिकल प्राधिकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जाएगा। क्योंकि इससे आंख की हालत के बारे में मूल सूचना (बॉर्सक इन्फारमेशन) मिल जाएगी।

चम्मे के साथ और चम्मे के बिना दूर और नजदीक की नजर का मानक निम्नलिखित होगा :—

सेवाएँ	दूर की दृष्टि		निकट की दृष्टि	
	अंचली आंख	खराब आंख	अंचली आंख	खराब आंख
1	2	3	4	5

क. तकनीकी

- 1 रेल इंजीनियरी सेवाएँ (सिविल, बैचुत, यांत्रिक और सिगनल)
- 2 केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा शुपू के इंजीनियरी सेवा शुपू के

केन्द्रीय जल इंजीनियरी

सेवा शुपू क, केन्द्रीय विद्युत

इंजीनियरी सेवा (सड़क) शुपू क

तथा तार इंजीनियरी सेवा शुपू क

सहायक कार्यपालक इंजीनियर

(सिविल तथा विद्युत)

डाक एवं तार भवन निर्माण

(शुपू 'क') सेवा

6/6, 6/12 ज० I ज० II

अधवा

6'9 6'9

	1	2	3	4	5
बाई० हक्क्य० पी० एण्ड सी० स्कन्ध					
अनुश्रवण संगठन, संचार मंत्रालय					
में इंजीनियर का पद भारतीय					
प्रसारण (इंजीनियर) सेवा,					
भारतीय नोसेना आयुद्ध सेवा में					
भारतीय आयुद्धाला सेवा शूप 'क'					
सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा शूप 'क'					
सहायक विकास अधिकारी					
(इंजीनियरी) का पद, तकनीकी विकास					
महानिदेशालय।					
3 सेना इंजीनियरी सेवा शूप 'क'	6/6	6/18	जै० I	जै० II	
सहायक प्रबंधक (कारखाना) शूप 'क'					
दाकतार दूरसंचार कारखाना संगठन	6/9	6/9			
ख. गैर तकनीकी					
4 भारतीय रेल बंडार	6/9	6/12	जै० I	जै० II	
सेवा तथा भारतीय भूविज्ञान संवेदन					
में यात्रिकी इंजीनियरी (कनिष्ठ)					
शूप 'क' बर्मा इंजीनियर (कनिष्ठ)					
शूप 'क'					

टिप्पणी (1)

(क) उपर्युक्त के पर उल्लिखित तकनीकी सेवाओं के सम्बन्ध में मायोपिया (सिलेण्डर सहित) का कुल परिणाम-4.00 डी. से अधिक नहीं होगा। हाइपरमेटोपिया (सिलेण्डर सहित) का कुल परिणाम +4.00 डी. से अधिक नहीं होगा। किन्तु यह है कि "तकनीकी" रेल मंत्रालय (रेल विभाग के अधीन सेवाओं के अलावा) के रूप में वर्गीकृत सेवाओं का उम्मीदवार यदि हाई मायोपिया के कारण आयोग्य पाया जाए तो यह मामला तीन नेत्र विशेषज्ञों के विशेष बोर्ड को भेज दिया जाएगा जो यह घोषणा करेंगे कि यह मायोपिया रोगात्मक है या कि नहीं यदि यह रोगात्मक नहीं है तो उम्मीदवार को योग्य घोषित कर दिया जाएगा बशते कि वह अन्यथा दृष्टि सम्बन्धित अपेक्षाय॑ पूरी कर दे।

मायोपिया फण्डस के प्रत्येक मामले में जांच करानी चाहिए और उसके नतीजे को रिकार्ड किया जाना चाहिए। यदि उम्मीदवार को रोगात्मक अवस्था हो जिसके बढ़ने और उससे उम्मीदवार की कार्यकुशलता पर असर पड़ने की सम्भावना हो तो उसे अयोग्य घोषित कर देना चाहिए।

टिप्पणी (2)

तकनीकी विकास महानिदेशालय में भारतीय दूर संचार सेवा शूप के और सहायक विकास अधिकारी इंजीनियरी के अलावा उपर्युक्त 'क' पर उल्लिखित तकनीकी सेवाओं के संबंध में वर्णदर्शन की जांच अनिवार्य होगी।

जैसा कि नीचे तालिका में दर्शाया गया है वर्ण—अवगम उच्चतर तथा निम्नतर ग्रेडों में होना चाहिए जो लैन्टर्न में द्वारक (एपर्चर) के आकार पर निर्भर हो :—

ग्रेड	वर्ण अवगम का उच्चतर ग्रेड	वर्ण अवगम का निम्नतर ग्रेड
1. लैम्प और उम्मीदवार के बीच की दूरी	16'	16
2. डाक (एपरचर) का आकार	1.3 मी० मीटर	1.3 मी० मीटर
3. दिखाने का समय	5 मैकेन्ट	5 मैकेन्ट !

रेल इंजीनियरिंग सेवा (सिविल, वैद्युत, सिगनल और यांत्रिक) और जल सुरक्षा से सम्बन्धित अन्य सेवाओं के लिए उच्च ग्रेड के वर्ण दर्शन की जरूरत है किन्तु अन्यथा नीचे ग्रेड के वर्ण दर्शन को पर्याप्त माना जाना चाहिए :—

सेवाओं/पदों के वर्ण जिनके लिए उच्च या निम्न ग्रेड का वर्ण-दर्शन अपेक्षित है, नीचे दिए जा रहे हैं :—

तकनीकी सेवाएं या पद जिनके लिए उच्चतर ग्रेड का वर्ण दर्शन अपेक्षित है :—

- (1) रेल इंजीनियरी सेवा
- (2) सैन्य इंजीनियरी सेवा
- (3) भारतीय सर्वेक्षण शूप 'क' संवा
- (4) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क)
- (5) केन्द्रीय वैद्युत इंजीनियरी सेवा
- (6) सहायक कारखाना प्रबन्धक (कारखाना) (डाक तार) दूर संचार कारखाना संगठन
- (7) सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा शूप 'क'।

तकनीकी सेवाएं या पद जिनके लिए निम्नतर शूप का वर्ण दर्शन अपेक्षित है :—

- (1) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा
- (2) केन्द्रीय वैद्युत तथा यांत्रिकी इंजीनियरी सेवा
- (3) भारतीय नौ सेना आयुध सेवा का ग्रेड
- (4) भारतीय आयुध कारखाना सेवा
- (5) केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेवा
- (6) सहायक कार्यकारी इंजीनियर (सिविल तथा विद्युत) शूप 'क' डाक व तार, भवन निर्माण (शूप 'क') सेवा
- (7) भारतीय प्रसारण (इंजीनियर) सेवा का कनिष्ठ वेतनमान
- (8) इंजीनियर शूप 'क' बंटार आयुजन और सम्बन्ध स्कन्ध अनुश्रवण संगठन
- (9) सहायक इंजीनियर (सिविल वैद्युत) शूप 'क' आकाशवाणी का सिविल निर्माण स्कन्ध।

लाल, हरे और स्फेंद रंग के संकेत को आसनी से और हिच-किचाहट के बिना पहचान लेना संतोषजनक वर्ण दर्शन है। वर्ण दर्शन की परीक्षा के लिए दृश्यहारा की प्लेटों तथा एडरिज की लैटर्न—दर्नियों का प्रयोग किया जाएगा।

टिप्पणी (3)—दृष्टि क्षेत्र (फोटोड आफ विजन) —सभी सेवाओं के लिए सम्मूलन विधि द्वारा दृष्टि क्षेत्र की जांच की जाएगी। जब ऐसी जांच की नतीजा असंतोषजनक या संदिग्ध हो तब दृष्टि क्षेत्र को परिभाषी (पैरामीटर) पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

टिप्पणी (4)—रत्नांशी (नाइट व्हाइट्वेस) —केवल विशेष मामलों को छोड़कर रत्नांशी की जांच नेसी रूप से जरूरी नहीं है। रत्नांशी या अन्धेरे में दिखाई न देने की जांच करने के लिए कोई स्टॉडर्ड टैस्ट दिशित नहीं है। मॉडिकल बोर्ड को ही ऐसे काम चलाऊ टैस्ट कर लेने चाहिए जैसे रोशनी कम करके या उम्मीदवार को अन्धेरे कमरे में लाकर 20 से 30 मिनट के बाद उससे विविध चीजों की पहचान करवा-

कर दीच्छ तीक्ष्णता रिकार्ड करना। उम्मीदवारों के कहने पर ही हमेशा विवास नहीं करना चाहिए, किन्तु उन पर उचित विचार किया जाना चाहिए।

टिप्पणी (5)—कंट्रीय इंजीनियरी सेवा हेतु उम्मीदवारों को चिकित्सा बोर्ड द्वारा जरूरी समझे जाने पर वर्ण दर्शन और रत्नोंधी सम्बन्धी परीक्षण पास करना होगा। भारतीय सर्वेक्षण सेवा ग्रुप 'क' के लिए उम्मीदवार को 'त्रिविम संगलन' परीक्षण पास करना होगा।

टिप्पणी (6)—दीच्छ की तीक्ष्णता से भिन्न आंख को दर्शाएँ (आवश्यकता के अन्तर्गत)।

(क) आंख की अंग सम्बन्धी बोगारी को बड़ती हुई अपवर्तन ब्रूटि (रिफ्रिंग एरर) का, जिसके परिणामस्वरूप दीच्छ की तीक्ष्णता के कम होने की सम्भावना हो, अयोग्यता का कारण समझना चाहिए।

(ख) भौगोलिक—उम्पर 'क' पर उल्लिखित तकनीकी सेवाओं हेतु जहां दोनों आंखों की दीच्छ का होना जरूरी है, भौगोलिक अयोग्यता माना जाएगा चाहे दीच्छ की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की ही क्षमता न हो। यदि दीच्छ की तीक्ष्णता निर्धारित मानक के अनुसार हो तो अन्य सेवाओं हेतु भौगोलिक अयोग्यता नहीं माना जाएगा।

(ग) यदि कोइं एक आंख वाला व्यक्ति है या उसकी एक आंख की दीच्छ सामान्य है तथा दूसरी आंख की दीच्छ कमज़ोर है या उसकी दीच्छ उपसामान्य है तो इसका सहज प्रभाव वह होता है कि गहनता अवश्यम के लिए उनके पास त्रिविम दीच्छ की कमी है। कई सिविल पदों के लिए एंसी दीच्छ जरूरी नहीं है। चिकित्सा बोर्ड एंसे व्यक्तियों की स्वस्थ होने की अनुशंसा कर सकता है। बशर्ते कि उसी सामान्य आंख—

(1) को चेता लगाकर या चेतावे के बिना दूर दीच्छ 6/6 और निकट दीच्छ जो बशर्ते कि किसी मॉरिडियम में दूर दीच्छ सम्बन्धी दोष 4 डायोप्ट्रेस से अधिक न हो।

(2) का दीच्छ-क्षेत्र पूर्ण हो।

(3) आवश्यकतानुसार सामान्य वर्ण दर्शन।

किन्तु बोर्ड संतुष्ट हो कि उम्मीदवार संदर्भगत कार्ग विशेष सम्बन्धित सभी कार्रवाई कर सकता है।

"तकनीकी" के रूप में वर्गीकृत पदों/सेवाओं के उम्मीदवारों के लिए दीच्छ की तीक्ष्णता का शिथिल किया हुआ उपर्युक्त मानक लागू नहीं होगा।

टिप्पणी (7)—कान्टेक्ट लैंस—चिकित्सा परीक्षा के दौरान उम्मीदवार को कान्टेक्ट लैंस प्रयोग करने की उन्मुक्ति नहीं दी जानी चाहिए।

टिप्पणी (8)—यह आवश्यक है कि जांसों का धरोक्षण करते समय दूर दीच्छ के लिए टाइप अक्षरों की प्रदीर्घि 1.5 फूट कैण्डल की प्रदीर्घि जैसी हो।

टिप्पणी (9)—सरकार किसी भी उम्मीदवार को पक्ष में विशेष क्लरिंजन देने की शर्त में छूट दे सकती है।

8. रक्त दाब (ब्लड प्रेशर)

ब्लड प्रेशर के सम्बन्ध में बोर्ड अपनी विवेका से काम लेगा। नार्मल मेंकीम सिस्टालिक प्रेशर के आकलन की काम ब्लड विधि निम्न प्रकार है :—

(1) 15 से 25 वर्ष की युवा व्यक्तियों में आसत ब्लड प्रेशर लगभग 100 + आयू होता है।

(2) 25 वर्ष के उम्पर की आयू वाले व्यक्तियों में ब्लड प्रेशर के आकलन में 110 + आवी आयू का सामान्य विनियम बिल्कुल संतोषजनक दिखाई पड़ता है।

विशेष ध्यान: सामान्य नियम के रूप में 140 एम.एम. से उम्पर सिस्टालिक प्रेशर और 90 एम.एम. से उम्पर डायस्टालिक प्रेशर को संदिन्ध मान लेना चाहिए और उम्मीदवार को अंग्रेजी या योग्य छहरामे के सम्बन्ध में अपनी अन्तिम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखने की रिपोर्ट से यह पता लगना चाहिए कि बबराहट (एक्साइटमेंट), आदि के कारण ब्लड प्रेशर थोड़े समय उहने वाला है या इसका कारण कोई कार्यिक (आर्गेंनिक) बीमारी है। ऐसे भी मामलों में हृदय का एक्स-रे और इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफी जांच और रक्य यूरिया निकास (क्लियरेंस) की जांच भी नेमी तीर पर को जानी चाहिए। फिर भी उम्मीदवार के योग्य होने पर या न होने के बारे में अंतिम फैसला केवल मैडिकल बोर्ड ही करेगा।

ब्लड प्रेशर (रक्त दाब) लेने का तरीका

नियमित पारे वाले दावसापी (मरकरी मैनोमीटर) किसी का उपकरण (इस्ट्रूमेंट) इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किसी का व्यायाम या बबराहट के बाद पन्द्रह मिनट तक रक्त दाब नहीं लेना चाहिए। योगी बैठा या लेटा हा बशर्ते कि वह और विशेषकर उसकी बांह हिस्थिल और आरम से हो। बांह थोड़ी-बहुत हारिजेनल स्थिति में रांगी के पार्श्व पर हो तथा उसके कन्धे तक कपड़ा उतार देना चाहिए। कफ में से परी तरह हवा निकाल कर बीच की रखड़ को भूजा के अन्दर की ओर रख कर और उसके निचले किनारे को कांहनी के मोड़ से एक या दो इंच उत्तर करके लगाना चाहिए। इसके बाद कपड़े की पट्टी को फैलाकर समान रूप से लपेटना चाहिए ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फूल कर बाहर को ना निकले।

कांहनी के मोड़ पर बांह धमनी (ब्रॉकिल आर्टरी) को दबाए दबाए कर ढंगा जाता है और तड़ उसके उत्तर बीच-बीच स्टेथेस्कोप को हल्के से लगाया जाता है जो कफ के साथ न लगे। कफ में लगभग 200 एम.एम.एच.जी. हवा भरी जाती है। और इसके बाद इसमें से धीरे-धीरे हवा निकाली जाती है। हल्की क्रमिक ध्वनियां सुनाई पड़ने पर जिस स्तर पर पारे का कालम टिका होता है वह सिस्टालिक प्रेशर दर्शाता है। जब और हवा निकाली जाएगी तो और तेज ध्वनियां सुनाई पड़ेंगी। जिस स्तर पर साफ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली ध्वनियां हल्की दबी हुई सी लूप्स प्रायः हो जाए तो यह डायस्टालिक प्रेशर है। ब्लड प्रेशर काफी थोड़ी अवधि में हो ले लेना चाहिए क्योंकि कफ के लम्बे समय का दबाव रोगी के लिए क्षोभकारक होता है और इससे रीडिंग गलत होती है यदि दोबारा पड़ताल करती जरूरी हो तो कफ में से पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद ही ऐसा किया जाए। कभी-कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर पर ध्वनियां सुनाई पड़ती हैं दब गिरने पर ये गायब हो जाती हैं तथा निम्न स्तर पुनः प्रकट हो जाती है। इस "साइ-लेन्ट गैप" में गलती हो सकती है।

9. परीक्षक को उपर्याप्ति में किए गए मूल्र की परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड दिया जाना चाहिए। जब मैट्रिकल बोर्ड^१ को किसी उम्मीदवार के मूल्र में रासायनिक जांच द्वारा शक्ति का पता चले तो बोर्ड इसके सभी पहलुओं की परीक्षा करता है और मधुमेह (डायरिटीज) को घोषक चिन्ह और लक्षणों को भी विशेष रूप से नोट करता है। यदि बोर्ड उम्मीदवार को नल्कोज मेह (ग्लाइकोसूरिया) के सिवाय, अपेक्षित मौलिक फिटनेस के स्टैण्डर्ड अनुरूप पाए तो वह उम्मीदवार को इस इतने के साथ फिट घोषित कर सकता है कि नल्कोज मधुमेही (नान-डायरिटीक) नहीं है और बोर्ड इस केस को मैट्रिकल को किसी ऐसे विशेषज्ञ के पास भेजेगा। जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला मूल्र धारण हीं मैट्रिकल विशेषज्ञ स्टैण्डर्ड ब्लड शैग्र टालर स्टेम्स समेत जो भी किलिनिकल या लैनोर-टंटरी परीक्षाओं जहरी समझेगा, करेगा और अपनी रिपोर्ट बोर्ड को भेज देगा। जिस पर मैट्रिकल बोर्ड की 'फिट' 'अनिक्षित' की अंतिम राय आधारित होगी दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के निए बोर्ड को साफ्टने म्यां उपस्थित होना जहरी होगा, औषधि के प्रभाग को समाप्त करने के लिए यह जहरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कहाँ दिन तक अस्पताल पूँछी दोस्त-रेख में रहा जाए।

10. यदि जांच के परिणामस्वरूप कोई नई उम्मीदवार 12 हफ्ते या उससे अधिक समय की गर्भदत्ती पाई जाती है तो उगकी अस्थाई रूप से तब तक अस्वस्थ वापिस यित्ता जाना चाहिए जब तक कि उसका प्रभाव पूरा न हो जाए। इनी रजिस्टर्ड चिकित्सा व्यवसायी का स्वस्थता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर, प्रसूति की तारीख से 6 हफ्ते बाद आरांथ प्रमाण-पत्र के लिए उसकी फिर से स्वास्थ्य परीक्षा की जानी चाहिए।

11. निम्नलिखित जटिलताएँ कानों का रूप यित्ता जानी चाहिए :—

(क) उम्मीदवार जो दोनों कानों से अचानक मुराहे पड़ता है और उसके कान में बीमारी का कोई चिह्न नहीं है। यदि कोई बान या बगड़ी हो तो उसका परीक्षा कान-दिशांवृत्त द्वारा की जानी चाहिए। यदि सूनने की स्थगिती या इन्सेप्शन या लियरिंग एड के इस्तेमाल से हो सकते हों तो उम्मीदवार को इस आधार पर अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता है दरअतें कि कान की बीमारी बड़ा भारी न हो यह उपर्यंथ भारतीय रेल भंडार सेया के असाम असम रंगल गोदाओं, सेना इंजीनियरी सेया, भारतीय दूर संचार सेया, शूप 'क' लैन्ड्रो इंजीनियरी है. इ. '५' और कंट्रोल विद्युत इंजीनियरी की सेया या 'क' और सीमा सड़क इंजीनियरी सेया या 'क' पर साथ नहीं है। चिकित्सा परिक्षा प्राधिकारी ने भारत-दर्शन के लिए इस संबंध से निम्नलिखित मार्ट-दर्शन जानकारी दी जाती है :—

1	2	3
(1) एक कान में प्रकट अव्यवा पूर्ण बहरापन दूसरा कान सामान्य होगा।	यदि हायर फोवेंसी में बहरापन 30 डेसिबल तक हो तो गैर-तकनीकी बायों के लिए योग्य।	
(2) दोनों कानों में बहरापन का प्रत्यक्ष बोध जिसमें अव्यवा यथा (हिफरिंग एड) द्वारा कुछ सुधार संभव हो।	यदि 1000 से 4000 तक की स्पीच फोवेंसी में बहरापन 30 डेसिबल तक हो तो तकनीकी बाया गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के बायों के लिए योग्य।	

- | 1 | 2 | 3 |
|--|--|---|
| (3) मृदूल अव्यवा मार्जिनल टाइप के टिमोरेनिक मैट्वरेन का छिद्र | (1) एक कान सामान्य दूसरे कान में टिमोरेनिक मैट्वरेन का छिद्र हो तो अस्थायी आधार पर अयोग्य। कान की बाल्य चिकित्सा से स्थिति सुधारने पर दोनों कानों में मार्जिनल या अन्यछिद्वाले उम्मीदवारों को अस्थायी रूप से आयोग्य घोषित कर के उस पर नीचे दिए गए नियम (ii) के अधीन विचार किया जा सकता है। | |
| (4) दोनों कानों से मार्जिनल या एंटिक बैघन होने पर अयोग्य | (2) दोनों कानों में सेंट्रल छिद्र होने पर अस्थायी रूप से अयोग्य। | |
| (5) कान के एक ओर (दोनों ओर) से मस्टायड केविटी से सब नार्मल अवण | (1) किसी एक कान में सामान्य रूप से एक ओर से मस्टायड केविटी से सुनाई देता हो दूसरे कान में सब नार्मल अवण वाले कान/मस्टायड केविटी होने पर तकनीकी बाया गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के बायों के लिए योग्य। | |
| (6) नाराट या हृदी नर्डों (बोनी डिकामिटी) महिल अव्यवा उससे रहित नाक की जीर्ण प्रदाहक/एलर्जिक दशा। | (1) प्रथम भागों के परिवर्तियों के अनुसार नियम लिया जाएगा। (2) लक्षणों सहित नासा पट्ट विचल विद्यमान होने पर अस्थायी रूप से अयोग्य। | |
| (7) टोमिल्स और या कण्ठ की जीर्ण प्रदाहक दशा। | (1) टोमिल्स और या कण्ठ की जीर्ण प्रदाहक दशा योग्य। (2) यदि बावाज में अत्यधिक कर्णशता विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से अयोग्य। | |
| (8) कान नाक में (इंटरनॉटो) के हल्के अव्यवा अपने स्थान पर मेलिनोनेट ट्यूमर | (1) हल्का ट्यूमर अस्थायी रूप से अयोग्य। (2) मेलिनोनेट ट्यूमर अयोग्य | |

1	2	3
(9) आटोसकिलैरेसिस	(1) आटोसा किकरीसिस ब्रापरेशन के बाद या अवण वंच की सहायता से अवणता 30 फ्लॉट्स के बढ़वर होने पर थोग्य ।	
(10) कान, नाक अधवा गले के अन्मजात दोष ।	(1) यदि काम-काज में बाधक व हों—योग्य । (2) यदि आरी मात्रा में हकलाहट हो—योग्य ।	
(11) नेसलपोली	अस्थायी रूप से अथोग्य ।	
	(ख) वह बिना हकलाहट बोल लेता/लेती है ।	
(ग) उसके दांत अच्छी हालत में हैं या नहीं और अच्छी नरह चबाने के लिए जरुरी होने पर नकली दांत लगे हैं या नहीं (अच्छी नरह भरे हए दांतों को ठीक समझा जाएगा) ।		
(घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी है और छाती का कैलाब पर्याप्त है तथा उसका दिल व फेफड़ ठीक है ।		
(ङ) उसे पेट की कोई दीमारी है या नहीं ।		
(च) उसे रेचर नहीं है ।		
(छ) उसे हाइड्रोसिल, स्फीत शिरा या वादासीर नहीं है ।		
(ज) उसके अंगे, हाथों और पैरों की बनावट और विकास अच्छा है और उगकी प्रथियाँ भली भांति स्वतंत्र रूप में हिलती हैं ।		
(झ) उसके कोई चिरस्थानी त्वचा की दीमारी नहीं है ।		
(ञ) कोई अन्मजात कुरचना या दोष नहीं है ।		
(ट) उसके किसी उश या जीर्ण दीमारी के निशान नहीं हैं जिससे कमज़ोर गठन का पता लगे ।		
(ठ) उसके झरीर पर टॉके के निशार हैं ।		
(ण) कोई संचारी (कम्पनिकेवल) रोग नहीं है ।		

12. दिल और फेफड़ों की किसी अपसामान्यता का पता लगाने के लिए जो साधारण शारीरिक परीक्षा से जात नहीं सभी मामले में हमें रूप से छाती की एक्स-रे परीक्षा की जानी चाहिए ।

उम्मीदवार के स्वास्थ्य के बारे में संदेह की स्थिति में मैडिकल बोर्ड के अध्यक्ष सरकारी नांकरी करने के लिए उम्मीदवार के थोग्य स्वास्थ्यता या अयोग्यता का निर्णय करने के लिए अस्पताल के किसी उपर्युक्त विशेषज्ञ की सलाह ले सकते हैं जैसे यदि यह संदेह हो कि उम्मीदवार किसी मानसिक रोग या बिकार से पीड़ित है, तो बोर्ड के अध्यक्ष किसी अस्पताल के मनोविकार विज्ञानी/मनोविज्ञानी डाक्टर की सलाह ले सकते हैं ।

जब कोई दोष भिन्ने तो उसे प्रामाण-पत्र में उल्जन ही नोट किया जाए। ऐसीकल परीक्षक को उपनी राज लिस फैनी चाहिए कि उम्मीदवार इवारा इष्टी के अपेक्षित दृष्टिता नामः निष्पादन में इससे बाधा पड़ने की संभवना है या नहीं ।

13. उन उम्मीदवारों कों जो मैडिकल बोर्ड के किसी निर्णय के खिलाफ अपील करना चाहते हैं तो उहैं भारत सरकार, रेल मंत्रालय (रेल विभाग) इवारा निर्धारित रीति से 50 रु. का अपील शुल्क जमा करना होगा। यह शुल्क उन उम्मीदवारों को वापस कर दिया जाएगा जिहैं अपीलीय मैडिकल बोर्ड इवारा स्वस्थ घोषित किया जाएगा। जबकि अन्य मामलों में यह शुल्क जब्त कर लिया जाएगा। उम्मीदवार कों अपनी अपील के साथ किसी रीजस्टर्ड डॉक्टर का स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करके विशेष तार पर वह उल्लेख करना चाहिए कि उम्मीदवार कों चिकित्सा बोर्ड इवारा अयोग्य घोषित किए जाने को उसे जानकारी है। जब उम्मीदवार चिकित्सा बोर्ड के सामने उपस्थित हों तो उनके पास इस प्रमाण-पत्र की प्रति अवश्य होनी चाहिए। उम्मीदवार को पहले मैडिकल बोर्ड के निर्णय की सूचना प्राप्त होने के 21 दिन के भीतर अपनी अपील वस्तु कर दीनी चाहिए। अन्यथा अपीलीय मैडिकल बोर्ड इवारा चिकित्सा परीक्षा के लिए किए गए अनरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा। चिकित्सा परीक्षा के लिए अपीलीय मैडिकल बोर्ड की व्यवस्था उम्मीदवार के खर्च पर ही की जाएगी। अपीलीय मैडिकल बोर्ड के इवारा की जाने वाली चिकित्सा* परीक्षा के सम्बन्ध में किसी प्रकार का यात्रा भत्ता नहीं दिया जाएगा। रेल मंत्रालय (रेल विभाग) इवारा अपीलीय मैडिकल बोर्ड इवारा चिकित्सा परीक्षा के लिए आवश्यक कार्यवाही तभी की जाएगी जब निर्धारित शुल्क के साथ निर्दित समय के भीतर सभी अपीलें प्राप्त होंगी।

14. अपीलीय चिकित्सा बोर्ड का निर्णय अंतिम होगा और हों), के लिए उचित गुंजाइश रखनी चाहिए ।

मैडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

मैडिकल परीक्षक के मार्ग दर्शन के लिए निम्नलिखित मुच्चना दी जाती है-

1. शारीरिक योग्यता (फिटनेस के लिए अपनाए जाने वाली स्टैण्डर्ड से संबंधित उम्मीदवार की आय और सेवाकाल यदि कोई हो), के लिए उचित गुंजाइश रखनी चाहिए ।

किसी ऐसे व्यक्ति को पर्यावरक सर्विस में भर्ती के लिए योग्यता प्राप्त नहीं समझा जाएगा जिसके बारे में यथा स्थिरि मरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (अपार्टमेंट अथरिटी) को यह तसल्ली नहीं है जाती कि उसे ऐसी बोर्ड दीमारी रखना, संबंधी दोष या शारीरिक दुर्बलता (बाडिली इन्फर्मिटी) नहीं है जिसमें वह उस सेवा के लिए अयोग्य नहीं गया हो या उसके अयोग्य होने की संभवना ही है ।

यह बात सभी लेनी चाहिए कि स्वस्थता का प्रश्न भविष्य से भी उतना ही संबंध है जितना वर्तमान से है और मैडिकल परीक्षा का एक मूल उद्देश्य निरन्तर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थायी नियुक्ति के उम्मीदवारों के मामले में अकाल मृत्यु होने पर भी गम्य पूर्ण पैशान या अदायगियों को रोकना है । साथ ही यह नोट कर लिया जाए कि यह प्रश्न केवल निरन्तर कारगर सेवा की संभवना का है और उम्मीदवार को अस्वीकृत करने की सलाह इस हाल में नहीं दी जाती चाहिए जबकि उसमें कोई ऐसा दोष है जो केवल वहात कम परिस्थितियों में निरन्तर कारगर सेवा में लाभक भाना गया हो ।

महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिए किसी लेडी डॉक्टर के मैडिकल बोर्ड के सदस्य के रूप में सहयोगित किया जाएगा ।

मैंडिकल बोर्ड^१ की रिपोर्ट^२ को गोपनीय भरा जाएगा।

एसे मैंडिकल में जब कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए अयोग्य करार दिया जाता है तो भोटे तौर पर उगके अस्थीकार किए जाने के आधार उम्मीदवार को बनाए जा सकते हैं किंतु मैंडिकल बोर्ड^३ में जो स्वास्थी बनाई जाए उसका विस्तृत जारी नहीं दिया जा सकता है।

एसे मामलों में जहां मैंडिकल बोर्ड^५ का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार की अयोग्य बनाने वाली ओटो-मोटी खरादी चिकित्सा (मैंडिकल या मैंजिकल) द्वारा दूर हो सकती है वहां मैंडिकल बोर्ड^६ द्वारा इस आवश्य का कथन रिकार्ड किया जाना चाहिए। नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड^७ की राय सुचित किए जाने में कोई आपत्ति नहीं है और जबकि वह खरादी दूर हो जाए तो संवैधान प्राधिकारी एक दूसरे मैंडिकल बोर्ड^८ के सामने उग व्यक्ति को उपरिधिक होने के लिए कह सकता है।

यदि कोई उम्मीदवार अस्थायी तौर पर अयोग्य करार दिया जाए तो दबारा परीक्षा की अवधि साधारणतया अधिक छँ महीने से कम नहीं होती चाहिए। निश्चित अवधि के द्वारा जब दबारा परीक्षा हो तो एसे उम्मीदवार को और आगे की अवधि के लिए अस्थायी तौर पर अयोग्य घोषित न कर नियुक्ति के लिए अयोग्य है एसा निर्णय अनित्म रूप से दिया जाना चाहिए।

पन: चिकित्सा परीक्षा को प्रथम चिकित्सा परीक्षा का भाग माना जाएगा और उम्मीदवार यदि चाहे एसा तो निर्णय के विरुद्ध अपील कर सकते हैं।

(क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा

अपनी मैंडिकल परीक्षा भे पर्व उम्मीदवार को नियमित अपेक्षित विवरण देना चाहिए और उसके माध्यम से लारी हूँ घोषणा (डिक्लोरेशन) पर हस्ताक्षर करने चाहिए। नीचे दिए जाने वाले उल्लिखित चेतावनी की ओर उम्मीदवार ना भाग लियो तथा वे अकर्तुत किया जाता है:—

1. आपना परा नाम लिखें

(साफ अक्षरों में)

2. आगनी आग और अन्य रथान लिखें।

2. (क) क्या आप ऐसी जाति से गोरखा, गढ़वाली, असमी, नगालण्ड आदिवासी आदि में से किसी में सम्बन्धित है? जिनका औमत कद स्पष्टतः दूसरों में कम होता है? 'हाँ' या 'नहीं' में उत्तर दीजिए।

उत्तर 'हाँ' में तो उग जाति का नाम बताएँ।

3. (क) क्या आपको कशी चेक, रक्त-रक्त कर होने वाला या कोई दम्भ बबार, शैथियों (ग्लैग्लैस) का बहना या इनमें पीप पड़ना, शक में लग आगा दमा, टिल की दीमारी, फेफड़े की दीमारी, मर्दां के दौरे जिह्यमैटिजम, एपीडिसाइट्स हआ है?

3. (ख) दूसरी कोई ऐसी दीमारी या दर्घना जिसके कारण शर्करा पर लेटे रहना पड़ा हो और जिसका मैंडिकल या मैंजिकल इलाज किया गया हो?

4. क्या आपको अधिक काम या किसी दूसरे कारण के किसी की अधीरता (नर्वसन्स) है?

5. अपने परिवार के संबंध में निम्नलिखित व्यौरंदे:—

यदि पिता जीवित	मृत्यु के समय	आप कितने आई	आपके आइयों
दूसरों उनकी	पिता की आयु	जीवित हैं उनकी	की मृत्यु हो
आयु और	और मृत्यु का	आयु और	चुकी है तो
स्वास्थ्य की	कारण	स्वास्थ्य की	उनकी मृत्यु के
अवस्था		अवस्था	समय आयु और
			मृत्यु का कारण

1 2 3 4

यदि माता	मृत्यु के समय	आपकी कितनी	आपकी कितनी
जीवित हो तो	माता की आयु	बहिंते जीवित हैं	बहिंतों की मृत्यु
उनकी आयु और	और मृत्यु का	उनकी आयु और	हो चुकी है, मृत्यु
स्वास्थ्य की	कारण	स्वास्थ्य की	के समय उनकी
अवस्था		अवस्था	आयु और मृत्यु का कारण

5 6 7 8

6. क्या इसमें पहले किसी मैंडिकल बोर्ड^९ ने आपकी परीक्षा की है?

7. यदि उत्तर के प्रश्न का उत्तर 'हाँ' में हो तो बतलाइए किस सेवा किन योग्यताओं में पद (पदों) के लिए आपकी परीक्षा की गई थी?

8. परीक्षा लेने वाला प्राधिकारी कौन था?

9. मैंडिकल बोर्ड^{१०} कब और कहा था?

10. मैंडिकल बोर्ड^{११} की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हो अथवा आपको मालूम हो?

मैं घोषित करता हूँ कि जहां तक मेरा विवाह है उत्तर दिए गए सभी जवाब सही और ठीक हैं।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर

मेरे सामने हस्ताक्षर किए

बोर्ड^{१२} के अध्यक्ष के हस्ताक्षर

नोट:—उपर्युक्त कथन की यथावत् के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होगा।

जान बूझकर किसी सुचना को छिपाने से वह नियुक्ति हो दैठने का जोखम लेगा और यदि वह नियुक्त हो भी जाए तो वार्षिक नियुक्ति भत्ता (सुपरएनुएशन अलाउन्स) का आनुतोषिक (ग्रेच्यूटी) से सभी दावों से हाथ धो दैठेगा।

(ब) उम्मीदवार की शारीरिक परीक्षा से सम्बद्ध/मैडिकल बोर्ड की रिपोर्ट	साधारण	(ब) ब्लड प्रेशर डायस्टालिक	सिस्टालिक
(उम्मीदवार का नाम)		9. उदर (पेट) वेर (टेण्डरनेस)	स्पर्शसंव्यता
1. सामान्य विकास अच्छा	साधारण	हर्निया	
कम पोषण : पतला औसत कद (जूते उतार कर)	मोटा वजन	(क) स्पर्शय यकृत तिल्ली द्यूमर	
अत्युत्तम वजन वजन में कोई हाल ही में हुआ परिवर्तन तापमान छाती का घेर	कब था	(ख) उक्तार्श भगन्दर	
(1) पूरा सांस खींचने पर (2) पूरा सांस निकालने पर		10. तांत्रिक (नर्वस सिस्टम): तांत्रिक या मानसिक अस- क्रिता का संकेत।	
2. त्वचा कोई प्रत्यक्ष बीमारी		11. चलन तंत्र (लोकोमोटर सिस्टम): कोई अमामान्यता	
3. नेत्र		12. जनन मूत्र तंत्र (जॉनिटो यूरीनरी सिस्टम): हाइड्रो- सील, वरिकासील आदि का कोई संकेत। मूत्र विह्लेषण।	
(1) कोई बीमारी (2) रत्तींधी (3) वर्ण दर्शन संबंधी दोष (4) हृष्ट क्षेत्र (फोल्ड आफ विजन) (5) हृष्ट तीक्ष्णता (विजूएल एक्विटी) (6) फंडस की जांच		(क) कैसा दिखाई पड़ता है? (ख) विशिष्ट घनत्व (स्पैसिफिक ग्रॉवटी) (ग) एल्यूमेन (घ) शक्कर (ङ) कास्ट (च) कोशिकाएं (सेल्स)	
चश्मे की प्रबलता	चश्मे के बिना चश्मों के साथ सहकौ० चश्मे के बिना चश्मे के साथ तिवौ० एस० पी० एच० सी० सीस		
हूर की वज्र	दा०ने० बा०ने०	13. छाती की एक्स-रे परीक्षा की रिपोर्ट	
पास की वज्र	दा०ने० बा०ने०	14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिससे वह उस सेवा से सम्बद्ध जिमका वह उम्मी- दवार है, इटी को दक्षतापूर्वक निभाने के लिए अयोग्य हो सकता है।	
हाईपरमेट्रोपिया	दा०ने० बा०ने०	नोट:—यदि उम्मीदवार कोई महिला है और वह 12 सप्ताह या उससे अधिक समय में गर्भवती है तो उसे विनियम 9 के अनुसार अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा।	
4. कान निरीक्षण दायां कान बायां कान	सुनना	15. उम्मीदवार परीक्षा कर लिए जाने के बाद किन सेवाओं से सम्बद्ध इटी से दक्षतापूर्वक तथा लगातार निष्पादन के लिए सब प्रकार से योग्य पाया गया है? और किन सेवाओं के लिए अयोग्य पाया गया है? क्या उम्मीदवार क्षेत्रगत के लिए योग्य है?	
5. ग्रंथिया थायराइड 6. दांतों की हालत		नोट:—बोर्ड को अपना निष्कर्ष निम्नलिखित वर्गों में से किसी भी रिकार्ड करना चाहिए:—	
7. इवसन तंत्र (रेसिपरेटरी सिस्टम):—क्या शारीरिक परीक्षण करने पर सांस के अंगों में किसी असामान्यता का पता चलता है। यदि हाँ, तो उसका पूरा व्यौरा है		(1) योग्य (फिट)	के कारण अयोग्य
8. परिसंचरण तंत्र (सर्क्यूलेटरी सिस्टम): (क) हृदय: कोई आंगिक विक्षत (आंगूनिक लीजन) (घंग) (रेट)		(2)	(अनफिट)
लड़े होने पर 25 बार फुकने के बाद फुकने के 2 मिनट बाद	स्थान तारीख		अध्यक्ष सदस्य

परिवेशक—3

उन सेवाओं/पदों का संक्षिप्त विवरण जिनके लिए इस परीक्षा के परीक्षण के आधार पर भर्ती की जा रही है

1. भारतीय रेल इंजीनियर सेवा, भारतीय रेल विद्युत, इंजीनियरी सेवा, भारतीय रेल सिंगल इंजीनियरी सेवा, भारतीय रेल यांत्रिक इंजीनियर सेवा और भारतीय रेल भंडार सेवा।

(क) परिवीक्षा:—इन सेवाओं के लिए गए भर्ती उम्मीदवार तीन वर्ष के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे जिसमें उन्हें दो वर्ष का प्रशिक्षण लेना होगा तथा किसी कार्यकारी पद पर न्यूनतम एक वर्ष के लिए परिवीक्षा पर रहना होगा। यदि उक्त प्रशिक्षण को मंत्रीषंजक रूप से पूरा न करने के कारण किसी स्थिति में प्रशिक्षण अवधि को बढ़ाना पड़ा तो तदनुसार परिवीक्षा की कुल अवधि भी बढ़ा दी जाएगी। परिवीक्षा की अवधि के दौरान भी यदि कार्यकारी पद पर काम संतोषजनक नहीं पाया गया तो सरकार द्वारा परिवीक्षा की कुल अवधि को आवश्यकतानुसार बढ़ाया जा सकता है।

(ख) प्रशिक्षण :—समस्त परिवीक्षाधीन अधिकारियों को मेवा/पद विशेष के लिए निर्धारित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के अनुसार दो वर्ष की अवधि के लिए प्रशिक्षण लेना होगा। उन्हें इस अवधि के लिए उक्त प्रशिक्षण एसे स्थानों पर तथा इस प्रकार से लेना होगा और ऐसी परीक्षाएं उत्तीर्ण करनी होंगी जिन्हें समय-समय पर सरकार द्वारा निर्धारित किया जाये:—

(ग) नियुक्ति की समाप्ति

- (1) परिवीक्षा की अवधि के दौरान दोनों पक्षों में से किसी एक पक्ष की ओर से तीन शहीदों का लिखित नोटिस देकर परिवीक्षाधीन अधिकारियों की नियुक्ति समाप्त की जा सकती है। किन्तु मन्त्रिधन के उन्नच्छ्वादे 311 के खण्ड (2) के उपबन्धों के अनुसार की गई अनुशासनात्मक कार्रवाई के फलस्वरूप सेवा व्यवस्थाएँ और सेवा से हटाने के तथा मानिषिक एवं शारीरिक अक्षमता के फलस्वरूप उन्निवार्य सेवानिवृत्ति के मामलों में ऐसा नोटिस देना आवश्यक नहीं होगा किन्तु सरकार को तत्काल सेवाना समाप्त करने का अधिकार है।
- (2) यदि सरकार की राय में किसी परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य गा आचरण असंतोषजनक है या उनका कार्य कुशल बनने की मंशादाता न हो तो सरकार उन्हें तत्काल मेवा मञ्जन कर सकती है।
- (3) विभागीय परीक्षाएं उत्तीर्ण न करने पर सेवाना समाप्त की जा सकती है। परिवीक्षा की अवधि के दौरान अनुमोदित स्तर की हिन्दी में उन्नीश्वान उत्तीर्ण न करने पर सेवाओं को समाप्त किया जा सकता है।
- (च) स्थायीकरण:—परिवीक्षा को अनुधिकारियों से परा करने तथा सभी निर्धारित विभागीय और हिन्दी परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने के फलस्वरूप तथा निर्णायक के लिए मार्गी दर्शिता में योग्य समझे जाने पर परिवीक्षाधीन अधिकारियों द्वारा उन्हें मैं परीक्षण वेतनमान में स्थगित कर दिया जाएगा।

(ड) वेतनमान:—

- (1) कनिष्ठ वेतनमान —रु. 2200-75-2800-दर
में -100-4000

(२) वरिष्ठ वेतनमान :—

3000-100-3500-125-4500

(३) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड :—रु. 3700-125-

4700-150-5000

(४) वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड :—रु. 5900-200-
6700

इसके अतिरिक्त रु. 5900 तथा 8000 के वेतन के बीच के सुपरस्टाइल वेतनमान वाले पद भी जिनके लिए उपयुक्त सेवाओं के अधिकारी पात्र हैं।

परिवीक्षाधीन अधिकारी कनिष्ठ वेतनमान के न्यूनतम वेतन के प्रारम्भ करेगा तथा उस समय वेतनमान में अवकाश पैशान तथा वेतन वृद्धियों के लिए परिवीक्षा पर बिताई गई अवधि का गिरने की अनुमति होगी।

महंगाई तथा अन्य भूत्ते सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार प्राप्त होंगे।

परिवीक्षा की अवधि के दौरान विभागीय तथा अन्य परीक्षाओं को उत्तीर्ण न करने पर वेतन वृद्धियों को रोका या स्थिरित किया जा सकता है।

(च) प्रशिक्षण व्यय लोटाना :—यदि किसी कारणवश जो सरकार की राय में परिवीक्षाधीन अधिकारी के नियंत्रण से बाहर नहीं है, कोई परिवीक्षाधीन अधिकारी प्रशिक्षण उथवा परिवीक्षा से अपना नाम वापस लेना चाहता है तो उस परिवीक्षा की अवधि के दौरान दिए गए प्रशिक्षण का पूरा व्यय और अन्य धनराशियों को वापस करना होगा। इस प्रयोजन के लिए परिवीक्षकों से एक बन्ध-पत्र की अपेक्षा की जाएगी जिसकी एक प्राप्ति उनके नियुक्ति प्रस्ताव के साथ संलग्न की जाएगी। किन्तु जिन परिवीक्षाधीन अधिकारियों को भारतीय प्रशासनिक सेवा, भागीदार विदेश सेवा आदि में नियुक्ति होते परीक्षा के लिए आवेदन करने होते अनुमति दी जाती है उन्हें प्रशिक्षण के व्यय को वापस नहीं करना होगा।

(छ) छटटी:—उक्त सेवा के अधिकारी समय-समय पर लाग छटटी नियमान्वली के अनुसार छटटी के पात्र हैं।

(ज) चिकित्सा संविधान:—अधिकारी समय-समय पर लाग नियमों के अनुसार चिकित्सा संविधान एवं उपचार करने के पात्र होंगे।

(झ) पारा तथा विभागीयकार टिकट :—अधिकारी समय-समय पर लाग नियमों के अनुसार निःशास्त्र रेलवे पास तथा विभागीयकार टिकटों के पात्र होंगे।

(ञ) भविष्य निधि तथा पैशान:—उक्त सेवा के लिए ग्रन्ती किए गए राशीद्वारा रेलवे पैशान नियमान्वली त्रावण शास्त्र और समय-समय पर लाग उस निधि के नियमों के अनुरूप गज्जन रेलवे भविष्य निधि (रै-अंडाजाई) में अंगठान करेंगे।

(ट) उक्त सेवाओं/पदों के लिए भर्ती किए गए राशीद्वारा रेलवे भविष्य निधि भी रेलवे द्वारा परिवारना एवं कार्य करना पड़ सकता है।

(ठ) रक्षा सेवाओं में सेवा करने का दायित्व:—यदि आवश्यकता हुई तो नियम किए गए परिवीक्षाधीन अधिकारियों को भारत की रक्षा सेवा में सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर विभागीय गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम में क्रम 1 वर्ष की अवधि के लिए

किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा।

किन्तु उस व्यक्ति को:-

- (क) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष को समाप्ति के बाद पूर्वोंकृत रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ख) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोंकृत रूप से कार्य नहीं करना होगा।

2. केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा गृह का और

केन्द्रीय वैद्यत तथा यांत्रिकी इंजीनियरी सेवा प्रप क

(क) चुने हुए उम्मीदवारों को दो वर्ष के लिए परिवेक्षा पर नियुक्त किया जाएगा। परिवेक्षा की अवधि के दौरान उहै निधीरित विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी। परिवेक्षा सन्तोषजनक रूप में पूरी कर लेने पर यदि स्थायी पद उपलब्ध हुए तो उनके स्थायी करने/कार्य करते रहने पर विचार किया जाएगा। परिवेक्षा की दो वर्ष की अवधि सरकार द्वारा बढ़ाई जा सकती है।

परिवीक्षा की अवधि या परिवीक्षा की कोई बड़ी हुई अवधि समाप्त हो जाने पर यदि सरकार की यह राय है कि अधिकारी स्थायी/नियोजन/बरकरारी के उपयुक्त नहीं हैं, या परिवीक्षा की इस अवधि या परिवीक्षा की बड़ी हुई अवधि के दौरान किसी समय सरकार इस बात से संतुष्ट हो जाए कि आधिकारी स्थायी नियुक्त बरकरारी के लिए उपयुक्त नहीं रहेगा तो इस अवधि या बड़ी हुई अवधि के समाप्त हो जाने पर सरकार उक्त अधिकारी को कार्य मुक्त कर सकती है या जा ठोक समझ वह आदेश पारित कर सकती है।

(ख) जैसी कि इस समय स्थिति है, केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप के में नियुक्त सभी अधिकारी, सहायक कार्यपालक इंजीनियर के उच्चतर ग्रेड में 5 वर्ष की सेवा पूरी कर लेने के बाद अगले उच्चे ग्रेड अर्थात् कार्यपालक इंजीनियर के रूप में पदोन्नति में पात्र होंगे बशतः कि रिक्तियाँ उपलब्ध हैं और वे ऐसी पदोन्नति के अन्यथा योग्य पाए जाएं।

(८) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति किसी भी व्यक्ति को भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई है) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पन पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को :—

- (1) नियुक्ति की सारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा, बैर
 - (2) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु तक जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा ।

(८) वेतन की प्राप्ति दर^१ निम्न प्रकार है :—

पद	वेतनमान
(१) कनिष्ठ समय वेतनमान (सहायक कार्य पालक इंजीनियर)	₹० २२००—७५—२८००— रो०—१००—४०००
(२) वरिष्ठ समय वेतनमान (कार्यपालक इंजीनियर)	₹० ३०००—१००—३५००—१२५— ४५००
(३) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (अधीक्षक इंजीनियर) क. सामान्य ग्रेड ख. चयन ग्रेड	₹० ३७००—१२५—४७००—१५०— ५००० ₹० ४५००—१५०—५७०० ₹० ५९००—२००—६७००
(४) वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (चीफ इंजीनियर)	
(५) सुपरटाइम स्केल अपर महानिंदेशक महानिंदेशक (डब्ल्यू.)	₹० ७३००—७६०० ₹. ८००० नियत (ये पद सभी तीन विषयों अर्थात् सिविल, इलैक्ट्रिकल और पांचिक तथा वास्तु इंजीनियरों के लिए समा- हैं)

नोट :—जो सरकारी कर्मचारी परिवेक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपनी नियुक्ति से पहले आवधिक पद के अथवा किसी स्थायी पद पर मूल रूप से कार्य कर चुका हाँ उसका बतन एक बार 22 (बी) (1) के अन्सार विनियामत किया जाएगा।

(३) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप (क) और केन्द्रीय वैद्युत और यांत्रिक इंजीनियरी सेवा ग्रुप (क) के पदों से संबंधित कर्तव्यों तथा उत्तरदायित्वों का स्वरूप—

1. फेन्ड्रीय हांसीनियरी सेवा ग्रुप क

इंजीनियरी सेवा परीक्षा के माध्यम से सेवा में भर्ती हुए उम्मीदवार केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में विभिन्न प्रकार का सिविल निर्माण (केन्द्रीय सरकार के) जिसमें आवासीय भवन, कार्यालय, भवन संस्था तथा अनुसंधान केन्द्र, औद्योगिक भवन, अस्पताल की भूमि की विकास योजना, हवाई अड्डे, महामारी तथा पूल आदि सम्मिलित हैं, आयोजन अभियान तक निर्माण और रख-रखाव के कार्य पर लगाए जाते हैं। इस विभाग में उम्मीदवार अपनी सेवा सहायक कार्यपालक इंजीनियर के रूप में शुरू करते हैं और अपनी सेवा करते-करते पदोन्नत होकर विभाग के विभिन्न विरिच्छ ओहदों पर पहुंच जाते हैं।

2. केन्द्रीय वैद्युत और यांत्रिक इंजीनियरी सेवा प्रण क

इंजीनियरी सेवा परिक्षा के माध्यम से इस सेवा में भर्ती हुए उम्मीदवार केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में विभिन्न प्रकार के सिविल निर्माण (केन्द्रीय सरकार) के विद्युत घटकों के जिसमें विद्युत संस्थान इलैक्ट्रिकल सब-स्टेशन तथा धावर हाउस, वातानु-कूलन तथा प्रशीतन, हवाई अड्डों की रनवे लाइटिंग, यांत्रिक कर्मशालाओं का परिचालन, निर्माण मशीनरी की प्राप्ति तथा रख-रखाव आदि सम्बलित है। आयोजन, अभिकल्पन निर्माण और रख-रखाव में कार्य पर लगाए जाते हैं। इस विभाग में उम्मीदवार अपनी सेवा सहायक कार्यपालक इंजीनियरी के रूप में शुरू करते हैं और अपनी सेवा करते-करते वे पदान्वत होकर विभाग के विभिन्न वरिष्ठ ओहर्डों पर पहुँच जाते हैं।

3. सना इंजीनियरी सेवा (पृष्ठ क)

(क) चूने हुए उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिये पारवाक्षा पर नियुक्त किया जाएगा। पारवाक्षाधान आधिकारी का अपनी पारवीक्षा की अवधि के दौरान सरकार द्वारा निर्धारित तथा भाषा सम्बन्धी परीक्षा उत्तीर्ण करनी पड़ सकती है। यदि सरकार को राय में किसी पारवीक्षाधान आधिकारा का कार्य तथा आचरण असतोषजनक रहा है या एसा आभास होता है कि उसके काशलता प्राप्त करने की सभावना नहीं है अथवा यदि पारवीक्षाधान आधिकारी उक्त अवधि के दौरान निर्धारित परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर पाता है तो सरकार उसे कार्यमूक्त कर सकती है। पारवीक्षा की अवधि पूरी होने पर सरकार उसे नियुक्ति पर स्थायी कर सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य तथा आचरण असतोषजनक रहा है तो सरकार उसे कार्यमूक्त कर सकती है या उसकी पारवीक्षा की अवधि इतनी बढ़ा सकती है जितनी वह ठीक समझे।

उम्मीदवार को दो वर्षों की पारवीक्षा की अवधि के दौरान पृष्ठ. ई. एस. प्रांसीजर सुपोर्टरन्टडन्ट्स बी. आर. एण्ड ई. पृष्ठ./ग्रेड-1, एजामनशन तथा हिन्दी परीक्षा उत्तीर्ण करने होंगे। हिन्दी परीक्षा का स्तर प्राज्ञ (मैट्रिक्युलेशन स्तर के समकक्ष) का होगा।

(ख) (1) चूने हुए उम्मीदवारों को यदि आवश्यकता पड़ी तो सशस्त्र सेवा में कमीशन प्राप्त आधिकारियों के रूप में किसी प्रोफेशन पर बिताई गई अवधि याद काइ है, साहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए काय करना होगा किन्तु एसे उम्मीदवारों को :—

- (1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।
- (2) साधारणतः 40 वर्ष की आय हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।
- (3) उम्मीदवारों पर एस. आर. ओ. नं. 92 दिनांक 9 मार्च, 1957 के अन्तर्गत प्रकाशित 1957 के सिविलियन इन डिफेंस सर्विस (फाल्ड लाइबालिटी) रूल्स भी लागू होंगे। उसमें निर्धारित चिकित्सा स्तर के अनुसार उम्मीदवारों की चिकित्सा परीक्षा जायेगी।

(ग) ग्राह्य वेतन की दरें निम्नलिखित हैं :—

- (क) सहायक कार्यकारी इंजीनियर
सहायक निर्माण सर्वेक्षण
रु. 2200-75-2800-द. रु.-100-4000
- (ख) कार्यकारी इंजीनियर
निर्माण सर्वेक्षण
रु. 3000-100-3500-125-4500

- (ग) अधीक्षक इंजीनियर
(साधारण ग्रेड)
अधीक्षक निर्माण
सर्वेक्षक (साधारण ग्रेड)
रु. 3700-125-4700-150-5000

- (घ) अधीक्षक इंजीनियर
(चयन ग्रेड)
अधीक्षक निर्माण सर्वेक्षण
(चयन ग्रेड)
रु. 4500-150-5700

(ङ) उप मूल्य इंजीनियर

रु. 3700-125-4700-150-5000

(च) मूल्य इंजीनियर

(स्तर-2)

मूल्य निर्माण सर्वेक्षण

(स्तर-2)

रु. 5100-150-5700

(छ) मूल्य इंजीनियर

(स्तर-1)

मूल्य निर्माण सर्वेक्षक

(स्तर-1)

रु. 5900-200-6700

4. भारतीय आयुध कारखाना सेवा (पृष्ठ क)

(क) चूने हुए उम्मीदवार दो वर्ष की अवधि के लिए पारवीक्षा पर नियुक्त किए जाएंगे। सरकार महानिदेशक, आयुध कारखाना अध्यक्ष आयुध कारखाना बोर्ड की सिफारिश पर पारवीक्षा अवधि घटा या बढ़ा सकती है। पारवीक्षाधान व्यक्ति को सरकार द्वारा यथावाहत विभागीय तथा भाषा परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी भाषा के परीक्षण का हिन्दी में परीक्षण होगा।

सरकार द्वारा पारवीक्षा की अवधि पूरी हो जाने पर अधिकारी को उसको नियुक्ति पर स्थायी कर दिया जायेगा। किन्तु पारवीक्षा की अवधि के दौरान या अवधि की समाप्ति पर यदि सरकार को राय में उसका कार्य या आचरण असतोषजनक रहा है तो सरकार उसको कार्यमूक्त कर सकती है या उसकी पारवीक्षा अवधि जितनी ठीक समझे और बढ़ा सकती है।

(ख) (1) चूने हुए उम्मीदवारों को यदि आवश्यकता पड़ी तो सशस्त्र सेवा में कमीशन प्राप्त आधिकारियों के रूप में किसी परीक्षण पर बिताई गई अवधि, यदि कोइ है, सहित कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए कार्य करना होगा। किन्तु उस व्यक्ति को (1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा और (2) साधारणतः 40 वर्ष की आय हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(2) उम्मीदवारों पर एस. आर. ओ. नं. 92 दिनांक 9 मार्च, 1957 के अन्तर्गत प्रकाशित 1957 के सिविलियन इन डिफेंस सर्विस (फाल्ड लाइबालिटी) रूल्स भी लागू होंगे। उसमें निर्धारित चिकित्सा स्तर के अनुसार उम्मीदवारों की चिकित्सा परीक्षा की जायेगी।

(ग) निम्नलिखित वेतनमान दर्ये हैं :—

कनिष्ठ समय वेतनमान—रु. 2200-75-2800-द. रु.-100-4000/-

वरिष्ठ समय वेतनमान—रु. 3000-100-3500-125-4500/-

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (सामान्य ग्रेड)—रु. 3700-125-4700-150-5000/-

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (चयन ग्रेड)—रु. 4500-150-5700/-

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड—रु. 5900-200-6700/-

बारष्ठ जनरल मेनेजर—रु. 7300-100-7600/-

आंतरिक महानिदेशक, आयुध कारखाना/सदस्य, आयुध कारखाना बोर्ड—रु. 7300-200-7500-250-8000/-

महानिदेशक आयुध कारखाना/वधक आयुध कारखाना, बोर्ड—रु. 8000/-

टिप्पणी:—जो सरकारी कर्मचारी परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपनी नियुक्ति से पहले प्रावीधक पद के अलावा किसी स्थायी पद पर मूल रूप से कार्य कर चुका हो उसका वर्तन रक्षा मत्रालय के समय-समय पर संशोधित का जा स. 15(6)/64/डॉ. (एपाइस्टमन्ट्स) /1051/डी. (स. 4/1) दिनांक 25 नवम्बर, 1965 के उपबन्ध के अधीन विनियमित किया जाएगा।

(घ) परिवीक्षाधीन अधिकारियों को मसूरी/नागपूर में फाउण्डेशन कोर्स करना होगा।

(इ) इस प्रकार भीतों हुए परिवीक्षाधीन अधिकारी को सेवा प्राप्ति करने से पहले एक बन्धपत्र भरना होगा।

६. भारतीय दूर संचार (ग्रुप क)

(क) दो वर्ष की अवधि के लिए नियुक्ति परिवीक्षा पर की जायेगी। सरकार का राय में पारवाक्षाधान अधिकारी का कार्य तथा आचरण आद असताषजनक है या उसे वह आभास हाता है तिक उसके कुशलता प्राप्त करने की सभावना नहो है तो सरकार उस तत्काल कार्यमूकत कर सकता है। परिवीक्षा व्याधि पूरी हो जाने पर सरकार उस वक्त नियुक्ति पर स्थाई बना सकती है या यदि सरकार का राय में उसका कार्य अथवा आचरण असत्ताषजनक रहा है तो सरकार उसे सेवामूकत कर सकती है या जितना ठीक समझे उतनी अवधि के लिए उसकी परिवीक्षा की अवधि बढ़ा सकती है।

परिवीक्षा की अवधि के दौरान जो भी विभागीय परीक्षा या परीक्षाएं निर्धारित की जाएं, अधिकारियों को उत्तीर्ण करनी होंगी। उनको स्थाई किए जाने से पहले हिन्दी का परीक्षण भी उत्तीर्ण करना होगा।

(ख) अधिकारियों को व्यवसाय तथा भाषा संबंधी परीक्षण भी उत्तीर्ण करने होंगे।

(ग) इस परीक्षा के परिणाम के बाधार पर नियुक्ति किसी भी व्यक्ति को यदि आवश्यकता पड़ी तो भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रविधिक्षण पर विताई गई अवधि, यदि कोई हो, सहित कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए, किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को :—

(1) नियुक्ति की तारीख से हस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा।

(2) साधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा।

(घ) निम्नलिखित वर्तनमान ग्राह्य है :—

- (1) कनिष्ठ समय वर्तनमान—2000-75-2800-द. रो. 100-4000 रु.
- (2) वरिष्ठ समय वर्तनमान—3000-100-3500-125-4500 रु.
- (3) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड—3700-125-4700-150-5000 रु.
- (4) चयन ग्रेड—4500-150-5700 रु.
- (5) वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड—5900-200-6700 रु.
- (6) सी. डी. एम. ग्रेड—7300-100-7600 रु.
- (7) सलाहकार ग्रेड—7300-200-7500-250-8000 रु.
- (8) अधिकारीगण दूर संचार आयोग के सदस्यों के पदों के लिए विचार तिक जान के लिए भी पात्र होंग तथा वह भारत सरकार के सांचे के समकक्ष होगा—8000 रु.

नोट :—जो सरकारी कर्मचारी परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपनी नियुक्ति से पहले प्रावीधक पद के अलावा किसी स्थाइय पद पर मूल रूप से कार्य कर चुका हो उनका वर्तन एक जार. 22 वी (1) के उपबन्ध के अधीन विनियमित किया जाएगा।

भारतीय दूर संचार सेवा ग्रुप-क के कनिष्ठ वर्तनमान में यदि किसी अधिकारी का स्थानापन वर्तन रु. 2350/- या इसमें आधक है तो वह तब तक वर्तन वृद्धि प्राप्त नहो करगा जब तक विभागीय पराक्षा उत्तीर्ण न कर सके।

(ड) भारतीय दूर संचार सेवा ग्रुप के पदों से सम्बद्ध कर्तव्य तथा उत्तरदायित्व।

सहायक डिवीजनल इंजीनियर

सहायक डिवीजनल इंजीनियर टेलीग्राफ/टेलीफोन इंजीनियरी सब-डिवीजन, कैरियर, बी. एफ. टी., कोएकसील माइक्रो-वेव, लांग डिस्टेंस इलेक्ट्रिक तथा वायरलैस के इन्वार्ज होंगे और सामान्यतः डिवीजनल इंजीनियर के अधीन कार्य करेगा। ये विभिन्न दूर संचार निर्माण के संस्थापन करने के लिए परियोजना संगठन में भी कार्य कर सकते हैं।

डिवीजनल इंजीनियर

डिवीजनल इंजीनियर को टेलीग्राफ/टेलीफोन इंजीनियरी डिवीजन- जिसमें लांग डिस्टेंस, कोएक्सील माइक्रोवेव मॉन्टेनेंस डिवीजन तथा वायरलैस डिवीजन शामिल है, का प्रभारी बनाया जाता है। वे अपने प्रभार में रहने वाले टेलीग्राफों तथा टेलीफोनों के उपस्कर्तों के रख-रखाव के पूरे जिम्मेदार होंगे तथा अपने डिवीजन में रह करके कार्य करेंगे। जब डिवीजन अधिकारी इंजीनियरी/परियोजना संगठन पर लगाए जाते हैं तो उन्हें यूनिट में निर्माण/संस्थापन कार्य करना होगा।

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड

दूर संचार सर्किल और टेलीफोन डिस्ट्रिक्ट में दूर संचार सम्बन्धी परिसम्पत्तियों के प्रशासन और दूर संचार संस्थाओं के प्रशासन तथा आयोजन के लिए दूर संचार प्रणालियों आदि में अनुसंधान और विकास के लिए जिम्मेदार हैं। वे माइनर टेलीफोन डिस्ट्रिक्ट दूर संचार सर्किल, आदि के लिए भी पूरी तरह जिम्मेदार हैं।

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड

दूर संचार सर्किल/टेलीफोन डिस्ट्रिक्ट/प्रोजेक्ट सर्किल दूर संचार अनुरक्षण क्षेत्र के प्रधान, जो कार्यभार में उसका पूरी तरह से प्रबन्ध व प्रशासन करने के लिए जिम्मेदार होंगा महाप्रबन्धक, दूर-संचार आयोग, दूर संचार आयोग की नीति निर्धारित करने तथा समग्र प्रशासन करने में उच्चस्तरीय सहायता प्रदान करता है। मूल्य महाप्रबन्धक दूर संचार इंजीनियरी केन्द्र तथा महाप्रबन्धक, दूर संचार इंजीनियरी केन्द्र के अनुसंधान संबंधी समग्र कार्यकलापों के लिए जिम्मेदार है।

6. केन्द्रीय जल इंजीनियरी (ग्रुप 'क') सेवा

(1) केन्द्रीय जल आयोग में सहायक निदेशक/सहायक कार्यपालक इंजीनियर के पदों पर भर्ती हुए व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे।

किन्तु सरकार, आवश्यक होने पर, दो वर्ष की उक्त अवधि अधिक से अधिक एक वर्ष तक और बढ़ा सकती है।

यदि परिवीक्षा की उपर्युक्त या बढ़ी हुई अवधि, जैसी भी स्थिति हो, समाप्त होने पर सरकार की यह राय हो कि उम्मीदवार स्थाई नियोजन हेतु उपर्युक्त नहीं है या परिवीक्षा की इस अवधि या बढ़ी हुई अवधि के दौरान सरकार संतुष्ट हो जाए कि वह स्थाई नियुक्ति हेतु उपर्युक्त नहीं रहेगा तो इस अवधि या बढ़ी हुई अवधि के समाप्त हो जाने पर सरकार उक्त अधिकारी को कार्यमुक्त कर सकती है या उसको उसके मूल पद पर प्रत्यावर्त्तित कर सकती है या जो ठीक समझे वह आदेश पारित कर सकती है।

परिवीक्षा की अवधि के दौरान सरकार उम्मीदवारों से प्रशंस्कण का एसो कोई कोर्स करने और एसी परीक्षा तथा परीक्षण उत्तीर्ण करने को कह सकती है जिसे वह परिवीक्षा की सफल पूर्ति की एक शर्त के रूप में ठीक समझे।

(2) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किसी भी व्यक्ति को यदि आवश्यकता पड़ी तो भारत की रक्षा से संबद्ध किसी प्रशिक्षण पर विताई गई अवधि यदि कोई हो, सहित कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से संबद्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को :—

(1) नियुक्ति की तारीख से इस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(2) साधारणतः 40 वर्ष के आय हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(3) सहायक निदेशक/सहायक कार्यपालक इंजीनियर के पद पर नियुक्त अधिकारी निर्धारित शर्तें पूरी करने के बावजूद उपनिदेशक/कार्यपालक इंजीनियर/अधीक्षक इंजीनियर/निदेशक (साधारण ग्रेड)/निदेशक/अधीक्षण इंजीनियर (हठन ग्रेड) वस्त्र इंजीनियर (स्तर 2) मु. ₹. ५०. (स्तर 1) में सदस्य/अध्यक्ष, सी.

डब्ल्यू. सी. के उच्चतर ग्रेड में यद्यन्ति की उम्मीद कर सकते हैं।

(4) केन्द्रीय जल आयोग में इंजीनियरी पदों के ग्रुप 'क' के लिए वेतनमान निम्न प्रकार है :—

1. केन्द्रीय जल आयोग में सिविल और यांत्रिक पद

1. सहायक निदेशक/सहायक कार्यकारी इंजीनियर—रु. 2200-75-2800-द. रो.-100-4000।

2. उपनिदेशक/कार्यकारी इंजीनियर—रु. 3000-100-3500-125-4500।

3. अधीक्षण इंजीनियर/निदेशक (साधारण ग्रेड)—रु. 3700-125-4700-150-5000।

4. निदेशक/अधीक्षक इंजीनियर (चयन ग्रेड)—रु. 4500-150-5700।

5. मूल्य इंजीनियर—रु. 5900-200-6700।

6. सदस्य सी. डब्ल्यू. सी./अध्यक्ष, जी. एफ. सी. सी—रु. 7300-100-7600।

7. अध्यक्ष, सी. डब्ल्यू. सी.—रु. 8000 (नियत)।

(5) केन्द्रीय जल इंजीनियरी (ग्रुप क) सेवा में पदों के संबंध कर्तव्यों और वायिक्षणों का स्वरूप।

सहायक निदेशक (सिविल और यांत्रिक)

सिंचार्वा, नीचालन, विद्युत घरेलू, जल आपूर्ति, बाढ़ नियंत्रण और अन्य प्रयोजनों के विकास हेतु जल साधनों के संरक्षण तथा विनियमन के लिए आकलन, रिपोर्ट आदि तैयार करने हहित परियोजनाओं की योजना सर्वेक्षण अन्वेषक तथा अभिकल्पना।

सहायक कार्यकारी इंजीनियर (सिविल तथा यांत्रिक)

उनको आवंटित उपमण्डल या अन्य एककों के निर्माण कार्य के लिए वे जिम्मेदार होंगे। उन्हें अपने प्रभार के अधीन रोकड़ तथा भण्डारी का लेखांजेखा रखना होगा तथा परोक्ष रूप में उपमण्डल में प्रत्येक कार्य की प्रगति के लिए कुछ आनंदगिक कार्यों को भी देखना होगा। विहित नियमों आदि के अनुसार वे अपने प्रभार के अधीन माप विहितों मस्टर रोल तथा अन्य अभिलेखों के सही रख-रखाव के लिए जिम्मेदार होंगे।

7. केन्द्रीय विद्युत इंजीनियर (ग्रुप क) सेवा

(1) संगठन का विवरण

विद्युत (आपूर्ति) अधिनियम, 1948 की धारा (3) (1) के अधीन केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण संगठित किया गया था और इसका दायित्व राष्ट्रीय विद्युत साधनों के नियंत्रण तथा उपयोग के संबंध में योजना अभिकरणों के कार्यकलापों में सम्बन्ध करने के लिए एक सुदृढ़, पर्याप्त और एकरूप विद्युत नीति का विकास करना है। देश की सभी विद्युत योजनाओं (उत्पादन संरक्षण वितरण और विशुद्ध आपूर्ति का उपयोग) की संभाव्यता तकनीकी विश्लेषण, आर्थिक व्यवहार्यता आदि के सम्बन्ध में यह समिश्रत करने के लिए केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में संवीक्षा की जाती है कि ये योजनायें राज्यों तथा क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए उपर्युक्त होंगी और सब प्रकार से राष्ट्रीय अर्थ व्यवस्था के अनुरूपी होंगी। इस संगठन का राष्ट्रीय अर्थ व्यवस्था के विकास और विद्युत को इसकी मूल गतिशीली शक्ति प्रदान करने में महत्वपूर्ण स्थान है।

(2) उस ग्रेड का विवरण छासके लिए नंबर बोक और सेवा आयोग इवारा आयोजित समिक्षित इंजीनियरी सेवा परीक्षाओं के माध्यम से भर्ती की जाती है।

रु. 2200-4000 के वेतनमान में सहायक निदेशक, (ग्रेड-1) सहायक प्राधिकारी इंजीनियर के ग्रेड में उनमें प्रतिशत रिक्षाओं मध्य लोक सेवा आयोग इवारा शार्पिंक आधार पर भी गर्ड मिमिलित इंजीनियरी सेवा परीक्षा के परिणामों के आधार पर भर्ती जाते हैं।

केंद्रीय विद्युत इंजीनियरी (शृंग के) में सहायक निदेशक (ग्रेड-1)

मझाफ़ कार्यकारी इंजीनियर के पद पर नियक्त किया गया व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षाधीन रहेंगे फिल्ट जहाँ आवश्यक दो वहाँ भरकार उक्त दो वर्षों को अवधि के अतिरिक्त अवधि बढ़ा सकती है जो कि एक वर्ष से अधिक नहीं होगी।

ग्रेड उपर्युक्त परिवीक्षा अवधि या उसकी बढ़ाई गर्ड अवधि भी नियमित हो। के समान होने के बाद भरकार यह मम्भे कि कोई उम्मीदवार स्थायी नियक्ति के योग्य नहीं है अथवा एमी एजनीशन की अवधि या बढ़ाई गर्ड अवधि के दौरान किमी भी मध्य वह इस बात में संतोष हो कि उक्त उम्मीदवार एमी एजनीशन अवधि या बढ़ाई गर्ड अवधि की समाप्ति के बाद स्थायी नियक्ति के योग्य नहीं होगा तो वह उसे सेवाभवत कर सकती है या उसके स्थायी पद पर प्रत्यावर्तित कर सकती है या ऐसे आदेश पारित कर सकती है जैसा वह उचित मम्भे।

परिवीक्षा की अवधि के दौरान उम्मीदवारों को एसा प्रशिक्षण नेता होगा तथा उन्नदेश का पालन करना होता तथा एसी परिवीक्षा उन्नीर्ण करनी होती जो भरकार इवारा एजनीशन की अवधि को मंतोषजनक रूप से पूरा करने की रूप से रूप में निर्धारित की जाए।

यदि आवश्यकता हो तो इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियक्त किए गए किमी भी व्यक्ति को भारत की रक्षा और संदर्भ किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि यदि कोई हो) महित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से संबद्ध पद पर कार्य करना होगा, जिन उस अवधि व्यक्ति को—

- (क) नियक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा; और
- (ख) मायान्तर 40 वर्ष की आय हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा।

(3) उच्चतर ग्रेडों के लिए एवंत्रिति

प्रशाफ़क निदेशक (ग्रेड-1)/सहायक कार्यपालक इंजीनियर के लिए पर नियक्त अधिकारी मध्य-मध्य पर गठा मंशोधित केंद्रीय द्वारा इंजीनियरी (शृंग 'क') सेवा नियमावली, 1990 में निर्धारित जर्नल नामी नम्बर के बाद जन्मे येदों अश्रित रप-निदेशक/कार्यपालक/इंजीनियर निदेशक/अधीक्षक इंजीनियर (साधारण ग्रेड) निदेशक/कार्यपालक इंजीनियर (नगर ग्रेड) या प्राची इंजीनियर, जो इंजीनियर के लिए नियक्ति के पात्र हो वहाँ के संबद्ध ग्रेड में नियक्तियां उपलब्ध हों।

(4) वेतनमान

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण में केंद्रीय विद्युत इंजीनियर (शृंग 'क') के सेवा के दो पर वेतनमान निम्नलिखित है :—

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण में विद्युत यांत्रिक और दूर संचार से संबद्ध पद :—

क्रम सं.	पद का नाम	वेतनमान
1.	सहायक निदेशक (ग्रेड-1) सहायक कार्यकारी इंजीनियर	रु 2200-75-2800- दूरों 100-4000
2.	उप निदेशक कार्यकारी इंजीनियर	रु 3000-100- 3500-125-4000
3.	निदेशक अधीक्षण इंजीनियर (साधारण ग्रेड)	रु 3700-125- 4700-150-5000
4.	निदेशक अधीक्षण इंजीनियर (चयन ग्रेड)	रु 4500-150- 5700
5.	मुख्य इंजीनियर सदस्य-सचिव	रु 5900-200- 6700

(5) कर्तव्य और दायित्व

सहायक निदेशक (ग्रेड-1)/सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पदों पर संबद्ध कर्तव्यों के और दायित्वों के और दायित्वों के स्वरूप इस प्रकार है :—

विद्युत विकास के क्षेत्रों की विविध प्रकार की समस्याओं से संबंध अपेक्षित तकनीकी तथ्यों का संग्रह, संकल्प और प्रस्तर संबंध। उन्हें इनसे संबद्ध मामलों को भी निपटाना है जिसमें हाइड्रो तथा थर्मल पावर परियोजनाओं की स्थापना, संचालन अन्तर्क्षण तथा विद्युत योजनाओं, परियोजनाओं अभिकल्पनाओं आदि के तैयार करने में सहायता देते हुए उनकी संरचना तथा वितरण/विद्युत प्रणालियों की परियोजना नियोजित का अध्ययन करना समिलित है क्षेत्र एकों में कार्य करते हुए वे उप-मंडल या उनको आवंटित अन्य कार्यों के लिए उत्तरदायी होंगे।

8. भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण के पद ..

भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में बरमा इंजीनियर कनिष्ठ/यांत्रिक इंजीनियर कनिष्ठ (शृंग क पद) पदों पर अस्थायी आधार पर भर्ती किए गए व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे। दो वर्ष से अधिक अतिरिक्त अवधि के लिए सेवा में उनका रखना परिवीक्षा अवधि के दौरान उनके द्वारा किए गए कार्य के मूल्यांकन पर निर्भर करेगा। सरकार की विविध पर यह अवधि बढ़ाई जा सकती है उन्हें क्रमशः रुपए 2200-75-2500-द. रो.-100-4000 के सम्म वेतनमान में वेतन मिलेगा। मंतोषजनक रूप से उनकी परिवीक्षा की अवधि पूरी कर लेने पर यदि वे स्थायी नियक्ति के योग्य समझे जाते हैं तो मूल रिक्तियों के उपलब्ध होने पर नियमानुसार उनके स्थायीकरण पर विचार किया जाएगा।

यदि आवश्यकता हो तो भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में बरमा इंजीनियर कनिष्ठ/यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) के पद पर नियक्ति किए गए व्यक्तियों को भारत की रक्षा से संबद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो) महित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से संबद्ध पद पर कार्य करना होगा।

किन्तु उस व्यक्ति को—

(1) भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में बरमा इंजीनियर (कॉनिष्ट) या यांत्रिक इंजीनियर (कॉनिष्ट) के पद पर नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा, और

(2) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

इस विषय पर नियमों और अनुदेशों की अनुसार जो उम्मीदवार योग्य पाए जाते हैं उनके लिए पदान्विति का क्षेत्र निम्नलिखित है—

(क) बरमा इंजीनियर (कॉनिष्ट)	इ० 2200-75-
के लिए	2500-इ०रो०-100-4000
(1) बरमा इंजीनियर (वरिष्ठ)	इ० 3000-100-
	3500-125-4500
(2) निदेशक (बरमा)	इ० 3700-125-
	4700-150-5000
(3) उप-महानिदेशक (इंजीनियरी सेवा)	इ० 5900-200-6700
(4) वरिष्ठ उप महानिदेशक	इ० 7300-100-7600
(म) यांत्रिक इंजीनियर (कॉनिष्ट)	इ० 2200-75-2500-
शूप 'क'	इ०रो०-100-4000
(1) यांत्रिक इंजीनियर (वरिष्ठ)	इ० 3000-100-
	3500-125-4500
(2) निदेशक (यांत्रिक-इंजीनियरी)	इ० 5700-125-4700-
	150-5000
(3) उप महानिदेशक (इंजीनियरी सेवा)	इ० 5900-200-6700
(4) वरिष्ठ उप महानिदेशक	इ० 7300-100-7600

भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में भर्ती किए गए अधिकारियों को भारत में या विदेश में कहीं भी कार्य करना पड़ सकता है।

नोट :—उन सरकारी कर्मचारियों का वेतन, जो परिवीक्षाधीन नियुक्ति से पहले स्थायीकृत हैंसियस से किसी आवश्यक पद के अतिरिक्त स्थायी पद पर हैं, एफ. आर. 22-वा (1) के उपबंधों के अधीन विनियमित किया जाएगा।

भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण यांत्रिक इंजीनियर (कॉनिष्ट) भू-पदों से सम्बद्ध कर्तव्यों और दायित्वों का स्वरूप

बरमा वाहनों और अन्य उपस्कर्ते अनुसरण तथा मरम्मत, अविधि क्षेत्र के कर्तव्यों तथा कारों के लिए इन्हवरों तथा वाहनों का बाइटन पी औ एल अंकों का अभिलेखों, लाग बूक, दीत वृत्तियों की संवीक्षा तथा अनुरक्षण। डिलिंग और वैज्ञानिक मनुष्यियों का संविरचना तथा विनियोग।

बरमा इंजीनियर (कॉनिष्ट)

ओर रिकवरी का छठ्तम प्रतिशत नियुक्ति करते हुए एक या अधिक डिलिंग रियों से स्वित्र विवेषण के संबंध में छेदन कार्य करना। सरकारी भड़ारों और उम्मीद सोंपे गए हम्प्रेस्ट को डॉक प्रकार से सूखा के लिए लगाइ रही मशीनरी और वाहनों का समारक्षण। भड़ारों तथा करोड़ लेखों को रखना और उपने अधीन नियोजित कर्मचारी वर्ग को देखना।

१. इंजीनियर शूप-क वायरलैस योजना और समन्वय स्कॉर्च/अनुश्रवण संगठन, संचार अंतर्राष्ट्रीय (दूर संचार विभाग)

(क) वेतनमान रुपए 2200-75-2800-इ. रु०-100-4000।

(ख) ग्रेड में पांच वर्ष की सेवा करने के बाद इंजीनियरी के पदधारी सहायक वायरलैस सलाहकार, वायरलैस योजना और समन्वय। स्कॉर्चों इंजीनियर प्रभारी अनुश्रवण संगठन (वेतनमान रुपए 3000-100-3500-125-4500 तथा सहायक वायरलैस सलाहकार के पद के लिए रुपए 200/- प्रतिमास विशेष वेतन) के ग्रेड में रिक्तियों पर 100 प्रतिशत पदोन्नति के पात्र हैं। सहायक वायरलैस सलाहकार/इंजीनियर प्रभारी के ग्रेड में उनकी पदोन्नति शूप वे पदों के लिए संगठित की गई विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसाओं पर उनके ब्यन्न के आधार पर की जाएगी। सहायक वायरलैस सलाहकार/इंजीनियर प्रभारी ग्रेड में 5 वर्ष की सेवा रखने वाले सभी सहायक वायरलैस सलाहकार और इंजीनियर प्रभारी उप वायरलैस सलाहकार/उप निदेशक (वेतनमान रुपए 3700-125-4700-150-5000) के पद पर पदोन्नति के लिए विचार किए जाने के पात्र हैं। उप वायरलैस सलाहकार उप निदेशक के ग्रेड में रिक्तियों शूप के पदों के लिए गठित की गई विभागीय पदोन्नति समिति की अनशंसाओं पर चयन करने के आधार पर 100 प्रतिशत पदोन्नति द्वारा भरी जाती है।

आगले उच्चे ग्रेड में पदोन्नति हेतु तथा पूर्वोक्त अपेक्षाएं न्यूनतम प्रतिवेदन की हैं और संबद्ध ग्रेड में पदोन्नति के बावजूद रिक्ति की उपलब्धता पर होती है।

(ग) इंजीनियर के पद पर नियुक्ति किए गए व्यक्ति को भारत में कहीं भी कार्य करना पड़ सकता है।

(घ) यदि आवश्यकता है तो इंजीनियर के पद पर नियुक्ति किए गए किसी भी व्यक्ति को भारत की रक्षा से संबद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई है) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से संबद्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को—

(1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य न करना होगा, और

(2) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(इ) पदों से सम्बद्ध कर्तव्यों तथा दायित्वों का स्वरूप—

(1) डब्ल्यू. पी. सी. स्कॉर्च/वायरलैस मानिटरिंग संगठन के विभिन्न एककों के कर्मचारियों का पर्यवेक्षण, निर्देशन तथा प्रशिक्षण।

(2) सम्बद्ध रोडियो आवृत्ति वर्गकारों तथा विभिन्न प्रकार के उत्सर्जन को आवृत्त करने वाली रोडियो आवृत्ति मानीटरन में प्रयुक्त इलैक्ट्रोनिकौरेश के विभिन्न वर्गों एटिना तथा सहायक उपकरणों का प्रतिष्ठापन, अंशांशोधन, परीक्षण तथा अनुरक्षण।

- (3) भिन्न-भिन्न प्रकार की रेडियों संचार सेवाओं के लिए विभिन्न प्रयोक्ता विभागों/संगठनों के व्यायरलैस प्रतिष्ठानों का अनुज्ञापन एवं निरीक्षण ।
- (4) रेडियों आवृत्ति वर्णक्रम तथा तृत्यकाली उपग्रह कक्षा के उपयोग के राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय समन्वय से सम्बद्ध सभी पहलू जिसमें नियतन योजना का निर्माण, संगत तकनीकी मानकों की स्थापना-उपस्कर का प्रकार—अनुमोदन वैद्युत चुम्बकीय व्यवधान/संसंगति आदि का अध्ययन समिलित हो ।
- (5) संबद्ध राष्ट्रीय नियमों तथा विनियमों के प्रतिपादन एवं कार्यान्वयन सहित अन्तर्राष्ट्रीय रेडियो विनियमों का प्रवर्तन ।
- (6) प्रवीणता/रेडियो अव्यवसायी प्रमाणपत्र आदि के लिए परीक्षाओं का आयोजन करना तथा उनके लिए लाइसेंस जारी करना ।
- (7) रेडियो आवृत्ति प्रबन्ध तथा मानीटरन से सम्बद्ध अनुसंधान तथा विकास कार्य करना ।
- (8) अन्तर्राष्ट्रीय दूर संचार संघ दूर संचार से सम्बन्धित अन्य यथोचित अन्तर्राष्ट्रीय/क्षेत्रीय संगठनों की बैठकों तथा सम्मेलनों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्रबन्ध करना ।

10. केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क) (ग्रुप 'क')

(क) चूने हुए उम्मीदवारों सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पद पर दो वर्ष के लिए परिवीक्षा के आधार पर नियुक्त किए जाएंगे । परिवीक्षा अवधि पूरी होने पर यदि स्थायी रिक्तियां उपलब्ध हुईं और वे स्थायी नियुक्ति के योग्य समझे जाते हैं तो उन्हें सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पद पर स्थायी किया जाएगा । सरकार दो वर्ष की परिवीक्षा अवधि को बढ़ा सकती है ।

परिवीक्षा अवधि या उसकी बढ़ाई गई अवधि के समाप्त होने पर यदि सरकार यह समझती है कि कोई सहायक कार्यकारी इंजीनियर स्थायी नियोजन के योग्य नहीं है या ऐसी परिवीक्षा की बढ़ाई गई अवधि के दौरान वह इससे संतुष्ट है कि कोई सहायक कार्यकारी इंजीनियर ऐसी अवधियों या बढ़ाई गई अवधियों की समाप्ति पर स्थायी नियुक्ति के योग्य नहीं होगा तो वह उस सहायक कार्यकारी इंजीनियर को सेवा निवृत्त कर सकती है अथवा ऐसे आदेश पास कर सकती है जो वह ठीक समझे ।

अधिकारियों को स्थायीकरण से पहले हिन्दी का परीक्षण भी उत्तीर्ण करना होगा ।

(ख) यदि आवश्यकता हुई तो इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणामों के आधार पर नियुक्त किए गए किसी भी व्यक्ति का भारत रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर विताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति का—

- (1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा; और
- (2) सामान्यतः 40 वर्ष की आय हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा ।

(ग) निम्नलिखित वेतनमान देय हैं :—

सड़क कार्यकारी इंजीनियर—

रु. 2200-75-2800-इ. रो.-100-4000/-

कार्यकारी इंजीनियर—

रु. 3000-100-3500-125-4500/-

अधीक्षक इंजीनियर—

रु. 3700-125-4700-150-5000/-

अधीक्षक इंजीनियर (चयन ग्रेड)—

रु. 4500-150-5700/-

मुख्य इंजीनियर (सड़क/पुल) यांत्रिक—

रु. 5900-200-6700/-

यांत्रिक महानिदेशक (सड़क/पुल)—

रु. 7300-100-7600/-

यांत्रिक सचिव महानिदेशक (सड़क विकास)

रु. 7300-200-7500-250-8000/-

टिप्पणी :—उन सरकारी कर्मचारियों का वेतन जो केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप क/ग्रुप ख में परिवीक्षाधीन नियुक्ति से पहले प्रूफ रूप में किसी अवधिक पद के अतिरिक्त स्थायी पर है (एफ. आर. 22-ख 1) वे उपबन्धों के अधीन विनियमित किया जाएगा ।

(घ) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क) पुल ग्रुप क के पद से संबद्ध कर्तव्यों और दायित्वों का स्वरूप ।

सिविल इंजीनियरी पद

सड़कों/पुलों के निर्माण के डिजाइनों की योजना बनाने और उनके आकलन तैयार करने में भूतल परिवहन मंत्रालय के सड़क स्कंध के मुख्यालयों और क्षेत्रीय कार्यालयों के वरिष्ठ तकनीकी अधिकारियों आदि की सहायता करना और राज्यों से ऐसे निर्माणों के लिए प्राप्त प्रस्तावों की समीक्षा करना ।

यांत्रिक इंजीनियरी पद

सड़कों/पुलों के निर्माण, उपस्करों के आयोजन, प्राप्ति, प्रचालन और अनुरक्षण में भूतल परिवहन मंत्रालय के सड़क स्कंध के मुख्यालयों में तथा क्षेत्रीय कार्यालयों आदि में वरिष्ठ तकनीकी अधिकारियों की सहायता करना, इस प्रकार के उपस्करों की मरम्मत तथा रखरखाव के लिए आकलन तैयार करना और राज्यों से प्राप्त प्रस्तावों और आकलनों की समीक्षा करना ।

11. भारतीय प्रसारण (इंजीनियरी) सेवा, सूचना और प्रसारण मंत्रालय

(क) उक्त सेवा के कनिष्ठ वेतनमान सीधे भर्ती द्वारा या पदोन्नति द्वारा नियुक्ति पर प्रत्येक अधिकारी दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षाधीन रहेगा ।

(1) किन्तु शर्त यह है कि नियंत्रण अधिकारी परिवीक्षा की अवधि को सरकार द्वारा समय-समय पर जारी अनुदेशों के अनुसार घटा या बढ़ा सकता है ।

(2) अगली शर्त यह है कि परिवीक्षा अवधि बढ़ाने हेतु कोई निर्णय परिवीक्षा को पहली अवधि के समाप्ति के बाद आठ सप्ताहों के अन्दर किया जाएगा और सम्बद्ध अधिकारी का ऐसा करने के कारणों सहित उक्त अवधि के अन्दर लिखित रूप में सम्मेषित कर दिया जाएगा ।

(3) परिवीक्षा अवधि तथा उसकी किसी वृद्धि के समाप्ति पर अधिकारी को स्थायी नियुक्ति हेतु उपयुक्त पाए जाने की स्थिति में उपनी नियुक्ति पर नियमित आधार पर बनाए रखा जाएगा और उसकी यथावधि उपलब्ध मूल रिक्ति पर स्थायी कर दिया जाएगा।

(4) यदि परिवीक्षा या बढ़ी हुई परिवीक्षा की अवधि जैसी भी स्थिति हो के दौरान सरकार का यह मत हो कि कोई अधिकारी सरकार में स्थायी नियुक्ति हेतु उपयुक्त नहीं है तो सरकार उसे कार्यमूक्त कर सकती है या उसी पद पर वापस भेज सकती है जो वह उक्त सेवा में नियुक्ति से पहले धारण कर रहा था, जैसी भी स्थिति हो, या और कोई उपयुक्त आदेश पारित कर सकती है।

(5) परिवीक्षा या बढ़ी हुई परिवीक्षा को अवधि के दौरान उम्मीदवारों को परिवीक्षा के सफल समाप्ति की शर्त के रूप में सरकार द्वारा यथापेक्षित शिक्षण तथा प्रशिक्षण कोर्स पर करने होंगे और परीक्षा तथा परीक्षण (हिन्दी परीक्षा सहित) उत्तीर्ण करने होंगे।

(6) सेवा में नियुक्ति—उक्त सेवा के नियमित घड़ों के सभी पदों पर सभी नियुक्तियाँ—चाहे वे “आकांक्षा-वाणी” में हों या “दृश्यता” में हों—नियंत्रण प्राप्ति कारी द्वारा की जाएगी।

(7) भारत के किसी भाग में सेवा का दायित्व सेवा की अन्त शर्त—

(1) ऐसी नियुक्ति की हारीह में या उक्त सेवा के किसी भाग में या बाहर येंदा कर्ता पहले सकती है।
(2) उक्त सेवा में नियुक्त अधिकारी को भारत की रक्षा ये सम्बन्ध किसी रक्षा सेवा या पद पर कम से कम 4 वर्ष तक कार्य करना पहले स्वकार है जिसमें प्रशिक्षण की अवधि सम्मिलित है किंतु ऐसे अधिकारी को—

(1) ऐसी नियुक्ति की तारीख से या उक्त सेवा के प्रारम्भिक गठन से पहले कार्य शास्त्र की तारीख में 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना पड़ेगा।

(2) सामान्यतः 40 वर्ष की आय प्राप्त कर लेने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना पड़ेगा।

(8) उक्त सेवा के सदम्यों की सेवा शर्तों में उक्त मामलों पर केन्द्रीय सिविल सेवा के अधिकारियों पर नाग होंगे जिनके संबंध में इन नियमों में कोई व्यवस्था नहीं है।

उत्तराखण्ड नियम प्रकार है :—

(1) कर्निल वेतनमात्र
रु. 2200-75-2800-द. रो.-100-4000/-

(2) वरिष्ठ वेतनमात्र
रु. 3000-100-3500-125-4500/-

(3) जे. ए. जी.
रु. 3700-125-4700-150-5000/-

(4) जे. ए. जी. (चयन ग्रेड)
रु. 4500-150-5700/-

(5) एस. ए. जी.
रु. 5900-200-6700/-

(6) इंजीनियर-इन-चीफ
रु. 7300-100-7600/-

भारतीय प्रसारण (इंजीनियर) सेवा ग्रुप 'क' के कर्निल वेतनमात्र के पद के सम्बद्ध कार्य तथा उत्तरदायित्व के प्रकार: ब्राड-कास्ट, टी.वी. स्टूडियो और ट्रांसमीटरों का उभिकल्पन, संस्थापन, इचालन और अनुरक्षण सहायक इंजीनियरों के कार्य पर्यवेक्षण का उत्तरदायित्व।

12. भारतीय नौसेना आयुध सेवा

(क) पद पर नियुक्ति के लिए चूने गए उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षाधीन नियुक्ति किया जाएगा और यह अवधि सक्षम प्राधिकारी की विवक्षा पर बढ़ाई जा सकती है। सक्षम प्राधिकारी की राग में परिवीक्षा अवधि संतोषजनक रूप से पूरी न करने पर उन्हें सेवामूक्त किया जा सकेगा।

(ख) सक्षम प्राधिकारी द्वारा नोटिस की अपेक्षित अवधि (अस्थायी नियुक्ति के मामले में एक महीना और स्थायी नियुक्ति के मामले में तीन महीने) देकर किसी सम्पूर्ण भी नियुक्ति समाप्त की जा सकती है। किन्तु मरकार को नियुक्ति उम्मीदवारों की सेवाएं नोटिस की अवधि या इसके समाप्त न हए भाग के लिए वेतन तथा भत्तों के वरावर छी राशि का भूगतान करके तत्त्वाल्य या नोटिस की नियरित अवधि के समाप्त होने से पहले समाप्त करने वा अधिकारी होंगा।

(ग) वे समय-समय पर भारत सरकार द्वारा जारी किए गए आदेशों के अनुसार रक्षा सेवा इकाइयां से प्रदत्त सिविलियन मरकारी कर्मचारियों के लिए लाग सेवा शर्तों के अधीन होंगे। वे समय-समय पर संशोधित फोल्ड सर्विस दायित्व नियमान्वी 1957 के अधीन होंगे।

(घ) उनका भारत या विदेश में कहीं भी स्थानान्तरण किया जा सकेगा।

(ङ) वेतनमात्र तथा उपर्युक्तरण—यू-ए—राजपत्रित

(i) उप-आयुध आपूर्ति
अधिकारी ग्रेड—I
रु. 2200-75-2800-
द०रो.-100-4000-

(ii) उप-आयुध आपूर्ति
अधिकारी ग्रेड—I
रु. 3000-100-3500-
125-4500

(iii) नौसेना आयुध आपूर्ति
अधिकारी (साधारण ग्रेड)
रु. 3700-125-4700-
150-5000

(iv) नौसेना आयुध आपूर्ति
अधिकारी
(चयन ग्रेड)
रु. 4500-150-5700

(v) निदेशक आयुध आपूर्ति
रु. 5900-200-6700

(च) उच्चतर झड़ों में पदान्तरित के बबसर—

(1) उप-आयुध पूर्ति अधिकारी ग्रेड—

पांच वर्ष की सेवा रखने वाले उप-आयुध पूर्ति अधिकारी ग्रेड-2 विभागीय पदान्तरित समिति को अनुशंसाओं चयन के आधार पर रु. 3000—4500/- के बतेनमान में उप-आयुध पूर्ति अधिकारी ग्रेड-1 के पद में पदान्तरित के पात्र हैं परन्तु केवल उहोंने एरो विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हा जो तकनीकी प्रशिक्षण कोर्स आई. आई. टी., किरकी या तकनीकी प्रशिक्षण कोर्स नौसेना तकनीकी स्टाफ अधिकारी कोर्स के बाद ली गई हों।

(2) नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (साधारण ग्रेड)

उप-आयुध पूर्ति अधिकारी (ग्रेड-1) के अधिकारी जिन्होंने इस रूप में पांच वर्ष की सेवा की हों उपयुक्त विभागीय पदान्तरित समिति द्वारा चयन किए जाने के आधार पर रुपय 3700-5000/- के बतेनमान में नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (साधारण ग्रेड) के ग्रेड में पदान्तरित के पात्र हैं।

(3) नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (चयन ग्रेड)

नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (साधारण ग्रेड) के अधिकारी जिन्होंने इस रूप में 5 वर्ष की सेवा की हों। उपयुक्त विभागीय पदान्तरित समिति द्वारा चयन करने के आधार पर रुपय 4500-5700/- के बतेनमान में नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (चयन ग्रेड) में पदान्तरित के पात्र हैं।

(4) आयुध पूर्ति निदेशक

संबंध ग्रेड (ग्रेडों) में तीन वर्ष की सेवा रखने वाले नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (चयन ग्रेड) उपयुक्त विभागीय पदान्तरित समिति द्वारा चयन करने के आधार पर रु. 5900-6700/- के बतेनमान में आयुध पूर्ति निदेशक के रूप में पदान्तरित के पात्र हैं।

बगले उच्चतर झड़ में पदान्तरित होने यथापूर्वोक्त अपेक्षाएं न्यनतम पावता की हैं और संबंध ग्रेड में पदान्तरित केवल रिक्तियों की उपलब्धता पर होती है।

नोट :— उन सरकारी कर्मचारियों का बतेन जो परिवीक्षाधीन नियुक्ति के तत्काल पहले किसी आवधिक पद के अतिरिक्त मूल रूप से अस्थायी पद धारण किए हुए थे एफ. आर. 22 व (1) के प्रावधानों तथा भारतीय नौसेना परिवीक्षाधीन व्यक्तियों की लागू सी.एस.के. और उन्नुष्ठीय अनुच्छेद के अधीन विनियमित किया जा सकता है।

(ज) भारतीय नौसेना रक्षा मंत्रालय में उप-आयुध पूर्ति अधिकारी ग्रेड-2 के पद से संबंध कर्तव्यों तथा दायित्वों का स्वरूप।

(1) विविध यांत्रिक इलेक्ट्रोनिकों तथा विद्युत साधनों तथा उत्पादन तथा उत्पादकता प्रणाली वाले आयुध समग्री की मरम्मत, आवधन तथा बनुरक्षण से संबंध कार्य का प्रस्तुतीकरण, आयोजन तथा निदेशन।

(2) मरम्मत, अनुरक्षण और ओवरहाल के लिए, इलेक्ट्रोनिक तथा विद्युत उपकरणों की मशीनरी का उपलब्ध कराना।

(3) आयात प्रतिस्थापना से सम्बद्ध विकासीय कार्य स्वदेशी अभिकल्पन विशिष्टियां तैयार करना।

(4) आयुध के लिए यांत्रिक इलेक्ट्रोनिक तथा विद्युत बातारकत पाठ्स का उपलब्ध कराना।

(5) कायूथ (मिसाइल्स टार्फँडोज़ माइन्स तथा गन) मापने वाले यथा आद के यांत्रिकों इलेक्ट्रोनिक तथा विद्युत मदा के उप-समूच्य तथा समूच्यों का आवाधक बचाकान पराक्षण/जाच।

(6) फ्लीट तथा नौसेना प्रौद्योगिकों को आयुध भंडारण संधार संस्थान सहायता प्रदान करना।

(7) आयुध के बार म यांत्रिक, इलेक्ट्रोनिक तथा विद्युत इमारतों से सम्बद्ध सभा मामला न सम्बद्ध सुवाक का तकनीका सुलाह दना।

१३. एक तार भवन निर्माण (ग्रुप 'क') सेवा में सहायक कार्य-कारा इंजीनियर

(क) उम्मादवारों को नियूक्तिया परिवेक्षा आधार पर को जाएगा जिसका अवाध दो वर्ष होगा। उन्हें यथानिर्धारित ग्रामसूप लना होगा। याद सरकार का राय में किसी परिवेक्षा-दाना आवाध का कार्य या आचरण सन्तापजनक न हो या उसमें यह आमास हो। एक उसके कार्यक्रमशुल होने के सभावना नहीं है, तो सरकार उस तत्काल सेवामूक्त कर सकती है। परिवेक्षा का अवाध पूरा होने पर सरकार उसको नियूक्ति को स्थायी बना सकती है और यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण सन्तापजनक न रहा हो तो सरकार उस या तो सेवामूक्त कर सकती है या उसकी परिवेक्षा अवाध को जितना उचित समझ और बढ़ा सकती है।

अधिकारियों का ऐसी विभागीय परीक्षा या परीक्षाएं उत्तीर्ण करनी होगी जो परिवेक्षा अवाध के दांरान निर्धारित की जाए। उन्हें हिन्दा में एक पराक्षण भी उत्तीर्ण करना होगा।

(ख) इस प्रतियोगिता परोक्षा के परिणाम के आधार पर नियूक्त अधिकारों के अपनेक्षित होने पर किसी रक्षा सेवा से या भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी पद पर कम से कम चार वर्ष की अवाध के लिए काम करना पड़ सकता है जिसमें किसी प्रशिक्षण पर विताई गई अवधि, यदि कोई हो, भी सम्मिलित है।

परन्तु उस व्यक्ति को—

(क) नियूक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ख) सामान्यतः 40 वर्ष आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ग) प्राप्त बतेन दर निम्न प्रकार है :

ग्रुप "क" :

(1) सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल/विद्युत) रु. 2200-75-2800-द. रु.-100-4000/-

(2) कार्यपालक इंजीनियर का निर्माण सर्वेक्षक (सिविल/विद्युत) रु. 3000-100-3500-125-4500/-

- (3) अधीक्षक इंजीनियर/अधीक्षक; निर्माण सर्वेक्षक
(सिविल/वैद्युत)
रु. 3700-125-4700-150-5000/-
- (4) अधीक्षक इंजीनियर/निर्माण सर्वेक्षक अधीक्षक
(सिविल/वैद्युत) (चयन ग्रेड)
रु. 4500-150-5700/-
- (5) मूल्य इंजीनियर (सिविल/वैद्युत) (वरिष्ठ
प्रशासनिक ग्रेड)
रु. 5900-200-6700/-
- (6) वरिष्ठ उप महानिदेशक (भवन निर्माण)
रु. 7300-100-7600/-

(7) आक-तार सिविल स्कॉल में उत्तर पता से जा कर्तव्य तथा उत्तरदायित्व सम्बद्ध हैं वे हीचे दिए गए

के :—

इंजीनियर सेवा परीक्षा के माध्यम से आक-तार सिविल स्कॉल में भर्ती हुए उम्मीदवारों को आक तार-विभाग के विभिन्न सिविल निर्माणों के जिनमें आवासीय भवन, कार्यालय भवन, दूरभाष केन्द्र भवन, डाकघर भवन, कानूनी, भण्डार तथा प्रौद्योगिक केन्द्र आदि सम्मिलित हैं, आवोजन, अभिकल्पन, निर्माण और बन्दूरक्षण पर लगाया जाता है। उम्मीदवार विभाग में अपनी सेवा सहायक कार्यकारी इंजीनियर/सहायक इंजीनियर के रूप में शुरू करते हैं और सेवा करते हुए विभाग के विभिन्न विभागों पर्याप्त पदों पर पदोन्नति पा जाते हैं।

15. तकनीकी विकास महानिदेशालय में सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी) का रूप :—

- (क) तकनीकी विकास महानिदेशालय में सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी) के रूप पर भर्ती किए गए व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर होंगे।
- (ख) इस ग्रुप "क" राजपत्रित पद का वेतनमान रु. 2200-75-2800-द. रो.-100-4000/- है।
- (ग) तकनीकी विकास महानिदेशालय में एसे सहायक विकास अधिकारी 3000-100-3500-125-4500/- रु. के वेतनमान में विकास अधिकारी के पद पर पदोन्नति के पात्र हैं। जिन्होंने उक्त ग्रेड में 5 वर्ष की सेवा कर ली है; विकास अधिकारी के संवर्ग में 90 अर्द्धशत पद पदोन्नति द्वाया भरे जाते हैं। विकास अधिकारी रु. 4100-125-4850-150-5300/- के वेतनमान में अपर औद्योगिक सलाहकार के रूप में पदोन्नति के पात्र हैं। अपर औद्योगिक सलाहकार रु. 4500-150-5700/- के वेतनमान में औद्योगिक सलाहकार के पद पर पदोन्नति के पात्र हैं। औद्योगिक सलाहकार रु. 5900-200-7300/- के वेतनमान में उप-महानिदेशक के पद पर पदोन्नति के पात्र हैं। उप-महानिदेशक सचिव (तकनीकी विकास) और महानिदेशक (तकनीकी विकास) के पद पर पदोन्नति के पात्र हैं।

(घ) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किये जाने वाले व्यक्ति को आवश्यक होने पड़ किसी भी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि सहित यदि कोई है, कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी पद पर कार्य करना होगा।

किसी उस व्यक्ति को—

- (1) एसे नियुक्ति के दस वर्ष की समाप्ति के पूर्वक रूप से कार्य नहीं करना होगा।
- (2) चालौस वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने के बाद सामान्यतया या पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा।
- (3) सहायक विकास अधिकारी के पद से सम्बद्ध कार्यों और उत्तरदायित्वों का स्वरूप उससे सम्बद्ध प्रभावी अर्थात् यांत्रिक इंजीनियरी, औद्योगिक मशीनरी, मशीन औजार, वैद्युत इंजीनियरी आदि उद्योगों के विकास में विकास अधिकारी की सहायता करनी है।

15. सीमा सङ्क इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क'

(1) चुना हुआ उम्मीदवार दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर सहायक कार्यपालक इंजीनियर के ग्रुप में नियुक्ति किया जाएगा। परिवीक्षाधीन व्यक्ति को परिवीक्षा के अवधि के दौरान सरकार द्वाया निहित विभागीय परीक्षणों को उत्तीर्ण करना होगा। परिवीक्षा के दौरान या इसकी समाप्ति पर किसी समय यदि सरकार की राय में उसका कार्य और वाचरण असन्तोषजनक रहा है, तो हो सकता है कि सरकार या तो उसे कार्यमुक्त कर दे या उसके परिवीक्षा अवधि यथा अपेक्षित समय के लिए कार्य दे।

(2) चुने गए उम्मीदवारों को भारत के किसी भी भाग या विदेश में चिस्में युद्ध तथा शान्ति के क्षेत्र सम्मिलित हैं, कार्य करना होगा। उनकी क्षेत्र सेवा के लिए निर्धारित चिकित्सा मानकों के अनुसार चिकित्सा परीक्षा की जाएगी।

(3) उन्हें निम्नलिखित वेतनमान दीय है :—

(क) सहायक कार्यकारी इंजीनियर (सिविल)

2200-75-2800-द. रो.-100-4000 रुपए

कार्यकारी इंजीनियर (सिविल)

3000-100-3500[125-4500 रुपए

अधीक्षक इंजीनियर (सिविल)

3700-125-4700-150-5000 रुपए

अधीक्षक इंजीनियर (सिविल) 4500-150-5700

रुपए (चयन ग्रेड)

मूल्य इंजीनियर (सिविल) 5900-200-6700 रुपए

अपर महानिदेशक सीमा सङ्क 7300-100-

7600 रुपए

(ख) सहायक कार्यकारी इंजीनियर (हैंड.एम.)

2200-75-2800-द. रो.-100-4000 रुपए

कार्यकारी इंजीनियर (हैंड.एम.)

3000-100-3500-125-4500 रुपए

अधीक्षक इंजीनियर (ए.एस.पू.व.)
3700-125-4700-150-000 338

अधीक्षक इंजीनियर (ई.टी.यू.ए.) जून २०१८
4500-150-5700 रुपए

मुख्य इंजीनियर (ई. एण्ड ईम.)
5900-200-6700 रुपए (ती अंत समय के पूछा
किया जाना है।)

सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पास पर तेजु दा। अमृत
गण वाधकारी एवं धारत शत के पूर्ण करने के कार्यकारी इंजीनियर, वर्धाक इंजीनियर, नुस्खा
इंजीनियर (क्रेल सिविल इंजीनियर के आदि कार्यकारी
के लिए लागू) उच्चतर ग्रेडों में विद्यार्थीता के प्रशीलन
कर सकते हैं। अगले उच्च अंड मध्यालय हैं दृढ़-
धारा पूदाकर अपेक्षा व्युत्तर धारा की एवं
सबद्ध ग्रेड में विद्यार्थीता के लिए रायबरेली के
लघुता पर होती है। यात्रिय, इंजीनियर
समय मध्य इंजीनियर दा करने पर नहीं है।

(5) उक्त सेवा में नेयुक्टा अधिकारी कुछ विनिर्दिष्ट इलाकों में तैनात होने पर केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों की यथा आव्य जन्य सामान्य भत्तों जैसे मकान किराया भत्ता तथा नामांक्रेक प्रतिपूरक भत्ता धादि के अलावा विहित दर पर विशेष प्राप्तिपूरक भत्ता और मुफ्त राशन के हृद्वार है। वे इदी के घासे परि- सज्जा भत्तों के लिए हकदार हैं।

(6) सीमा सङ्केत इनियर; सेवा ब्रुद् “क०” के पदों पर नियुक्त अधिकारी यों पर अनुसारित के मामले में थल सेवा अधिनियम 1950 लाप्त होगा।

(7) सशस्त्र सेना अधिनियम के उग्र 12 के उपबंधों के सीमा सड़क इर्जा भवरी सेवा ग्रूप 'क' पर लागू हो जाने के कारण अहिलारु इस सेवा में नियुक्त होते मुक्त राशन के हत्तदार हैं। वे बद्दी के बास्ते परिपात्र नहीं होंगी।

16. डाक-तार, दूर-संचार कारखाना संगठन में सहायक प्रबन्धक, कारखाना

ग्रप्त 'क' के पद

(1) वेतनमान रु. 2200--400/- में सहायक प्रबंधक (कारखाना) के पदों पर भर्ती किए गए व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परिवेशाधीन रहेंगे।

(2) परिवेक्षा अवधि के दौरान उमीदवारों को प्रशिक्षण कार्यक्रम के अनुसार ऐसा व्यावहारिक शिक्षण जो समय-समय पर केंद्रीय सरकार द्वारा निर्धारित किया जाए, प्राप्त करना होगा। व्यावसायिक परोक्षा तथा हित्या परीक्षण उत्तीर्ण करना होगा।

(३) यादि आवश्यकता हुई तो सहानुक्रम के प्रबन्धक (क्रा. ज्ञाना) के पद पर नियुक्त किसी व्यक्ति वाले भाग की रक्षा से संबद्ध
किसी ब्राह्मण पर वितायी गयी अवधि (याद कोई हो) सहित
क्रम से क्रम 4 वर्ष की अवधि के तिए किसी रक्षा ज्ञाना या
ज्ञानारक की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा । किन्तु
उस व्यक्ति को :—

(क) नियुक्ति को सारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

[४] सामान्यतः ४० वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप घटे कायद नहीं करना होता।

(4) उच्चतर क्षेत्रों में पदान्विति के अवसर :—

(१४) अपने ग्रह में कम से कम पात्र वय को नियमित सवा करु चुकने वाले सहायक प्रबन्धक रु. 3000- 4500 के बतनाम में वारस्थ इंजीनियर (वारस्थ सम्पद बतनाम) और ग्रेड में पदानात के पात्र हैं।

५८। अपने प्रेष में का संक्ष पात्र वर्ष को सवा छह
भूक्तन वाल वोराठ इर्जीनयर रु. 3700-5000
एवं बतनमान में कोनस्ट प्रशासनिक प्रेष में 3500-
महाप्रबन्धक/प्रबन्धक (कारखाना) के प्रेष में पद्धा-
न्नात के पात्र है ।

५३). अपने प्रेड में 5 वर्ष की विधि, मस सवा बाले तथा
महाप्रबन्धक/प्रबन्धक, दूर सचिवार कारखाना और
4500-5700/- रु. के वतनमान भी उप-महा-
प्रबन्धक/प्रबन्धक (चयन प्रेड) के बकायांतरमें (नाम-
फक्शनल) चयन प्रेड में पदवालांत के पात्र हैं।

(*) कानून प्रशासनिक ग्रंड (इसमें अकाधार्यक वयन ग्रंड की सवा, यदि काहूँ हो, भी शामिल है) में ४ वर्ष की नियमित सवा वाले उप महाप्रबन्धक/प्रबन्धक अधिका ग्रुप 'क' पद में, जिसमें कुम द्वं कम ४ वर्ष की रोपा कानून प्रशासनिक ग्रंड में होनी चाहए, १७ करों की नियमित सवा वाले (इसमें अकाधार्यक वयन ग्रंड की सवा, यदि काहूँ हो, भी शामिल है) ५९००-६७०० रु. (वार्षिक प्रशासनिक ग्रंड) के वरन्तीमान भू महाप्रबन्धक, दूर संचार कारखाना के ग्रंड 'ए' पदान्तर के पात्र हैं।

(c) उक्त पर्याय से वृद्धि कार्य और उत्तरवाचित्वा का सम्बन्ध

सहाय्य प्रबन्धक ।—दूर चार भण्डार के उत्पादन का वे दूर सचाई विभाग के दूर चार कारखानों का प्रयोगक्षण तथा प्रबन्ध अंतर्राजीवाणीक वार और अंतर्राजीवाणीक कमचारियों और स्टाफ की नेतृत्वितयों सहित तथा मामलों पर कार्य करना ।

धौरेट इंडीयनियर :—उ पादन, आयोग, विकास, अनुरक्षण
ओजार आदि से सम्बद्ध शाखा के प्रधान और दूर संचार कारखाने
धर्म विभाग व्यवसायों/संवगाएँ ने नियुक्त अनुशासनिक प्राधिकारी
अवृत्त रूप में कायं करना।

उप० ४ हाइप्रबन्धक/प्रबन्धक :- सामान्य प्रशासन, उत्तादन, अनुशासन जायग आदि से सम्बंध दोनोंक काया में महाप्रबन्धक की सहायता करना, करताना या उत्पादन एकक/स्कृष्टि कार्यप्रभारी ।

महाप्रब्रह्मक :— धूर संग कारखाना के प्रधान कारखाना वै सामान्य प्रशासन, उत्पादन, आयोग व नृशासन आदि के समय नियन्त्रण हुते उत्तरदायी ।

17. भारतीय सर्वेक्षण ग्रन्थ '५' सेवा

नियुवित्यां दो वर्ष की अधिक के लिए परिवैक्षा आधार पर होंगी।

किन्तु शर्त यह है कि इस सम्बन्ध में नियन्त्रण प्राधिकारी परिवीक्षा की अवधि को सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए बनदेशों के अनसार बढ़ा सकता है।

भगली वाते यह है कि परिवेश्का अधिकारी बढ़ाने हेतु कहाँ निकट पौ खोदा को पूली अवधि के समाप्ति के बाद समावरण आठ सप्ताहों के अन्दर देखा जाएगा और सम्बद्ध अधिकारी को ऐसा करने के कारणों सहित उक्त अवधि के अंदर लिखित रूप में सूचित कर दिया जाएगा।

— इनी तो अवधि तथा उसकी किसी वृद्धि के समानक हैं अश्वी भी स्थान हैं, बाद सरकार का यह मत हो कि अद्य अधिकारी स्थाइ हैं। नयों स्थित हेतु उपयुक्त नहीं हैं तो उक्त अवधि देखा रखा रूप में रिकाउं किए जाएं और सरकार उन अधिकारी का कार्य-भूव कर याकौ है या उस पद पर वृद्धि करने होते हैं। यिस त्रै उक्त देखा में, जैसी भी स्थित है अद्युक्त। यहलै याद कर रही नहीं। परंतु या या या है उक्त देखा का इवान उम्मीदवारों का ऐसा। अद्युक्त कोर्ट पर करना होगा और अनुदेशों का पालन करना होगा तथा परिवार और परिक्षण पास (इसमें हिन्दी की परीक्षा भी शामिल है) करने होंगे जो भरकार इवारा परिवेश्का की अवधि को संतोषजनक ढंग से पूरा करने की शर्त के रूप में निर्धारित किए जायेंगे।

2. नियुक्त किए गए अधिकारियों को भारत और विदेश में कहीं भी कार्य करना पड़ सकता है।

3. नियुक्त किए गए अधिकारियों को सरकार द्वारा समय-समय पर लिए गए विदेशों के अन्तर्गत भारत और विदेश में ऐसे प्रशिक्षण और अनुदेशों के विस्तृत पाठ्यक्रमों में जाना पड़ सकता है।

4. यदें आवश्यकता हुई तो प्रतिरोगिता परीक्षा के परिणाम में आधार पर नियुक्त किए गए व्यक्ति को भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर विनाई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कल तक 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पदों पर कार्य करना होगा किंतु उस व्यक्ति को :—

- (1) नियुक्ति को तारीख से दस वर्ष की समर्पित पूर्वोत्तर रूप से कार्य नहीं करना होगा :—
- (2) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोत्तर रूप में कार्य नहीं करना होगा।

5. इह विवरण मा निम्न प्रकार है :—

प्रारंभ दर सप्ताह 2100-75-280-0-4000 रु. :

धारण दर सप्ताह 3000-100-350-0-25 रु. 00 रु.

धारण दर सप्ताह 3700-120-90-0-5000 रु. :

धरण दर 4500-150-5700 रु. ।

(क्रिनिट प्रशासनिक प्रैष)

धारण दर 5900-200-600 रु. :

भारत का महासर्वेद क 7300-100-700 रु. ।

6 पद से सम्बद्ध कर्तव्यों और दायित्वों का स्वरूप :

उप अधीक्षक सर्वेक्षक :—भगाणत कांटाप्रामाण, मानचित्र-बला और अंकीय मानचित्रण के क्षेत्रों में अनुभाग विद्यों का वृद्धिक्षण करने के लिए सर्वेक्षण का कार्य अनुभ-अलम कार्यक्रम के रूप में करने के साथ-साथ अनुभाग आवारों के रूप में भी करता। यूनिट के तकनीकी तथा प्रशासनिक दानों वालों भी अधिकारी आधिकारी (अधीक्षक सर्वेक्षक) की भी उपायता करता।

अधीक्षक सर्वेक्षक :—पाठों के प्रबंध करना और मनुशासन रखना भण्डारों की आभरका करना, रखरखाव और परिषुद्ध निष्ठा जोखा रखना, अपने आधिकार में हानि विद्यों का तकनीयता से व्यय करना, अपने सभी अधिकारार्थों और सैनात अंकीयों के अपने कार्य (इयूटी) और काद दोनों राज्य समाचार उपयुक्त सर्वेक्षण विधि में उचित प्रशासन देना, समस्त उक्तोंका कार्यों का निष्पादन और व्यवधान करना, काल्पनिक आधारों और मानचित्रण आदि करना।

उपनिदेशक :—निदेशालय का सुचारू आद नामें संचालन करने में कियाशील निदेशक का सहायता वरना, व्यापारायिक प्रशिक्षणों, संकिळ की विभागीय पदोन्नात संभितियों की बैठकों का आयोजन करने हेतु सभी तकनीकी, प्रशासनिक तथा वित्तीय शोषणदानों तथा विवरणियों की शमीक्षा करने उनका पुरा करना और उन पर निगरानी रखना आद का दायित्व सभालना, बसुली बोडों की बैठकों की अध्यक्षता करना, निविदाओं तथा संविदाओं को अंतिम रूप देना और निदेशक इवारा संपर्क गए अन्य सभी कार्यों को सम्पन्न करना।

निदेशक/उपनिदेशक चयन शेड :—सभी दायित्वों को संभालना, श्रूप 'ग' के सभी कमिजारियों के नियुक्ति तथा अनुशासनिक प्राधिकारी के रूप में कार्य करना, सर्वेक्षण तथा मानचित्रण कार्यों से संबंधित तकनीकी सम्बन्ध रखना, निर्देशन करना, उनकी देख-रेख करना और उन पर निगरानी रखना जिसमें राज्य सरकारों, केन्द्रीय परियोजना प्राधिकारियों आदि को सलाह देना भी शामिल है, वित्तीय प्रबंदन करना, बजट कार्य करना, निदेशालय के समस्त व्यय पर निगरानी और नियंत्रण रखना।

अपर अहर सर्वेक्षक :—अपने देख-रेख जिस वारे क्षेत्रों के तकनीकी, धेजानिक, धरातल-रेख विद्या के अधीन को दक्षतापूर्वक संपन्न करने हेतु सभी उत्तिष्ठानों के काल्पनिक और कंयर मानचित्रण कार्यक्रमों तथा सदृश कार्यों के औंतेम रूप देना, निर्धारित मानकों के अनुसार तकनीक कार्य का प्रगति पर निगरानी रखना तथा प्रत्यक्ष अवस्था पर इवाराइव के अपेक्षित स्तर को सुनिश्चित करना, कार्यों की नवान तकनीक विधि को विकास करने/उसको अपनाने का दायित्व सभालना अपने जोन में आने वाले सभी सर्वेक्षण मामलों पर राज्य सरकारों को परामर्श देना।

MINISTRY OF RAILWAYS

(RAILWAY BOARD)

RULES

New Delhi, the 6th March 1993

No. 92/E(GR)I/18/2.—The Rules for a combined competitive Engineering Services Examination—to be held by the Union Public Service Commission in 1993 for the purpose of filling vacancies in the following Services/Posts are, with the concurrence of the Ministries/Departments concerned, published for general information :—

CATEGORY I—CIVIL ENGINEERING

Group A Services/Posts

- (i) Indian Railway Service of Engineers.
- (ii) Indian Railway Stores Service (Civil Engineering Posts).
- (iii) Central Engineering Service.
- (iv) Military Engineer Service (Building and Roads Cadre).
- (v) Military Engineer Service (Surveyor of Works Cadre).
- (vi) Survey of India Service Group-A (Civil Engineering Posts).
- (vii) Central Water Engineering Service (Civil Engineering Posts).
- (viii) Assistant Executive Engineer (Civil), in P&T Building Works (Group 'A') Service.
- (ix) Central Engineering Service (Roads) Group-A.
- (x) Assistant Executive Engineer (Civil) in Border Roads Engineering Service Group-A.

CATEGORY II—MECHANICAL ENGINEERING

Group A Services/Posts

- (i) Indian Railway Service of Mechanical Engineers.
- (ii) Indian Railway Stores Service (Mechanical Engineering Posts);
- (iii) Central Water Engineering Service (Mechanical Engineering Posts);
- (iv) Central Power Engineering Service (Mechanical Engineering Posts);
- (v) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) (Mechanical Engineering Posts);
- (vi) Indian Naval Armament Service (Mechanical Engineering Posts);
- (vii) Military Engineer Service (Electrical and Mechanical Cadre) (Mechanical Engineering Posts);
- (viii) Central Electrical & Mechanical Engineering Service (Mechanical Engineering Posts);
- (ix) Posts of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development (Mechanical Engineering Posts);

(x) Assistant Executive Engineer (Elect. & Mech.) Mechanical Engineering Posts, Border Roads (Engineering Service, Group-A).

- (xi) Drilling Engineer (Jr.) in G.S.I.
- (xii) Mechanical Engineer (Junior) Group A in G.S.I.
- (xiii) Assistant Manager (Factories) Department of Telecom (Telecom Factories Organisation).
- (xiv) Central Engineering Service (Roads) Group 'A' (Mechanical Engineering Posts).

CATEGORY III—ELECTRICAL ENGINEERING
Group A Services/Posts

- (i) Indian Railway Service of Electrical Engineers;
- (ii) Indian Railway Stores Service (Electrical Engineering Posts);
- (iii) Central Electrical & Mechanical Engineering Service (Electrical Engineering Posts);
- (iv) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) (Electrical Engineering Posts);
- (v) Indian Naval Armament Service (Electrical Engineering Posts);
- (vi) Central Power Engineering Service (Electrical Engineering Posts);
- (vii) Assistant Executive Engineer (Electrical in P&T Building Works (Group 'A') Service.
- (viii) Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development (Electrical Engineering Post);
- (ix) Military Engineer Service (Electrical and Mechanical Cadre) (Electrical Engineering Posts);
- (x) Assistant Manager (Factories), Department of Telecom (Telecom Factories Organisation).

CATEGORY IV—ELECTRONICS AND TELECOMMUNICATION ENGINEERING

Group A Services/Posts

- (i) Indian Railway Service of Signal Engineers;
- (ii) Indian Railway Stores Service (Telecommunication / Electronics Engineering Posts);
- (iii) Indian Telecommunication Service;
- (iv) Engineer in Wireless Planning and Co-ordination Wing/Monitoring Organisation; Ministry of Communication (Department of Tele-Communications);
- (v) Indian Broadcasting (Engineers) Service;
- (vi) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) (Electronics Engineering Posts);
- (vii) Indian Naval Armament Service (Electronics Engineering Posts);
- (viii) Central Power Engineering Service (Telecommunication Engineering Posts);
- (ix) Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development (Electronics and Telecommunication Engineering Posts);

- (x) Survey of India Service Group 'A' (Electronics and Telecom. Engg. Posts).
- (xi) Assistant Manager (Factories), Department of Telecom. (Telecom Factories Organisation).

1. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix-1 to these Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

2. A candidate may compete in respect of any one or more of the categories of Services/Posts mentioned above. He should clearly indicate in his application the Services/Posts for which he wishes to be considered in the order of preference.

N.B. (i)—Candidates are advised to indicate all the Services/Posts for which they are eligible in terms of the Rules in the order of preferences in their application form. In case a candidate does not give any preference for any Services/Posts or does not include certain Services/Posts in his application form it will be assumed that he has no specific preference for those Services/Posts, and in that event he shall be allocated to any of the remaining Services/Posts in the order as appearing in the notification and in which there are vacancies after allocation of candidates according to the Services/Posts of their preferences. In making such allocation the candidate shall be considered first for Group 'A' Services/Posts and then for Group 'B' Services/Posts.

N.B. (ii)—NO REQUEST FOR ALTERATION IN THE PREFERENCES INDICATED BY A CANDIDATE IN RESPECT OF SERVICES/POSTS COVERED BY THE CATEGORY OR CATEGORIES OF SERVICES/POSTS VIZ. CIVIL ENGINEERING, MECHANICAL ENGINEERING, ELECTRICAL ENGINEERING AND ELECTRONICS AND TELECOMMUNICATION ENGINEERING (c.f. PREAMBLE TO THE RULES) FOR WHICH HE IS COMPETING WOULD BE CONSIDERED UNLESS THE REQUEST FOR SUCH ALTERATION IS RECEIVED IN THE OFFICE OF THE UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION WITHIN 30 (THIRTY) DAYS OF THE DATE OF PUBLICATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION IN THE EMPLOYMENT NEWS. NO COMMUNICATION EITHER FROM THE COMMISSION OR FROM THE MINISTRY OF RAILWAYS (RAILWAY BOARD) WOULD BE SENT TO THE CANDIDATES ASKING THEM TO INDICATE THEIR REVISED PREFERENCES, IF ANY, FOR THE VARIOUS SERVICES/POSTS AFTER THEY HAVE SUBMITTED THEIR APPLICATIONS.

N.B. (iii)—Candidates should give their preferences only for the Services and Posts for which they are eligible in terms of the Rules and for which they are competing. Preferences given for Services and Posts for which they are not eligible and for Services and Posts in respect of which they are not admitted to the examination will be ignored.

N.B. (iv)—DEPARTMENTAL CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION UNDER AGE RELAXATION [VIDE RULE 5(b)] MAY GIVE THEIR PREFERENCES FOR THE SERVICES/POSTS IN OTHER MINISTRIES/DEPARTMENTS ALSO. THEY WILL,

HOWEVER, BE FIRST CONSIDERED FOR APPOINTMENT TO SERVICES/POSTS IN THEIR OWN DEPARTMENT SUBJECT TO MERIT POSITION AND ONLY IN THE EVENT OF NON-AVAILABILITY OF VACANCIES THEREIN OR MEDICAL UNFITNESS OF SUCH CANDIDATES FOR THE SERVICES/POSTS UNDER THEIR OWN DEPARTMENTS. THEY SHALL BE CONSIDERED FOR ALLOTMENT TO THE SERVICES/POSTS IN OTHER MINISTRIES/DEPARTMENTS ON THE BASIS OF PREFERENCES EXPRESSED BY THEM.

N.B. (v)—Preferences of candidates admitted to the examination under the proviso to Rule 6 will be considered only for the posts mentioned in the said proviso, and preference for other Services and Posts, if any, will be ignored.

3. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission.

Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

4. A candidate must be either—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, the East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India;

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility Certificate has been issued to him by the Government of India.

5. (a) A candidate for this examination must have attained the age of 20 years and must not have attained the age of 28 years on the 1st August 1993 i.e. he must have been born not earlier than 2nd August, 1965 and not later than the 1st August, 1973.

(b) Subject to conditions mentioned in N.B. (iii) below Rule 2, the upper age-limit of 28 years will be relaxable up to 33 years in the case of the Government servants of the following categories, if they are employed in a Department/Office under the control of any of the authorities mentioned in column 1 below and apply for admission to the examination for all or any of the Service(s)/Post(s) mentioned in column 2, for which they are otherwise eligible.

- (i) A candidate who holds substantively a permanent post in the particular Department/Office concerned. This relaxation will not be admissible to a probationer appointed against a permanent post in the Department/Office during the period of his probation.
- (ii) A candidate who has been continuously in a temporary service on a regular basis in the particular Department/Office for at least 3 years on the 1st August, 1993.

Column I	Column 2
Railway Department . . .	I.R.S.E. I.R.S.E.E. I.R.S.S.E. I.R.S.M.E. I.R.S.S. C.E.S.—Group 'A'
Central Public Works Department . . .	C.E. & M.E.S. Group 'A' M.E.S. Group A (B & R care and Surveyor of works Cadres) M.E.S. Group A (E. & M. Cadre).
Engineer-in-Chief, Army Headquarters . . .	I.O.F.S. Group A
Directorate General Ordnance Factories	C.W.E. Service (Group A). C.P.E. (Group A) Service
Central Water Commission	Engineer (Group A)
Central Electricity Authority	
Wireless Planning and Co-ordination Wing, Monitoring Organisation	
Border Roads Organisation	Border Roads Engineering Service.
All India Radio/Doordarshan	Junior Scale of Indian Broadcasting (Engineers) Service.
Indian Navy . . .	Indian Naval Armament Service.
Ministry of Communication Department of Tele- communication & Deptt of Posts	Indian Tele-communication Service Group A, Assistant Executive Engineer (Civil/Electrical) in P & T Building works (Group 'A') Service, Assistant Manager (Factories) Group A, P. & T. Telecom Factories Organisation.
Dept. of Science & Technology	Survey of India Service, Group A.
Directorate General of Technical Development	Assistant Development Officer (Engineering) Group 'A'
Geological Survey of India	Mechanical Engineers (Junior) Group 'A'. Drilling Engineer (Junior), Group 'A'.

NOTE.—The period of apprenticeship if followed by appointment against a working post on the Railways may be treated as Railway Service for the purpose of age concession.

(c) The upper age-limit prescribed above will be further relaxable:

- (i) Upto a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) Upto a maximum of three years if a candidate is a bona-fide repatriate of Indian origin from Kuwait or Iraq and has migrated to India from any of these countries after 15th May, 1990 but before 22nd November 1991.
- (iii) Upto a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona-fide repatriate of Indian origin from Kuwait or Iraq and has migrated to India from any of these countries after 15th May, 1990 but before 22nd November 1991.
- (iv) Upto a maximum of three years, in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof;
- (v) Upto a maximum of eight years, in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (vi) Upto a maximum of five years in the case of ex-servicemen including Commissioned Officers and ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st August 1993 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within one year from 1st August 1993) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or (ii) on account of physical disability attributable to Military Service or (iii) on invalidment;
- (vii) Up to a maximum of ten years in the case of ex-servicemen including Commissioned Officers, and ECOs/SSCOs who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes and who have rendered at least five years Military Service as on 1st August, 1993 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within one year from 1st August, 1993 otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or (ii) on account of physical disability attributable to Military Service or (iii) on invalidment;
- (viii) Up to a maximum of five years in the case of ECOs/SSCOs who have completed an initial period of assignment of five years of Military Service as on 1st August, 1993 and whose assignment has been extended beyond five years and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for civil employment and they will be released on three months' notice on selection from the date of receipt of offer of appointment;

(ix) Up to a maximum of ten years in the case of candidates belonging to Scheduled Castes or Scheduled Tribes who are also ECOs/SSCOs and have completed an initial period of assignment of five years of Military Service as on 1st August 1993 and whose assignment has been extended beyond five years and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for civil employment and that they will be released on three months notice on selection from the date of receipt of offer of appointment.

Note (i) The term ex-servicemen will apply to the persons who are defined as ex-servicemen in the Ex-servicemen (Re-employment in Civil Services and Posts) Rules, 1979, as amended from time to time.

(ii) Candidates falling under rule 5(c) (ii) to (ix) who do not belong to Scheduled Caste and Scheduled Tribe are not eligible for age concession if they have already joined any Govt. job on civil side after availing of the age concession.

N.B.—The Candidature of a person who is admitted to the examination under the age concession mentioned in Rule 5(b) above shall be cancelled if, after submitting his application he resigns from service or his services are terminated by his department/office either before or after taking the examination. He will, however, continue to be eligible if he is retrenched from the Services or post after submitting his application.

A candidate who after submitting his application to the department is transferred to other department/office will be eligible to compete under departmental age concession for the service/post for which he would have been eligible but for his transfer, provided his application has been forwarded by his parent department.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PREScribed CAN IN NO CASE BE RELAXED.

6. A candidate must have—

- (a) obtained a degree in Engineering from a University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other Educational Institutes established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956; or
- (b) passed Sections A and B of the Institution Examinations of the Institution of Engineers (India); or
- (c) obtained a degree/diploma in Engineering from such foreign University/College/Institution and under such conditions as may be recognised by the

Government for the purpose from time to time; or

- (d) passed in the Graduate Membership Examination of the Institution of Electronics and Tele-communication Engineers (India); or
- (e) passed Associate Membership Examination Parts II and III/Sections A and B of the Aeronautical Society of India; or
- (f) Passed Associate Membership Examination (Sections A and B) of the Institution of Mechanical Engineers (India); or ..
- (g) passed in the Graduate Membership Examination of the Institution of Electronics and Radio Engineers, London held after November 1959

Provided that a candidate for the posts of Engineer, Group A, in Wireless Planning and Coordination Wing/Monitoring Organisation, Ministry of Communications, Indian Broadcasting (Engineers) Service and Indian Naval Armament Service (Electronics Engg. Posts) may possess any of the above qualifications or the qualification mentioned below namely :—

M.Sc. degree or its equivalent with Wireless Communication, Electronics, Radio Physics or Radio Engineering as a special subject.

NOTE 1.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him educationally qualified for this examination, but has not been informed of the result, may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation, if they do not produce proof of having passed the examination as soon as possible, and in any case not later than 15th December 1993.

NOTE 2.—In exceptional cases, the Commission may treat a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule, as educationally qualified provided that he has passed examinations conducted by other institutions the standard of which in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

NOTE 3.—A candidate who is otherwise qualified but who has taken a degree from a foreign University which is not recognised by Government, may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

7. Candidates must pay the fee prescribed in para 6 of the Commission's Notice.

8. All Candidates in Government service, whether in permanent or in temporary capacity or as workcharged employees, other than casual or daily rated employees or those serving under Public Enterprises will be required to submit an undertaking that they have informed in writing, their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

9. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

10. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means; or
- (ii) impersonating; or
- (iii) procuring impersonation by any person; or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with; or
- (v) making statements which are incorrect or false or suppressing material information; or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination; or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter including obscene language or pornographic matter in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations; or
- (xi) violating any of the instructions issued to candidates along with their admission certificates permitting them to take the examination; or
- (xii) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses.

may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from examination for which he is a candidate; and/or
 - (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
 - (c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.
- Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—
- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
 - (ii) taking the representation if any submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

12. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for an interview for a personality test.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for an interview for a personality test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission are of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for interview for a personality test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

13. (i) After the interviews the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate, and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

(ii) The candidates belonging to any of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes, may to the extent of the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, be recommended by the commission by a relaxed standard subject to the fitness of these candidates for selection to the Service.

Provided that the candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes who have been recommended by the Commission without resorting to the relaxed standard referred to in this sub-rule, shall not be adjusted against the vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes.

14. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidate shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

15. Subject to other provisions contained in these rules, successful candidates will be considered for appointment on the basis of the order of merit assigned to them by the Commission and the preferences expressed by them for various Services/posts at the time of their application.

DEPARTMENTAL CANDIDATES WILL HOWEVER, BE FIRST CONSIDERED FOR APPOINTMENT TO SERVICES/POSTS IN THEIR OWN DEPARTMENT SUBJECT TO MERIT POSITION AND ONLY IN THE EVENT OF NON-AVAILABILITY OF VACANCIES THEREIN OR MEDICAL UNFITNESS OF SUCH CANDIDATES FOR THE SERVICES/POSTS UNDER THEIR OWN DEPARTMENTS, THEY SHALL BE CONSIDERED FOR ALLOTMENT TO THE SERVICES/POSTS IN OTHER MINISTRIES/DEPARTMENTS ON THE BASIS OF PREFERENCES EXPRESSED BY THEM.

16. Success in the examination confers no right to appointment unless the Government is satisfied after such an inquiry as may be considered necessary, that the candidate having regard to his character and antecedents, is suitable in all respects for appointment to the service.

17. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the service. A candidate who (after such physical examination as Government or the appointing authority as the case may be, may prescribe) is found not to satisfy those requirements will not be appointed.

All candidates who qualify for interview on the basis of written part of the examination are required to undergo medical examination on the next working day following the date of interview (there shall be no medical examination on Saturdays, Sundays and closed holidays). For this purpose the successful candidates will be required to present themselves, before the Additional Chief Medical Officer, Central Hospital, Northern Railways, Basant Lane, New Delhi at 9.00 Hrs. In case the candidates are wearing glasses they should take with them, the latest number of glasses to the Medical Board.

No request for change in the date of medical examinations or in its venue would ordinarily be acceded to.

The candidates should note that no request for grant of exemption from medical examination will be entertained under any circumstances.

The attention of the candidates is invited to the regulation relating to the Physical Examination published herewith. It will be seen therefrom that the physical standards prescribed vary for different services. The candidates are therefore, advised to keep these standards in view with specific reference to services for which they have completed/expressed preferences to the UPSC.

The candidates may also please note,

(i) A sum of Rs. 30 (Rupees Thirty only) in cash, is required to be paid by them to the Medical Board;

- (i) no travelling allowance will be paid for the journey performed in connection with the medical examination; and
- (ii) the fact that a candidate has been physically examined will not mean or imply that he will be considered for appointment.

THE CANDIDATES SHOULD NOTE THAT THEY WILL NOT RECEIVE ANY SEPARATE INTIMATION REGARDING MEDICAL EXAMINATION FROM THE MINISTRY OF RAILWAYS (RAILWAY BOARD).

In order to prevent disappointment, candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon, before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of the medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are given in Appendix II. For the disabled/ex-Defence Services Personnel the standards will be relaxed consistent with requirements of each Service.

18. No person—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to service.

Provided that Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

19. Candidates are informed that some knowledge of Hindi prior to entry into Service would be of advantage in passing departmental examination which candidates have to pass after entry into Service.

20. Brief particulars relating to the Services/posts to which recruitment is being made through this examination are given in Appendix III.

MASIHUZZAMAN,
Secretary,
Railway Board.

APPENDIX I

1. The examination shall be conducted according to the following plan :—

Part I.—The written examination will comprise two sections—Section I consisting only of objective type of questions and Section II of conventional papers. Both Section will cover the entire syllabus of the relevant engineering disciplines viz. Civil Engineering, Mechanical Engineering, Electrical Engineering and Electronics & Telecommunication Engineering. The standard and syllabi prescribed for these papers are given in Schedule to the Appendix. The details

of the written examination i.e. subject, duration and maximum marks allotted to each subject are given in para 2 below :

Part II.—Personality test carrying a maximum of 200 marks of such of the candidates who qualify on the basis of the written examination.

2. The following will be the subjects for the written examination :—

Category I—CIVIL ENGINEERING

(cf. Preamble to the Rules)

Subject	Code	Duration	Maximum Marks
Section I—Objective papers			
General Ability Test (Part A General English) (Part B General Studies)	01	2 hrs	200
Civil Engineering Paper I	11	2 hrs.	200
Civil Engineering Paper II	12	2 hrs.	200
Section II—Conventional papers			
Civil Engineering Paper I	13	3 hrs.	200
Civil Engineering Paper II	14	3 hrs	200
TOTAL			1000

Category II—MECHANICAL ENGINEERING

(cf. preamble to the Rules)

Subject	Code	Duration	Maximum Marks
Section I—Objective papers			
General Ability Test (Part A General English) (Part B General Studies)	01	2 hrs	200
Mechanical Engineering Paper I	21	2 hrs	200
Mechanical Engineering Paper II	22	2 hrs.	200
Section II—Conventional papers			
Mechanical Engineering Paper I	23	3 hrs	200
Mechanical Engineering Paper II	24	3 hrs	200
TOTAL			1000

Category III—ELECTRICAL ENGINEERING

(cf. preamble to the Rules)

Subject	Code	Duration	Maximum Marks
Section I—Objective papers			
General Ability Test (Part A: General English) (Part B: General Studies)	01	2 hours	200
Electrical Engineering Paper I	41	2 hours	200
Electrical Engineering Paper II	42	2 hours	200
Section II—Conventional papers			
Electrical Engineering Paper I	43	3 hours	200
Electrical Engineering Paper II	44	3 hours	200
TOTAL			1000

Category IV—ELECTRONICS AND TELECOMMUNICATION ENGINEERING

(cf. Preamble to the Rules)

Subject	Code	Duration	Maximum Marks
Section I—Objective Papers :			
General Ability Test (Part A: General English) (Part B: General Studies)	01	2 hours	200
Electronics & Telecommunication Engineering Paper I	61	2 hours	200
Electronics & Telecommunication Engineering Paper II	62	2 hours	200
Section II—Conventional Papers:			
Electronics & Telecommunication Engineering Paper I	63	3 hours	200
Electronics & Telecommunication Engineering Paper II	64	3 hours	200
TOTAL			1000

3. In the Personality Test special attention will be paid to assessing the candidate's capacity for leadership, initiative and intellectual curiosity, tact and other social qualities, mental and physical energy, powers of practical application and integrity of character.

4. Conventional papers must be answered in English. Question papers will be set in English only.

5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

6. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

7. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

8. Deduction up to 5 per cent of the maximum marks for the written papers will be made for illegible handwriting.

9. Credit will be given for orderly effective and exact expression combined with due economy of words in the conventional papers of the examination.

10. In the question papers, wherever necessary, questions involving the Metric System of weights and measures only will be set.

NOTE :—Candidates will be supplied with tables in metric units compiled and published by the Indian Standards Institution in the Examination hall for reference purpose, wherever considered necessary.

11. Candidates are permitted to bring and use battery operated pocket calculators for conventional (essay) type papers only. Loaning or inter-changing of calculators in the Examination hall is not permitted.

It is also important to note that candidates are not permitted to use calculators for answering objective type papers (Test booklets). *They should not*, therefore, bring the same inside the Examination Hall.

12. Candidates should use only International form of Indian numerals (e.g. 1, 2, 3, 4, 5, 6 etc.) while answering question papers.

SCHEDULE TO APPENDIX I

Standard and Syllabus

The standard of paper in General Ability Test will be such as may be expected of an Engineering/Science Graduate. The standard of papers in other subjects will approximately be that of an Engineering Degree Examination of an Indian University. There will be no practical examination in any of the subjects.

GENERAL ABILITY TEST (Code No. 01)

Part A : General English : The question paper in General English will be designed to test the candidate's understanding of English and workman like use of words.

Part B : General Studies : The paper in General Studies will include knowledge of current events and of such matters as of everyday observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

CIVIL ENGINEERING

(For both objective and conventional type papers)

Paper I (Code No. 11 for objective type paper and 13 for conventional paper)

1. Building Materials and Construction.

Stones, Timber, Bricks, Cement, Mortar, Concrete, Masonry, Steel.

2. Solid Mechanics.

Stresses, Strain, Failure Theories of Solid Materials. Simple bending and torsion theories, shear centre.

3. Graphic Statics.

Force Polygon, stress diagram.

4. Structural Analysis.

Analysis of trusses and frames. Introduction to plastic Analysis.

5. Design of Metal Structures.

Working stress and ultimate strength design of simple structures.

6. Design of concrete and Masonry Structures.

Design of masonry walls, working stress design of plain, reinforced and prestressed concrete; ultimate strength design of reinforced and prestressed concrete.

Paper II (Code No. 12 for objective type paper and 14 for conventional paper)

1. Fluid Mechanics water Resources Engineering. Open channel and pipe flow. Hydrology Design of canals and hydraulic structures.

2. Soil Mechanic and Foundation Engineering and their general principals Strength Parameters. Earth pressure Theories, Design of Shallow and deep foundations.

3. Transportation Engineering including Railway Engineering and Surveying. Roads superelevation Ruling gradient, pavements, Traffic controls, Design considerations.

4. Environmental Engineering. Water purification, Sewerage treatment and disposal.

5. Construction, Planning and Management.

Elements of construction practice, Bar charts, CPM, PERT.

MECHANICAL ENGINEERING

(For both objective and conventional type papers)

Paper I (Code No. 21 for objective type and 23 for conventional paper)

1. Thermodynamics

Laws, Properties of ideal gases and vapours, Power cycles, Gas Power Cycles, Gas Turbine Cycles, Fuels and combustion.

2. I.C. Engines

C.I. and S.I. Engines Detonation, Fuel injection and carburation. Performance and Testing. Turbo Jet and Turbo-prop Engines. Rocket Engines Elementary knowledge of Nuclear Power Plants and Nuclear Fuels.

3. Steam Boilers, Engines, Nozzles and Steam Turbines Modern boilers. Steam Turbines types. Flow of Steam through nozzles. Velocity diagrams for impulse and Reaction Turbines. Efficiencies and Governing.

4. Compressors Gas, Dynamics and Gas Turbines, Reciprocating, Centrifugal and axial flow compressors. Velocity diagrams, Efficiency and performance, effect of mech. number on flow, isentropic flow, Normal Shocks and Flow through nozzles. Gas Turbine Cycle with multistage compression, Reheating and Regeneration.

5. Heat Transfer, Refrigeration and Air-Conditioning Conduction, Convection and Radiation, Heat exchangers, types, Combined Heat Transfer. Overall Heat Transfer coefficient, Refrigeration and heat pump Cycles. Refrigeration systems. Coefficient of performance, Psychrometrics and psychrometric chart. Comfort indices. Cooling and dehumidification methods. Industrial Air-conditioning Processes. Cooling and heating loads calculations.

6. Properties and classification of fluids.

Fluid statics, kinematics and dynamics; principals and Applications. Manometry and Buoyancy. Flow of ideal fluids. Laminar and turbulent flows. Boundary layer theory. Flow over immersed bodies. Flow through pipes and Open Channels. Dimensional analysis and similitude technique.

Non-dimensional specific speed and classification of fluid machines in general. Energy transfer relation performance and operation of pumps and of impulse and reaction water turbines. Hydronamic power transmission.

Paper II (Code No. 22 for objective type paper and 24 for conventional paper)

7. Theory of Machines

Velocity and acceleration (i) moving bodies (ii) in machines. Klien's construction Inertia forces in machines. Cams; Gears and Gearing. Fly wheels and Governors Balancing of Rotating and Reciprocating masses. Free and forced vibration of systems. Critical speeds and whirling of shafts.

8. Machine Design

Design of : Joints—Threaded fasteners and Power Screws—Keys, Kotters. Coupling—Welded Joints. Transmission system : Belt and chain drives—wire ropes—shafts.

Gear-siding and Rolling bearings.

9. Strength of Materials.

Stress and strain in two dimensions; Mohr's circles; relations between Elastic Constants.

Beams : Bending moments, shearing forces and reflection.

Shafts : Combined bending direct and torsional stresses. Thick Walled cylinders and spheres under Pressure, Spring, Struts and columns. Theories of failure.

10. Engineering Materials

Alloys and Alloying Materials, heat treatment; Composition; properties and uses. Plastics and other newer engineering materials.

11. Production Engineering

Metal Machinery: Cutting Tools; Tool Materials, wear and Machinability measurement of cutting forces.

Process: Machining-Grinding, Boring, Gear, Manufacturing, Metal forming, Metal casting and jointing, Basic Special Purpose, Programme and numerically Controlled machine Tools, Jigs and fixtures (locating elements).

12. Industrial Engineering

Work study and work measurement. Wage incentive. Design of Production System and Product Cost Principles of Plant layout. Production Planning and Control. Material handling. Operations Research. Linear Programming queuing Theory. Value Engineering Network Analysis, CPM and PERT. Use of Computers.

ELECTRICAL ENGINEERING

(For both objective and conventional type papers)

Paper 1 (Code No. 41 for objective type paper and 43 for conventional paper)

1. Electrical Circuits

Network theorems Response of network to step, ramp, impulse and sinusoidal inputs. Frequency domain analysis. Two port networks elements of network synthesis. Signal-flow graphs.

2. EM Eheory

Electrostatics Magetostatics using vector methods. Fields in dielectrics in conductors and in magnetic materials. Time varying fields, maxwel's equation. Planewave propagation in conducting & Dielectric media properties of Transmission lines.

3. Material Science: (Electric Materials)

Band Theory. Behaviour of dielectrics in static and alternating fields. Piezoelectricity. Conductivity of Metals. Super conductivity. Magnetic Properties of materials. Ferro and ferri-magnetism Conduction in Semiconductors, Hall effect.

4. Electrical Measurements

Principles of Measurement. Bridge measurement of Circuit parameters. Measuring Instruments. VTVM and CRO, Q-Meter, Spectrum analyser. Transducers and measurement of non-electrical quantities, digital measurement, telemetering data recording and display.

Paper II (Code No. 42 for objective type paper and 44 for conventional paper)

5. Elements of Computation

Digital system algorithms, flow-charting. Storage; Type statements, arrary storage Arithmetic expression logical expressions, Assignments statements. Programe structure Scientific and Engineering applications.

6. Power Apparatus & Systems

Electromechanics: Principles of electro mechanical energy conversion. Analysis of D.C., synchonous and Induction Machines. Fractional horse-power motors. Machines in Control Systems. Transformers Magnetic Circuits and Selection of motors for drives. Power System: power generation Thermal Hydro and Nuclear Power Transmission. Corona Bundle conductors. Power Systems Protection. Economic operation. Load frequency control, stability analysis.

7. Control Systems

Open-loop and closed loop systems, Response analysis Root-locus technique, stability, compensation and design techniques. State variable approach.

8. Electronics & Communications

Electronics: Solid state devices and circuits. Small signal amplifier design. Feedback amplifiers Oscillators and operational amplifiers, FET circuit and linear ICs. Switching circuits Boolean Algebra. Logic circuits. Combinational and sequential digital circuit. **Communications:** Signal analysis. Transmission of signals. Modulation & Detection. Various types of communication systems. Performance of communication systems.

ELECTRONICS AND TELECOMMUNICATION ENGINEERING

(For both objective and conventional type papers)

Paper I (Code No. 61 for objective type paper and 63 for conventional paper)

1. Materials Components and Devices

Structure and properties of electrical engineering materials. Passive components-types and properties. Active components-types and properties. Solid State Devices-Physics, Characteristics and models.

2. Network Theory

Network Theorems. Steady State and transient response of electric circuits Network analysis Elementary network synthesis.

3. Electromagnetic Theory

Field theory. Transmission line theory. Antenna Theory. Propagation of electromagnetic waves in bounded and unbounded media.

4. Measurements and Instrumentation

Measurement of basic-electrical quantities. Measuring instruments and their principles of working Transducers.

Measurement of non-electrical quantities.

Paper II (Code No. 62 for objective type paper and 64 for conventional paper)

1. Linear and Non-linear Analog Circuits.

Basic Linear electronics circuits. Pulse shaping circuits. Wave form Generators, Stabilizers.

2. Digital Circuits

Logic circuits and Gates. Computing Circuits Combinational and sequential circuits.

3. Control Systems

Feedback theory, Control system components, Response of Control Systems, Design of practical system.

4. Communication Systems

Basic Information Theory. Modulation and Detection processes. Various types of communication systems. Radio and line communications. Television and Radar. Navigational aids Satellite communication principles.

5. Microwave Engineering

Microwave Sources. Microwave Components and networks. Measurement at microwave frequencies. Microwave Communication Systems.

APPENDIX II**REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES**

[These regulations are published for the convenience of candidates and in order to enable them to ascertain the probability of their coming up to the required physical standard. The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners and a candidate who does not satisfy the minimum requirements prescribed in the regulations, cannot be declared fit by the medical examiners. However, while holding that a candidate is not fit according to the norms laid down in these regulations, it would be permissible for a Medical Board to recommend to the Government of India for reasons specifically recorded in writing that he may be admitted to service without disadvantage to Government.

2. It should, however, be clearly understood that the Government of India reserve to themselves absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board.]

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. Every candidate will be medically examined at Central Hospital Basant Lane, New Delhi on the next day of their personality test or on the date and place as decided by the Ministry of Railways (Railway Board) irrespective of the fact that he/she had appeared for such medical examination in the past and found fit or unfit on the basis of earlier examination. In case a candidate fails to report for medical examination on the stipulated date, he will not be considered for appointment and his candidature may be treated as closed.

3. (a) In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race, it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height, Weight and chest girth, the candidates should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not by the Board.

(b) However, for certain Services the minimum standards for height and chest girth, without which candidate cannot be accepted are as follows :—

Name of Services	Height	Chest girth fully expanded	Expansion
Railway Engineering Service (Civil, Electrical, Mechanical and Signal) and Central Engineering Service Group A and Central Electrical Engineering Service Group A in the C.P.W.D.			
(a) For Male candidates	152 cm.	84 cm.	5 cm.
(b) For Female candidates	150 cm.	79 cm.	5 cm.

The minimum height prescribed is relaxable in case of candidate belonging to Scheduled Tribes and to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese, Nagaland Tribes, etc. whose average height is distinctly lower.

(c) For the Indian Ordnance Factories Service Group A a minimum expansion of 5 centimetres will be required in the matter of measurement of the chest.

4. The candidate's height will be measured as follows :—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standards, the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetres to halves.

5. The Candidate's chest will be measured as follows :—

He will be made to stand erect with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the interior angles of the shoulders blades behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres, 83—89, 86—93.5 etc. In recording the measurements fraction of less than half a centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

6. The candidate will also be weighed and his weight recorded in kilogrammes. Fraction of a kilogram should not be noted.

7. The candidate's eye-sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded :—

(i) *General*.—The candidate's eyes will be submitted to a general examination directed to the detection of any disease or abnormality. The candidate will be rejected if he suffers from any morbid conditions of eye, eyelids or contiguous structure of such a sort as to render or are likely at future date to render him unfit for Service.

(ii) *Visual Acuity*.—The examination for determining the acuteness of vision includes two tests—one for distant the other for near vision. Each eye will be examined separately.

There shall be no limit for maximum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case as it will furnish the basic information in regard to the conditions of the eye.

The standards for distant and near vision with or without glasses shall be as follows :—

Service	Distant vision		Near Vision	
	Better eye (Cor- rected Vision)	Worse eye (Cor- rected Vision)	Better eye (Cor- rected Vision)	Worse eye (Cor- rected Vision)
1			2	3
A. Technical			4	5
1. Railway Engineering Service (Civil Electrical, Mechanical and Signal)				
2. Central Engineering Service Group A, Central Electrical and Mechanical Engineering Service Group A, Central Water Engineering Service Group A, Central Power Engineering Service Group A, Central Engineering Service (Roads) Group A and Indian Telephone Communication Service Group A Assistant Executive Engineer (Civil & Electrical) in P & T Building Works (Group 'A') Service, Post of Engineer, Group 'A' in	6/6	6/12	J/I	J/II
	6/9	6/9		

1	2	3	4	5
W.P. & C. Wing/ Monitoring Organisation, Ministry of Communications, Indian Broadcasting (Engineers) Service, Indian Naval Arma- ment Service, Indian Ordnance Factories Service Group A, Border Road En- gineering Service Group 'A' on Post of Assistant Develop- ment Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development.				
3. Military Engineer Services, Group 'A' Assistant Manager (Factories) Group—'A', P & T Telecommunication Factories Organisation.	6/6 6/9	6/18 6/9	J/I	J/II
B. Non-Technical				
4. Indian Railway Stores Service and Mechanical Engineer (Junior) Group 'A' Drilling Engineer (Jr.) Group A in G.S.I.	6/2	6/12	JII	JIII

NOTE 1

(a) In respect of the Technical Services mentioned at A above, the total amount of myopia (including the cylinder) shall not exceed—4.00 D. Total amount of Hypermetropia (including the cylinder) shall not exceed +4.00D.

Provided that in case a candidate in respect of the Services classified as "Technical" (other than the Services under the Ministry of Railways) is found unfit on grounds of high myopia the matter shall be referred to a special board of three Ophthalmologists to declare whether this myopia is Pathological or not. In case it is not pathological the candidate shall be declared fit provided he fulfills the visual requirements otherwise.

(b) In every case of myopia fundus examination should be carried out and the results recorded. In the event of any pathological condition being present which is likely to be progressive and affect the efficiency of the candidate, he shall be declared unfit.

NOTE (2)

The testing of colour vision shall be essential in respect of the Technical Services mentioned at A above except the Indian Telecommunication Service, Group A and Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development.

Colour perception should be graded into higher and lower grade depending upon the size of aperture in the lantern as described in the table below :

Grade	Higher Grade of colour perception	Lower grade of colour perception
1. Distance between the lamp and the candidate	16'	16'
2. Size of aperture	1.3 mm	1.3 mm
3. Time of exposures	5 seconds	5 seconds

For the Railway Engineering Services (Civil, Electrical, Signal and Mechanical) and other Services connected with the safety of the public, higher grade of colour vision is essential but for others lower grade of colour vision should be considered sufficient.

The categories of Service/posts which require higher or lower grade colour perception are as indicated below :—

Technical Services or posts requiring higher grade colour Perception

- (i) Railway Engineering Services.
- (ii) Military Engineering Services.
- (iii) Survey of India Group 'A' Service.
- (iv) Central Engineering Service (Roads).
- (v) Central Power Engineering Service.
- (vi) Assistant Manager (Factories) Group 'A' (P&T), Telecom, Factories Organisation.
- (vii) Border Roads Engineering Service, Group 'A'.

Technical Services or posts requiring lower grade colour Perception

- (i) Central Engineering Service.
- (ii) Central Electrical and Mechanical Engineering Service.
- (iii) Indian Naval Armament Service.
- (iv) Indian Ordnance Factory Service.
- (v) Central Water Engineering Service.
- (vi) Assistant Executive Engineer (Civil & Electrical) in P&T Buliding Works (Group 'A') Service.
- (vii) Junior Scale in Indian Broadcasting (Engineers) Service.
- (viii) Engineer Group 'A' in Wireless Planning and Co-ordination Wing/Monitoring Organisation.
- (ix) Assistant Engineer (Civil/Electrical) Group 'B' Civil Construction Wing in A.I.R.

Satisfactory colour vision constitutes recognition of signal red, green and white colours with ease and without hesitation. Both the Ishihara's plates and Edridges Green's lantern shall be used for testing colour vision.

NOTE (3) Field of vision.—The field of vision shall be tested in respect of all Services by the confrontation method. Where such test gives unsatisfactory or doubtful results the field of vision should be determined on the perimeter.

NOTE (4) Night Blindness.—Night blindness need not be tested as a routine, but only in special cases. No standard test for the testing of night blindness or dark adaption is prescribed. The Medical Board should be given the discretion to improvise such rough test e.g. recording of visual acuity with reduced illumination or by making the candidate recognise various objects in a darkened room after he has

been there for 20 to 30 minutes. Candidate's own statements should not always be relied upon, but they should be given due consideration.

NOTE (5) For Central Engineering Services the Candidates may be required to pass the colour vision test and undergo test for night blindness when considered necessary by the Medical Board. For Survey of India Group 'A' Service the candidate may be required to pass a 'stereoscopic fusion' test.

NOTE (6) Ocular conditions, other than visual acuity—

(a) Any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered as a disqualification.

(b) *Squint*.—For Technical Services mentioned at A above where the presence of binocular vision is essential, squint even if the visual acuity is of the prescribed standard should be considered as a disqualification. For other Services the presence of squint should not be considered as a disqualification, if the visual acuity is of the prescribed standard.

(c) If a person has one eye or if he has one eye which has normal vision and the other eye is amblyopic or has sub-normal vision, the usual effect is that the person lacks stereoscopic vision, i.e., perception of depth. Such vision is not necessary for many civil posts. The medical board may recommend as fit, such persons provided the normal eye has—

(i) 6/6 distant vision and J1 near vision with or without glasses provided the errors in any meridian is not more than 4 diopters for distant vision.

(ii) has full field of vision.

(iii) normal colour vision whether required.

Provided the board is satisfied that the candidate can perform all the functions for the particular job in question.

The above relaxed standard of visual acuity will NOT apply to candidates for Post 'Services classified as "TECHNICAL".

NOTE (7) Contact Lenses :—During the medical examination of a candidate, the use of contact lenses is not to be allowed.

NOTE (8) It is necessary that when conducting eye test the illumination of the type letters for distant vision should have an illumination of 15 foot candles.

NOTE (9) It shall be open to Government to relax any one of the conditions in favour of any candidate for special reasons.

8. Blood pressure.

The Board will use its discretion regarding Blood Pressure. A rough method of calculating normal, maximum, systolic pressure is as follows :—

(i) With young subjects 15-25 years of age the average is about 100 plus age.

(ii) With subject over 25 years of age general rule 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140 mm. and diastolic over 90 mm. should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalisation report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc. or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electro cardiographic examination of heart and blood urea clearance test should also be done as routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the Medical Board only.

Method of taking Blood Pressure

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient and particularly his arm is relaxed, he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be free from clother to the shoulder. The cuff completely deflated, should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm, and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to above 200 m.m. Hg and then slowly deflated. The level at which the column stand when soft successive sounds are heard represents the Systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level at which the wellheard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurements should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Re-checking, if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Sometimes as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level they may disappear as pressure falls and reappear at a still lower level. This 'Silent Gap' may cause error in reading).

9. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the results recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If, except for the glycosuria the Board finds the candidate conforms to the standards of medical fitness required they may pass the candidate "fit subject to the Glycosuria being non-diabetic" and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical specialist will carry out whatever examinations, clinical and laboratory he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion fit or unfit. The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain candidate for several days in hospital under strict supervision.

10. A woman candidate who as result of test is found to be pregnant of 12 weeks standing or over should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

11. The following additional points should be observed :—

(a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be got examined by the ear specialist : Provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid a candidate cannot be declared unfit on that account provided he/she has no progressive disease in the ear. This provision is not applicable in the case of Railway Services, other than Indian Railway Stores Services, the Military Engineer Services, the Indian Telecommunication Service Group A, Central Engineering Service Group A, Central Electrical Engineering Service Group A and the Border Roads Engineering Service Group 'A'. The following are the guidelines for the medical examining authority in this regard :—

1	2	3
(1) Marked or total deafness in one ear other being normal.	Fit for non-technical jobs if the deafness is upto 30 decibels in higher frequency.	
(2) Preceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid.	Fit for fit of both technical and non-technical jobs if the deafness is upto 30 decibels in higher frequency of both ears.	

1	2	3
(3) Perforation of tympanic membrane of Central or marginal type.		(i) One ear normal other ear perforation of tympanic membrane present—Temporarily unfit under improved Conditions of Ear Surgery a candidate with marginal or other Perforation in both ears should be given a chance by declaring him temporarily unfit and then he may be considered under 4(ii) below.
		(ii) Marginal or attic perforation in both ears—Unfit.
		(iii) Central Perforation both ears—Temporarily unfit.
(4) Ears with mastoid cavity subnormal hearing on one side/on both sides		(i) Either ear normal hearing other ear, Mastoid cavity—Fit for both, technical and non-technical jobs.
		(ii) Mastoid cavity of both sides—Unfit for technical jobs—Fit for non-technical jobs if hearing improves to 30 decibels in either ear with or without hearing aid.
(5) Persistantly discharging ear operated/unoperated		Temporarily Unfit for both technical and non-technical jobs.
(6) Chronic Inflammatory/allergic conditions of nose with or without bony deformities of nasal septum.		(i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases. (ii) If deviated nasal septum is present with Symptoms—Temporarily Unfit.
(7) Chronic Inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx.		(i) Chronic in inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx—Fit. (ii) Hoarseness of voice of severe degree if present then Temporarily Unfit.
(8) Benign or locally malignant tumours of the E.N.T.		(i) Benign Tumours—Temporarily Unfit. (ii) Malignant Tumours—Unfit.

1	2	3
(9) Otosclerosis		If the hearing is within 30 decibels after operation or with the help of hearing aid—Fit.
(10) Congenital defects of ear, nose or throat.		(i) If non-interfering with functions—Fit. (ii) Stuttering severe degree—Unfit.
(11) Nasal Poly....		Temporarily Unfit.
		(b) that his/her speech is without impediment; (c) that his/her teeth are in good order and he/she is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth) will be considered as sound; (d) that the chest is well formed and his chest expansion is sufficient; and that his heart and lungs are sound; (e) that there is no evidence of any abdominal disease; (f) that he is not ruptured; (g) that he does not suffer from hydrocele, varicose veins or piles; (h) that his limbs, hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all his joints; (i) that he does not suffer from any inveterate skin disease; (j) that there is no congenital malformation or defect; (k) that he does not bear traces of acute chronic disease pointing to an impaired constitution; (l) that he bears marks of efficient vaccination; (m) that he is free from communicable disease.

12. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs which may not be apparent by ordinary physical examination.

In case of doubt regarding health of a candidate the Chairman of the Medical Board may consult a suitable Hospital Specialist to decide the issue of fitness or unfitness of the candidate for Government Service e.g. if a candidate is suspected to be suffering from any mental defect or aberration; the Chairman of the Board may consult a Hospital psychiatrist/psychologist etc.

When any defect is found it must be noted in the Certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not, it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

13. The Candidates who desire to file an appeal against the decision of the Medical Board are required to deposit an appeal fee of Rs. 50/- in such a manner as may be prescribed by the Government of India. Ministry of Railways (Railway Board) in this behalf. This fee will be refundable only to those candidates who are declared fit by the Appellate Medical Board whereas in the case of others it will be forfeited. Alongwith appeal the candidates must submit a medical certificate by a registered doctor specifically mentioning that he is aware of the candidate having been declared unfit by a Medical Board. Candidates must have a copy of this certificate when they present themselves before the Medical Board. The appeals should be submitted within 21 days of the date of communication in which the decision of the first Medical Board is conveyed to the candidate; otherwise request for medical examination by an Appellate Medical Board will not be entertained. The medical examination by the Appellate Medical Board will be arranged only at candidate's own cost. No travelling allowance or daily allowance will be admissible for the journeys performed in connection with the medical examination of the Appellate Medical Board. Necessary action to arrange medical examination by the Appellate Medical Board will be taken by the Ministry of Railways (Railway Board) on receipt of appeals accompanied by the prescribed fee within the stipulated time.

14. The decision of the Appellate Medical Board will be final and no appeal shall lie against the same.

Medical Board's Report

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner :—

1. The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance of the age and length of service if any of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the Public Service who shall not satisfy.

Government or the appointing authority, as the case may be, that he has no disease constitutional affliction or bodily infirmity unfitting him or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves the future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and that rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which is only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

A lady doctor will be co-opted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In case where a candidate is declared unfit for appointment in the Government service the ground for rejection may be communicated to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In cases where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidates who are to be declared "Temporarily Unfit" the period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum. On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

The Medical re-examination shall be deemed to be part of the 1st Medical Examination and candidates may, if they so desire, appeal against its decision.

(a) Candidates statement and declaration

The candidate must make the Statement required below prior to his Medical Examination and must sign the declaration 'appended thereto'. This attention is specially directed to the warning contained in the Note below—

1. State your name in full (block letters)

.....
.....
.....

2. State your age and birth place

.....

2. (a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwali, Assamese, Nagaland Tribals etc. whose average height is distinctly lower? Answer 'Yes' or 'No' and if the answer is, 'Yes', state the name of the race.

3.(a) Have you ever had small-pox, intermittent or any other fever, enlargement or suppuration of glands, spitting of blood, asthma, heart disease, lung disease, fainting attacks, rheumatism, appendicitis?

(b) Any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment?

.....
.....
.....

4. Have you suffered from any form of nervousness due to over-work or any other cause?

.....
.....
.....

Furnish the following particulars concerning your family:—

Father's age if living and state of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living, their ages and state of health	No. of brothers dead, their ages at and cause of death
(1)	(2)	(3)	(4)
.....
.....
.....

Mother's age if living and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living, their ages and state of health	No. of sisters dead, their ages at and cause of death
(5)	(6)	(7)	(8)
.....
.....
.....

6. Have you been examined by a Medical Board before?

.....
.....

7. If answer to the above is Yes, please state what Service(s)/post(s) you were examined for?

8. Who was the examining authority?

9. When and where was the Medical Board held?

.....
.....
.....

10. Result of the Medical Board's examination, if communicated to you or if known

.....
.....

I declare all the above answers to be, to the best of my belief, true and correct.

Candidate's Signature.....

Signed in my presence

Signature of Chairman of the Board

Note—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed of forfeiting all claims to Superannuation Allowance or Gratuity.

(b) Report of the Medical Board on (name of candidate)
Physical examination.

1. General development
Good Fair Poor Nutrition :
Thin average Obese Height
(without shoes) weight Best Weight

When ? Any recent change in weight
temperature

Girth of chest :—

- (1) (After full inspiration)
- (2) (After full expiration)

2. Skin. Any obvious disease

3. Eyes

- (1) Any disease
- (2) Night Blindness
- (3) Defect in colour vision
- (4) Field of vision
- (5) Visual acuity
- (6) Fundus Examination

Acuity of vision	Naked eye	With glasses	SPh.	Strength of glasses	
				Cyl	Axix
Distant vision			R.E.		
Near vision			L.E.		
Hypermetropia (Manifest)			R.E.		
			I.E.		

4. Ears : Inspection

Hearing Right Ear
Left Ear

5. Glands Thyroid

6. Condition of teeth

7. Respiratory System: Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs.
.....
.....

If yes, explain fully

.....
.....

8. Circulatory system:

- (a) Heart: Any organic lesions
Rate Standing
- After hopping 25 times
- Two minutes after hopping

(b) blood Pressure: Systolic
Diastolic

9. Abdomen: Girth Tenderness

Hernia

(a) Palpable Liver Spleen

.....
.....

Kidneys

.....
.....

Tumours

(b) Haemorrhoids Fistula

10. Nervous System: Indication of nervous or mental disabilities

11. Loco-Motor System: Any abnormality

12. Genito Urinary System: Any evidence of Hydrocele, varicocele etc. Urine analysis :

- (a) Physical Appearance
- (b) Sp. Gr.
- (c) Albumen
- (d) Sugar
- (e) Casts
- (f) Cells

13. Report of X-Ray Examination of Chest

14. Is there anything in the health of candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the Service for which he is a candidate.

Note:—In the case of a female candidate, if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over, she should be declared temporarily unfit, *vide* Regulation 9.

15. For which Services has the candidate been examined and found in all respects qualified for the efficient and continuous discharge of his duties and for which of them is he considered unfit?

Is the candidate fit for Field Service ?

NOTE:—The Board should record their findings under one of the following categories:—

(i) Fit

(ii) Unfit on account of

President

Member

Place

Date

APPENDIX III

BRIEF PARTICULARS RELATING TO THE SERVICES/POSTS TO WHICH RECRUITMENT IS BEING MADE ON THE RESULTS OF THIS EXAMINATION.

1. INDIAN RAILWAY SERVICE OF ENGINEERS, INDIAN RAILWAY SERVICE OF ELECTRICAL ENGINEERS, INDIAN RAILWAY SERVICE OF SIGNAL ENGINEERS, INDIAN RAILWAY SERVICE OF MECHANICAL ENGINEERS AND INDIAN RAILWAY STORES SERVICE.

(a) Probation—Candidates recruited to these Services will be on probation for a period of three years during which they will undergo training for two years and put in a minimum of one year's probation in a working post if the period of training has to be extended in any case, due to the training having not been completed satisfactorily, the total period of probation will be correspondingly extended. Even if the work during the period of probation in the working post is found not to be satisfactory, the total period of probation will be extended as considered necessary by the Government.

(b) Training:—All the probationers will be required to undergo training for a period of two years in accordance with the prescribed training syllabus for the particular Service/post at such place and in such manner and pass such examinations during this period as the Government may determine from time to time.

(c) Termination of appointment:—(i) The appointment of probationers can be terminated by three month' notice in writing on either side during the period of probation. Such notice is not, however required in case of dismissal or removal as disciplinary measure after compliance with the provisions of claus (2) of Article 311 of the Constitution and compulsory retirement due to mental or physical incapacity. The Government, however, reserve the right to terminate the services forthwith.

(i) If in the opinion of the Government the work or conduct of a probationer is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith.

(ii) Failure to pass the departmental examination may result termination of services. Failure to pass the examination in Hindi of an approved standard within the period of probation shall be liable to termination of services.

(d) Confirmation:—On the satisfactory completion of the period of probation and on passing all the prescribed departmental and Hindi examinations, the probationers will be confirmed in the Junior Scale of the Service if they are considered fit for appointment in all respects.

(e) Scales of pay:—

- (i) Junior Scale—Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.
- (ii) Senior Scale—Rs. 3000-100-3500-125-4500.
- (iii) Junior Administrative Grade II—Rs. 3700-125-4700-150-5000.
- (iv) Senior Administrative Grade II—Rs. 5900-200-6700.

In addition there are supertime scale posts carrying pay between Rs. 5900/- and Rs. 8000/- to which the officers of the above Services are eligible.

A probationer will start on the minimum of Junior Scale and will be permitted to count the period spent in probation towards leave, pension and increments in time scale.

Dearness and other allowances will be admissible in accordance with the orders issued by the Government of India from time to time.

Failure to pass the departmental and other examinations during the period of probation may result in stoppage or postponement of increments.

(f) Refund of the cost training:—If for any reasons which in the opinion of the Government, are not beyond the control of the probationer, a probationer wishes to withdraw from the training or probation, he shall be liable to refund the whole cost of his training and any other money paid to him during the period of his probation. For this purpose probationers will be required to furnish a Bond a copy of which will be enclosed alongwith their offers of appointment. The probationers permitted to apply for examination for appointment to Indian Administrative Service, Indian Foreign Service etc. will not however, be required to refund the cost of the training.

(g) Leave:—Officers of the Service will be eligible for leave in accordance with the Leave Rules in force from time to time.

(h) Medical Attendance:—Officers will be eligible for medical attendance and treatment in accordance with the Rules in force from time to time.

(i) Passes and Privilege Ticket Orders:—Officers will be eligible for free Railway Passes and Privilege Ticket Orders in accordance with the Rules in force from time to time.

(j) Provident Fund and Pensions:—Candidates recruited to the Services will be governed by the Railway Pension Rules and shall subscribe to the State Railway Provident Fund (Non-contributory) under the rules of that Fund as in force from time to time.

(k) Candidates recruited to the Services/Posts are liable to serve in any Railway or Project in or out of India.

(l) Liability to serve in Defence Service:—The probationers appointed shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of

India for a period of not less than four years including the period spent on training if any:—

(a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.

(b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

2. CENTRAL ENGINEERING SERVICE GROUP A AND CENTRAL ELECTRICAL AND MECHANICAL ENGINEERING SERVICE GROUP A.

(a) The selected candidates will be appointed on probation for two years. They would be required to pass the prescribed departmental examination during the period of probation. On satisfactory completion of their probation they would be considered for confirmation or continuance in their appointment if permanent posts are available. Government may extend the period of probation of two years.

If on the expiration of the period of probation or of any extension thereof, Government are of opinion that the officer is not fit for permanent employment/retention or if at any time during such period of probation or extension, they are satisfied that the officer will not be fit for permanent appointment/retention on the expiration of such period or extension they may discharge the officer or pass such order as they think fit.

(b) As things stand at present, all officers appointed to Central Engineering Services Group 'A' are eligible for promotion to the next higher grade viz., Executive Engineer after completion of five years service in the grade of Assistant Executive Engineer, subject to availability of vacancies and on condition that they are otherwise found fit for such promotion.

(c) Any person appointed on the results of this competitive examination shall, if so required be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any :

Provided that such person :—

(i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.

(ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(d) The following are the rates of pay admissible :—

(i) J.T.S. (A.E.E.) Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.

(ii) S.T.S. (E.E.) Rs. 3000-100-3500-125-4500.

(iii) Junior Administrative Grade (S.E.).

(a) Ordinary Grade Rs. 3700-125-4700-150-5000.

(b) Selection Grade Rs. 4500-150-5700.

(iv) Senior Administrative Grade (C.E.) Rs. 5900-200-6700.

(v) Super time Scale.

Additional D.G. Rs. 7300—7600—These Posts are common to D.G.(W) Rs. 8900. fixed all the three disciplines i.e. Civil, Electrical and Mechanical and Architectural.

Note—The pay of a Government servant who held a permanent posts other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as probationer will be regulated subject to the provision of F.R. 22-B(I).

(e) Nature of duties and responsibilities attached to the posts in Central Engineering Service (Group A) and Central Electrical & Mechanical Engineering Service (Group A).

(i) Central Engineering Service Group A

Candidates recruited to this Service through Engineering Services Examination are employed in the Central Public Works Department on Planning, Designing, Construction and Maintenance of various civil works (of Central Government) comprising residential buildings, office buildings, institutional and research centres, industrial buildings, hospitals and development schemes, aerodromes, highways and bridges etc. The candidates start their service in the Department as Assistant Executive Engineers and in the course of their services are promoted to various senior ranks in the Department.

(ii) Central Electrical and Mechanical Engineering Service Group A

Candidates recruited to this Service through Engineering Services Examination are employed in the Central Public Works Department on Planning Designing, Construction and Maintenance of electrical components of various civil works (of Central Government) comprising of electrical installations, electric substations and power houses, air-conditioning and refrigeration, runway lighting of aerodromes, operation of mechanical workshops, procurement and upkeep of construction machinery etc. The candidates start their service in the Department as Assistant Executive Engineers (Electrical) and in the course of their service are promoted to various senior ranks in the Department.

3. MILITARY ENGINEER SERVICE GROUP A

(a) The selected candidates will be appointed on probation for a period of two years. A probationer during his probationary period may be required to pass such departmental and language tests as Government may prescribe. If in the opinion of Government the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient or if the probationer fails to pass the prescribed tests during the period Government may discharge him. On the conclusion of the period of probation, Government may confirm the officer in his appointment or if, his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, Government may either discharge him or extend the period of probation for such further periods as Government may consider fit.

Probationers will be required to pass the MES Procedure Suppts. (B/R & E/M) Grade I Examination and Hindi Test during their probationary period of two years. The standard for Hindi Test should be "PRAGYA" (equivalent to Matriculation standard).

(b) (i) The selected candidates shall if so required be liable to serve as commissioned officers in the Armed Forces for a period of not less than 4 years including the period spent on training, if any;

Provided that such a candidate—

(i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.

(ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(ii) The candidates shall also be subject to Civilian in Defence Service (Field Liability) Rules of 1957 published under S.R.O. No. 92, dated 9th March 1957. They will be medically examined in accordance with the medical standard laid down therein.

(c) the following are the rates of pay :—

a) Assistant Executive Engineer Assistant Surveyor of Works—2200-75-2800-FB-100-4000

b) Executive Engineer Surveyor of Works—3000-100-3500-125-4500

c) Superintending Engineer (Ordinary Grade) Superintending Surveyor of Works (Ordinary Grade).—3700-125-4700-150-5000

d) Superintending Engineer (Selection Grade) Superintending Surveyor of Works (Selection Grade) 4500-150-5700.

(e) Deputy Chief Engineer—3700-125-4700-150-5000.

(f) Chief Engineer (Level II) Chief Surveyor of Works (Level II)—3100-150-5700.

(g) Chief Engineer (Level I) Chief Surveyor of Works (Level I)—5900-200-6700.

4. INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE GROUP A

(a) Selected candidates will be appointed on probation for a period of 2 years. The period of probation may be reduced or extended by the Government on the recommendation of Director General, Ordnance Factories/Chairman, O.F. Board. Probationer will undergo such practical training as shall be provided by the Government and may be required to pass such departmental and language tests as Government may prescribe. The language test will be a test in Hindi.

On the conclusion of his period of probation Government will confirm the officer in his appointment. If, however, during or at the end of the period of probation his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory Government may either discharge him or extend his period of probation for such period as Government may think fit.

(b) (i) Selected candidates shall if so required be liable to serve as Commissioned Officers in the Armed Forces for a period of not less than four years including the period spent on training if any provided that such persons (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment and (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(ii) The candidate shall also be subject to Civilian in Defence Service (Field Liability) Rules, 1957, published under S.R.O. No. 92, dated 9th March, 1957. They will be medically examined in accordance with the medical standard laid down therein.

(c) The following are the Scales of Pay admissible :—

Jr. Time Scale Rs. 2200-75-2800-FB-100-4000.

Sr. Time Scale Rs. 3000-100-3500-125-4500.

Jr. Admin. Grade (O.G.) Rs. 3700-125-4700-150-5000

Jr. Admin. Grade (S.G.) Rs. 4500-150-5700.

Sr. Admin. Grade Rs. 5900-200-6700.

Sr. General Manager	Rs. 7300-100-76000.
Addl. DGOF/Member, OFB	7300-200-7500-250-8000.
DGOF/Chairman OFB	Rs. 8000

Note :—The Pay of Government servant who held a permanent post, other than a tenure post in substantive capacity prior to his appointment as a probationer will be regulated subject to the provisions of Ministry of Defence O.M. No. 15(6)/64/D(Appts.) 1051/D (Civ-1) dated the 23th November, 1965 as amended from time to time.

(d) Probationers are required to undergo Foundational course at Musoorie/Nagpur.

(e) A probatiner so recruited shall have to execute a bond before joining the service.

5. INDIAN TELECOMMUNICATIONS SERVICE GROUP A

(a) Appointments will be made on probation for a period of two years. If in the opinion of Government, the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory, or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith. On the conclusion of his period of probation, Government may confirm the officer in his appointment or if his work or conduct has in the opinion of the Government been unsatisfactory, Government may either discharge him from the service or may extend his period of probation for such further period as the Government may think fit.

Officer will be required to pass any departmental examination or examination that may be prescribed during the period of probation. They will also be required to pass a test in Hindi before confirmation.

(b) Officers will be also be required to pass professional and language test.

(c) Any person appointed on the results of his competitive examination shall if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training if any :

Provided that such person :—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

- (d) The following are the scales of pay admissible :—
 - (i) Junior Time Scale : Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.
 - (ii) Senior Time Scale : Rs. 3000-100-3500-125-4500.
 - (iii) Junior Administrative Grade : Rs. 3700-125-4700-150-5000.
 - (iv) Selection Grade JAG : Rs. 4500-150-5700.
 - (v) Senior Administrative Grade : Rs. 5900-200-6700.
 - (vi) C. G. M. Grade : Rs. 7300-100-7600.
 - (vii) Advisers Grade : Rs. 7300-200-7500-250-8000.

- (viii) The Officers shall also be eligible for consideration for the posts of Members of the Telecom. Commission which is equivalent to secretary to Govt. of India—Rs. 8000/-.

Note :—The pay of a Government Servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer will be regulated subject to the provision of F.R. 22-B(I).

In case the substantive pay is or exceeds Rs. 2350 an officer in the Junior Scale of Indian Telecommunications Service, Group A will not draw any increment till he passes the departmental examinations.

(e) Nature of duties and responsibilities attached to the post in the Indian Telecommunication Service (Group A).

Assistant Divisional Engineer.

Assistant Divisional Engineers will be Incharge of a Telegraphs/Telephones Engineering Sub-Division, Incharge of Carrier VFT Coaxial Microwave, Long Distance, Electrical and Wireless and will work generally under a Divisional Engineer. They may also attend to Project Organisation to carry out installation/construction job of various Telecommunication work.

Divisional Engineer

Divisional Engineers are placed Incharge of Telegraphs/ Telephones Engineering Division including Long Distance Coaxial, Microwave maintenance Division and Wireless Divisions. They will be fully responsible for the maintenance of the Telegraphs and Telephones equipments in their charge and will also execute work within their Division. When Divisional Engineers are attached to Project Organisations they will be required to do construction/installation job in the unit.

Junior Administrative Grade

Responsible for administration of Telecommunication assets in the Telecommunication Circles and Telephones Districts and administration and Planning of Telecommunication installations research and development in Telecommunication system etc. Overall incharge of management and administration of Minor Telephone District, Telecommunication Circuits etc.

Senior Administrative Grade

Head of Telecommunications Circle/Telephone District/ Project Circle/Telecommunication Maintenance Region responsible for the overall management and administration of his charge. General Managers Telecom Commission provides the top level assistance to the Telecom Commission in framing policy and in overall administration. Chief General Manager Telecom Engineering Centre and General Manager, Telecom Engineering Centre are responsible for overall research activities of the Telecommunication/Engineering Centre.

6. CENTRAL WATER ENGINEERING (GROUP A) SERVICE

(i) Persons recruited to the post of Assistant Director/ Assistant Executive Engineer in the Central Water Commission shall be on probation for a period of two years.

Provided that the Government may, where necessary, extend the said period of two years for a further period not exceeding one year.

If on the expiration of the period of probation referred to above or any extension thereof as the case may be, the Government are of the opinion that a candidate is not fit for permanent appointment or if at any time during such period of probation or extension they are satisfied that he will not be fit for permanent appointment on the expiration of such period of probation or extension, they may discharge or revert him to his substantive post or pass such order as they think fit.

During the period of probation the candidates may be required by the Government to undergo such course of training and instructions and to pass such examination and tests as it may think fit as a condition to satisfactory completion of probation.

(ii) Any person appointed on the result of this competitive examination shall, if so required, be liable to serve in any Defence Services or post connected with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training, if any :

Provided that such person :

(a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;

(b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(iii) *The officers appointed to the post of Assistant Director/ Assistant Executive Engineer can look forward for promotion in higher grade of Deputy Director/Executive Engineer/ Superintending Engineer/Director (Ordinary Grade)/Director/*

Superintending Engineer (Selection Grade)/Chief Engineer/ Member/Chairman, CWC after fulfilling the prescribed conditions.

(iv) The scales of pay for Group 'A' Engineering post in Central Water Commission are as follows :—

(Civil and Mechanical Posts in the Central Water Commission).

1. Assistant Director/ Assistant Executive Engineer	Rs. 2200-75-2800-EB- 100-4000.
2. Deputy Director/ Executive Engineer	Rs. 3000-100-3500-125- 4500.
3. Superintending Engineer/Director (Ordinary Grade)	Rs. 3700-125-4700-150- 5000.
4. Director/Superintending Engineer (Selection Grade)	Rs. 4500-150-5700.
5. Chief Engineer	Rs. 5900-200-6700.
6. Member, CWC/ Chairman GFCC	Rs. 7300-100-7600.
7. Chairman, CWC	Rs. 8000 (fixed)

(v) Nature of duties and responsibilities attached to the posts in the Central Water Engineering (Group A) Service.

Assistant Director (Civil and Mechanical)

Planning, Surveys, investigation and design of projects including preparation of estimates, reports etc., for the conservation and regulation of water resources for the development of irrigation, navigation, power, domestic water supply, flood control and other purposes.

Assistant Executive Engineer (Civil and Mechanical)

Responsible for the Sub-Division or other units of works allotted to him. He is required to maintain accounts records of irrigation, navigation, power, domestic water supply, flood with certain accompaniments for each work in progress in the Sub-Division. He is responsible for the correct maintenance of measurement books, muster rolls and other records under his charge in accordance with the prescribed rules, etc.

7. CENTRAL POWER ENGINEERING (GROUP A) SERVICE***(i) Description of the Organisation***

The Central Electricity Authority was constituted under Section 3(1) of the Electricity (Supply) Act, 1948, and is vested with the responsibility to develop a strong adequate and uniform national Power Policy to co-ordinate the activities of the Planning agencies in relation to the control and utilization of the National Power resources. All the Power Schemes (Generation, Transmission Distribution and Utilisation of Power Supply) in the country are scrutinised in the Central Electricity Authority in respect of feasibility technical analysis, economic viability, etc. to ensure that the schemes would fit into the overall development of the States as well as the Region and will conform the overall context of National Economy. The organisation occupies pivotal position in the development of national economy power providing its main motive force.

(ii) Description of the grade to which the recruitment is made through the Combined Engineering Services Examination held by the Union Public Service Commission.

Fifty per cent of vacancies in the grade of Assistant Director (Grade-I)/Assistant Executive Engineer in the scale of Rs. 2200-4000/- are filled by direct recruitment on the results of the Combined Engineering Services Examination held by the Union Public Service Commission annually.

Persons appointed to the posts of Assistant Director (Grade-I)/Assistant Executive Engineer of the Central Power Engineering (Group A) shall be on probation for a period of two years provided that the Government may, where necessary extend the said period of two years for a further period not exceeding one year.

If on the expiration of the period of probation referred to above or any extension thereof, as the case may be, the Government are of the opinion that a candidate is not fit for permanent appointment or if at any time during such period of probation or extension, they are satisfied that he will not be fit for permanent appointment on the expiration of such period of probation or extension, they may discharge or revert him to his substantive post or pass such order as they think fit.

During the period of probation, the candidates may be required by the Government to undergo such courses of training and instruction and to pass such examination and tests as it may think fit as a condition to satisfactory completion of probation.

Any person appointed on the results of this competitive examination shall if so required, be liable to serve in any Defence Services or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any, provided that such person—

(a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;

(b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(iii) Promotion to higher grades

The officers appointed to the posts of Assistant Director (Grade I)/Assistant Executive Engineers are eligible for promotion to higher grade viz. Deputy Director/Executive Engineer/Director/Superintending Engineer (Ordinary Grade); Director/Superintending Engineer (Selection Grade) the Chief Engineer subject to availability of vacancies in the grades concerned, after fulfilling the conditions laid down in the Central Power Engineering (Group A) Service Rules, 1990 as amended from time to time.

(iv) Scale of pay

The scale of pay for the posts of Central Power Engineering (Group A) Services in the Central Electricity Authority are as follows :—

Electrical, Mechanical and Tele-communication posts in the Central Electricity Authority :—

Name of the Post	Pay Scale
1. Assistant Director (Grade-I)/ Assistant Ex-Engineer	Rs. 2200-75-2800-EB-100- 4000.
2. Dy. Director/ Ex-Engineer	Rs. 3000-100-3500-EB-125- 4500.
3. Director/Supd. Engineer (Ordinary Grade)	Rs. 3700-125-4700-EB-150- 5000.
4. Director/Sup. Engineer (Selection Grade)	Rs. 4500-150-5700.
5. Chief Engineer/ Member Secretary	Rs. 5900-200-6700

(v) Duties and responsibilities

Nature of duties and responsibilities attached to the posts of Assistant Director (Grade I)/Assistant Executive Engineer are :—

Collection, compilation and co-relation of technical data required for dealing with various types of problems in the fields of power development. He is also required to deal with cases and handle matters in relation thereto including erection; operation, maintenance of Hydro and Thermal Power Projects as well as Transmission and Distribution/Power Systems, studying project reports, providing assistance in preparation of power plans, designs or projects etc. While working in field Units, he is responsible for the Sub-Division or other works allotted to him.

8. POSTS IN THE GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA—

Persons recruited to the posts of Drilling Engineer (Junior) and Mechanical Engineer (Junior) (Group A posts) in the Geological Survey of India in a temporary capacity will be on probation for a period of two years. Retention in service for a further period over two years will depend on assessment of their work during the period of probation. This period may be extended at the discretion of the Government. They will receive pay in the time scale of Rs. 2200-75-2500-EB-100-4000/. On completion of their period of probation satisfactorily, if they are considered fit for permanent appointment they will be considered for confirmation according to rules subject to the availability of substantive vacancies.

The persons appointed to the posts of Drilling Engineer (Junior) and Mechanical Engineer (Junior) in the Geological Survey of India, shall, if so required to liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period of training, if any—

Provided that such a person :—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment as Drilling Engineer (Junior) or Mechanical Engineer (Junior) Geological Survey of India, and
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

The following is the field of promotion open to those found fit according to the rules instructions on the subject :—

A—For Drilling Engineer (Junior) Group 'A'—Rs. 2200-75-2500-EB-100-4000/-.

- (i) Drilling Engineer (Senior)—Rs. 3000-100-3500-125-4500/-.
 - (ii) Director (Drilling)—Rs. 3700-125-4700-150-5000/-.
 - (iii) Deputy Director General (Engineering Services)---Rs. 5900-200-6700/-.
 - (iv) Sr. Deputy Director General—Rs. 7300-100-7600/-.
- B**—For Mechanical Engineer (Junior Group A)—Rs. 2200-75-2500-EB-100-400/-.
- (i) Mechanical Engineer (Senior)... Rs. 3000-100-3500-125-4500/-.
 - (ii) Director (Mechanical Engineering)—Rs. 3700-125-4700-150-5000/-.
 - (iii) Deputy Director General (Engineering Services)---Rs. 5900-200-6700/-.
 - (iv) Sr. Deputy Director General—Rs. 7300-100-7600/-.

The Officers recruited in the Geological Survey of India will be required to serve anywhere in India or outside the country.

NOTE :—The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as probationers will be regulated subject to the provisions of F.R. 22-B(I).

Nature of duties & responsibilities attached to the posts in Geological Survey of India Mechanical Engineer (Junior)

Maintenance & repairs of drills, vehicles & other equipment, allotment of drivers & vehicles for various field duties and assignment, scrutiny and maintenance of P.O.L. issues and records, log books, history sheets etc. Fabrication and Manufacturing of Drilling & Scientific accessories.

Drilling Engineer (Junior)

Carrying out drilling operation in connection with mineral exploration with one or more drilling rigs, ensuring optimum percentage of core recovery, upkeep of machinery and vehicles deployed in good order security of Government Stores and imprest placed at his disposal, maintenance of stores and cash accounts and looking after the welfare of staff employed under him.

9. ENGINEERS (GROUP A) IN THE WIRELESS PLANNING AND COORDINATION WING/MONITORING ORGANISATION, MINISTRY OF COMMUNICATIONS (DEPARTMENT OF TELE-COMMUNICATIONS).

(a) Scale of pay Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000/-.

((b)) The incumbent of the post of Engineer is eligible for promotion against 100% of the vacancies in the grade of Assistant Wireless Adviser, Wireless Planning and Coordination Wing/Engineer-in-Charge, Monitoring Organisation (Scale of Pay Rs. 3000-100-3500-125-4500/- plus Rs. 200/- per month as special pay for the post of Assistant Wireless Adviser) after putting in five years service in the grade. Promotion to the grade of Assistant Wireless Adviser/Engineer-in-Charge will be on the basis of their selection on the recommendations of the Departmental Promotion Committee as constituted for Group A posts.

All Assistant Wireless Adviser and Engineer-in-Charge with 5 years service in the Grade of Assistant Wireless Adviser/Engineering-in-Charge are eligible for being considered for promotion as Deputy Wireless Adviser/Deputy Director (Scale Rs. 3700-125-4700-150-5000/-). The vacancies in the grade of Deputy Wireless Adviser/Deputy Director are filled 100% by promotion on the basis of selection on the recommendations, of the DPC as constituted for Group A posts.

The requirements for promotion to next higher grade, as laid down above, are those of minimum eligibility and that promotion in the grade concerned will take place subject to availability of vacancies only.

((c)) The person appointed to the post of Engineer is liable to be posted anywhere in India.

((d)) Any person appointed to the post of Engineer shall if so required be liable to serve in any Defence service or post connected with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training if any.

Provided that such a person :—

- (i) Shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;
- (ii) Shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

((e)) Nature of Duties and Responsibilities Attached to the Posts.

- (i) Supervision guidance and training of staff in the differnt units of the WPC Wing/Wireless Monitoring Organisation.
- (ii) Installation, calibration, testing and maintenance of various categories of electronic equipment, maintenance and ancillaries employed in radio frequency monitoring, covering the entire radio frequency spectrum and various types of commissions.

- (iii) Licensing and inspection of wireless installations of the various user departments/organisations for different types of the radio communication services
- (iv) All aspects relating to national and international co-ordination for the use of radio frequency spectrum and geostationary satellite orbit, including preparation of allocation plans, establishment of relevant technical standards, type-approval of equipment, studies of electromagnetic interference compatibility etc.
- (v) Administration of Internal Radio Regulations including formulation and implementation of corresponding national rules and regulations.
- (vi) Conducting of examination for Certificate of Proficiency/Radio Armatures etc. and issuing of respective licences.
- (vii) Research and development work relevant to radio frequency management and monitoring.
- (viii) National level preparation for the conference and meeting of International Telecommunication Union, and as appropriate, of other international/regional organisations dealing with telecommunications.

10. CENTRAL ENGINEERING SERVICE (ROADS), GROUP A

(a) The selected candidates will be appointed as Assistant Executive Engineer on probation for two years. On the completion of the period of probation, if they are considered fit for permanent appointments, they will be confirmed as Assistant Executive Engineer if permanent vacancies are available. The Government may extend the period of probation of two years.

If on the expiration of the period of probation or of any extension thereof, Government are of the opinion that an Assistant Executive Engineer is not fit for permanent employment or if at any time during such period of probation or extension they are satisfied that an Assistant Executive Engineer will not be fit for permanent appointment on the expiration of such periods of extension, they may discharge the Assistant Executive Engineer or pass such orders as they think fit.

The officers will also be required to pass a test in Hindi before confirmation.

(b) Any person appointed on the results of this competitive examination shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training, if any.

Provided that such person—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

- (c) The following are the scale of pay admissible:
 - Assistant Executive Engineer Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000/-.
 - Executive Engineers Rs. 3000-100-3500-125-4500/-.
 - Superintending Engineer Rs. 3700-125-4700-150-5000/-.
 - Superintending Engineer (Selection Grade) Rs. 4500-150-5700/-.
 - Chief Engineer Rs. 5900-200-6700/-.
 - Additional Director General (Road/Bridges) Rs. 7300-100-7600/-.
 - Director General (Roads Development) and Additional Secretary Rs. 7300-200-7500-250-8000/-.

NOTE : The pay of Government Servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer in the Central Engineering Services, Group A/Group B will be regulated subject to the provision of F.R. 22-B(1).

- (d) Nature of duties and responsibilities attached to the post in Central Engineering Service (Roads) Group A.

(i) Civil Engineering Posts :—

To assist the Senior Technical Officers at Hqrs. and in the Regional Offices etc., of the Roads Wing, Ministry of Surface Transport in planning, preparing designs and estimates of Roads/Bridge work and scrutiny of proposals for such work received from the States.

(ii) Mechanical Engineering Posts :—

To assist the Senior Technical Officers at Hqrs., and in the Regional Offices etc., of the Roads Wing, Ministry of Surface Transport in planning, procurement, operation and maintenance of Roads/Bridges construction equipments, to prepare estimates for repairs and maintenance of such equipments and scrutiny of proposals and estimates received from the States.

11. INDIAN BROADCASTING (ENGINEERS) SERVICE, MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING,

(a) Every officer on appointment to the Service either by direct recruitment or by promotion in Junior scale shall be on probation for a period of two years.

(i) Provided that the Controlling Authority may extend or curtail the period of probation in accordance with the instructions issued by Government from time to time.

(ii) Provided further that any decision for Extension of a probation period shall be taken within eight weeks after the expiry of the previous probationary period and communicated in writing to the concerned officer together with the reasons for so doing with the said period.

(iii) On completion of the period of probation or any extension thereof Officers shall, if considered fit for permanent appointment, be retained in their appointments on regular basis and be confirmed in due course against the available substantive vacancies, as the case may be.

(iv) If, during the period of probation or any extension thereof, as the case may be Govt. is of opinion that an officer is not fit for permanent appointment in Government it may discharge or revert the candidate to the post held by him prior to his appointment in the Service, as the case may be or pass such orders as they deem fit.

(v) During the period of probation or any extension thereof candidates may be required by Government to undergo such course of training and instructions and to pass such examinations and tests (including examination in Hindi) as Govt. may deem fit, as a condition to satisfactory completion of the probation.

(b) *Appointment to the Service.*—All appointments to the service shall be made by the Controlling Authority for all the posts in various grades of the Service whether in 'Akashan' or in 'Doordarshan'.

(c) Liability for service in any part of India and other conditions of service :—

(I) Officers appointed to the Service shall be liable to serve anywhere in India or outside.

(II) Any officer appointed to the Service, if so required, shall be liable to serve in any Defence Service or a post connected with the defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training if any, provided that such officers :—

(i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of 10 years from the date of his appointment to the Service or from the date of his joining prior to the initial constitution of the Services.

(ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid if he has attained the age of 40 years.

(d) The conditions of service of the members of the Service in respect of matters for which no provision is made in these rules shall be the same as are applicable from time to time to officers of Central Civil Services in general.

The following are the scales of pay admissible :—

1. Junior Scale	Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000
2. Senior Scale	Rs. 3000-100-3500-125-4500
3. Junior Administrative Grade	Rs. 3700-125-4700-150-5000
4. Junior Administrative Grade (Selection Grade)	Rs. 4500-150-5700
5. Senior Administrative Grade	Rs. 5900-200-6700
6. Engineer-in-Chief	Rs. 7300-100-7600

Nature of Duties and responsibilities attached to the Post of Junior Scale of Indian Broadcasting (Engineers) Service (Group 'A'): Designs, installation, operation and maintenance of Broadcast and TV studios and transmitters. Responsibility for the supervision of the work of subordinate Engineers.

12. INDIAN NAVAL ARMAMENT SERVICE

(a) Candidates selected for appointment to the service will be appointed as probationers for a period of two years which period may be extended at the discretion of the competent authority. Failure to complete the probation to the satisfaction of the competent authority will render them liable to discharge from service.

(b) The appointment can be terminated at any time by giving the required period of notice (one month in the case of temporary appointment and three months in the case of permanent appointment by competent authority). The Government, however, reserves the right of terminating services of the appointees forthwith or before the expiry of the stipulated period of notice by making payment of a sum equivalent to pay and allowances for the period of notice or the unexpired portion thereof.

(c) They will be subject to terms and conditions of Service as applicable to Civilian Government Servants paid from the Defence Services Estimates in accordance with the orders issued by the Government of India from time to time. They will be subjected to Field Service Liability Rules 1957 as amended from time to time.

(d) They will be liable for transfer anywhere in India or abroad.

(e) Scale of pay and classification—Group A Gazetted.

(i) Deputy Armament Supply Officer, Grade-II—Rs. 2200—75—2800—EB—100—4000.

(ii) Deputy Armament Supply Officer, Grade-I—Rs. 3000—100—3500—125—4500.

(iii) Naval Armament Supply Officer (Ordinary Grade)—Rs. 3700—125—4700—150—5000.

(iv) Naval Armament Supply Officer (Selection Grade)—Rs. 4500—150—5700.

(v) Director of Armament Supply—Rs. 5900—200—6700.

(f) Prospects of Promotion to higher grades :—

(i) Deputy Armament Supply Officer, Grade I DASOs Grade II with 5 years service are eligible for promotion to the grade of DASO Grade I in the scale of pay of Rs. 3000—4500/- on the basis of selection on the recommendations of DPC provided that only those officers will be considered for promotion who have passed the departmental examination which may be held after technical training course or the Naval Technical Staff Officers Course at the I.A.T., Kirkee.

(ii) Naval Armament Supply Officer (Ordinary Grade).

Deputy Armament Supply Officer, Grade I with 5 years' service as such are eligible for promotion to the grade of Naval Armament Supply Officer (Ordinary Grade) in the pay scale of Rs. 3700—5000 on the basis of selection to be made by the appropriate DPC.

(iii) Naval Armament Supply Officer (Selection Grade).

Naval Armament Supply Officer (Ordinary Grade) with 5 years' service as such are eligible for promotion to the grade of Naval Armament Supply Officer (Selection Grade in the pay scale of Rs. 4500—5700) on the basis of selection to be made by the appropriate DPC.

(iv) Director of Armament Supply.

Naval Armament Supply Officer (Selection Grade) with 3 years' service in the grade(s) are eligible for promotion to the grade of Director of Armament Supply in the pay scale of Rs. 5900—6700 on the basis of selection to be made by the appropriate DPC.

The requirements for promotion to next higher grade, as laid down above, are those of minimum eligibility and that promotion in the grade concerned will take place subject to availability of vacancies only.

NOTE : The pay of the Government servant who held a permanent post other than a tenure post in to substantive capacity immediately prior to his appointment as a probationer may be regulated subject to the provision of F.R. 22B(I) and the Corresponding article in CSR applicable to probationer in the Indian Navy.

(g) Nature of duties and responsibilities attached to the post of Deputy Armament Supply Officer Grade II in the Indian Navy, Ministry of Defence.

(i) Production, planning and direction of work relating to repair, modification and maintenance of armaments, incorporating various mechanical, electronics and electrical devices and system production and productivity.

(ii) Provision of machinery, electronic and electrical equipment for repair, maintenance and overhaul.

(iii) Development work to establish import substitutes, preparation of indigenous design specifications.

(iv) Providing of mechanical, electronics and electrical spare for armaments.

(v) Periodical calibration testing/examination of sub-assemblies and assemblies of mechanical electronics and electrical items of armaments (missiles, torpedos, mines and guns) measuring instruments etc.

(vi) Providing logistic support in respect of armament stores to fleet and Naval Establishments.

(vii) Rendition of technical advice to the service in all matters relating to mechanical, electronic and electrical engineering in respect of armaments.

13. ASSISTANT EXECUTIVE ENGINEER IN THE BUILDING WORKS (GROUP 'A') SERVICE

(a) The candidates will be appointed on probation for a period of two years. They will be required to undergo training as prescribed. If in the opinion of Government, the work or conduct of an officer appointed on probation is unsatisfactory, or shows that he is unlikely to become efficient Government may discharge him forthwith. On the conclusion of his period of probation Government may confirm the officer in his appointment if his work or conduct has in the opinion of the Government been unsatisfactory, Government may, either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period as the Government may think fit.

Officers will be required to pass the departmental examination or examinations that may be prescribed during the period of probation. They will also be required to pass a test in Hindi.

(b) An officer appointed on the results of this competitive examination shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any.

Provided that such persons—

(i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.

(ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(c) The following are the scales of pay admissible :—

Group A

(i) Assistant Executive Engineer (Civil/Electrical) Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.

(ii) Executive Engineer/Surveyor of Works (Civil/Electrical) Rs. 3000-100-3500-125-4500.

- (iii) Superintending Engineer/Superintending Surveyor of Works (Civil/Electrical) Rs. 3700-125-4700-150-5000.
- (iv) Superintending Engineer/Superintending Surveyor of Works (Civil/Electrical) (Selection Grade) Rs. 4500-150-5700.
- (v) Civil Engineer (Civil/Electrical) (Senior Administrative Grade) Rs. 5900-200-6700.
- (vi) Senior Deputy Director General (Building Works) Rs. 7300-100-7600.

(d) Nature of duties and responsibilities attached to the post in P&T Civil Wing are as follows:—

Candidates recruited to P&T Civil Wing through Engineering Services Examination are employed in Planning, Designing, Construction and Maintenance of various civil works of P&T Department comprising of Residential Buildings, Office Buildings, Telephone Exchange Buildings, Post Office Building, Factories, Stores and training centres etc. The candidates start their service in the department as Asstt. Executive Engineers/Asstt. Engineers and in the course of their service are promoted to various senior ranks in the department.

POST OF ASSISTANT DEVELOPMENT OFFICER (ENGINEERING) IN THE DIRECTORATE GENERAL OF TECHNICAL DEVELOPMENT:—

- (a) Persons recruited to the post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development will be on probation for a period of two years.
- (6) The scale of pay of this Group A Gazetted post is Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.
- (c) Assistant Development Officers with 5-years service in the grade are eligible for promotion to the post of Development Officer in the Directorate General of Technical Development in the scale of pay of Rs. 3000-100-3500-125-4500. 90% of the posts in the cadre of Development Officers are filled by promotion. Development Officers are eligible for promotion as Additional Industrial Adviser in the scale of pay of Rs. 4100-125-4850-150-5300. Additional Industrial Advisers are eligible for promotion to the post of Industrial Adviser (Rs. 4500-150-5700). Industrial Advisers are eligible for promotion to the post of Deputy Director General (Rs. 5900-200-7300) and Deputy Director General in turn are eligible for promotion to the post of Secretary (TD) & DG (TD).
- (d) Any person appointed on the result of this competitive examination shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than 4 years including the period spent on training, if any.

Provided that such persons—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of such appointment;
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years;
- (e) Nature of duties and responsibilities attached to the post of Assistant Development Officer—

He is required to assist the Development Officer in the development of industries in the respective divisions viz Mechanical Engineering, Industrial Machinery, Machine Tools, Electrical Engineering (Automobile, Electronics Engineering Industries etc.

15. BORDER ROADS ENGINEERING SERVICE

Group 'A'

(i) The selected candidates will be appointed as Assistant Executive Engineers on probation for a period of two years. The probationer during the probation period may be required to pass such departmental tests as Government may prescribe. At any time during the period of probation or on conclusion thereof, if his work and conduct has in the opinion of the Government, been unsatisfactory, Government may either discharge him or extend the period of probation for such further period as Government may consider fit.

(ii) The selected candidates shall be liable to serve in any part of India or outside including the field area in war and in peace. They will be medically examined in accordance with the medical standards laid down for the field service.

(iii) The following are the scales of pay admissible to them :

(a) AEE (Civil)	•	•	Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000
Executive Engineer (Civil)	•	•	Rs. 3000-100-3500-125-4500
Superintending Engineer (Civil)	•	•	Rs. 3700-125-4700-150-5000
Superintending Engineer (Civil) (Selection Grade)	•	•	Rs. 4500-150-5700
Chief Engineer (Civil)	•	•	Rs. 5900-200-6700
Addl. DGBR	•	•	Rs. 7300-100-7600
(b) AEE (E&M)	•	•	Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000
Executive Engineer (E&M)	•	•	Rs. 3000-100-3500-125-4500

Superintending Engineer(E&M)	Rs. 3700-125-4700-150-5000
Superintending Engineer (E&M) /Selection Grade:	Rs. 4500-150-5700
Chief Engineer (E&M) Proposed to be created in due course)	Rs. 5900-200-6700

(i) The officers appointed to the post of Assistant Executive Engineer can look forward to promotion to the higher grades of Executive Engineer, Superintending Engineer, Chief Engineer (applicable to officers on the Civil Engineering side only) after fulfilling the prescribed conditions.

No post of Chief Engineer exists at present on the Mechanical Engineering side.

The requirements for promotion to next higher grade, as laid down in above are those minimum eligibility and that promotion in the grade concerned will take place subject to availability of vacancies only.

(ii) The Officers appointed to the service are entitled to special compensatory allowance and free ration at prescribed scales when employed in certain specified area besides the other usual allowances such as H.R.A. and C.C.A. etc., as admissible to Central Government Servants. They are also entitled to outfit allowances for the uniform.

(iii) The Officers appointed to the Border Roads Engineering Service Group 'A' post would also be subject to Army Act, 1950 for the purpose of discipline.

(vii) Ladies are ineligible for appointment in Border Roads Engineering Service Group A in view of the extension of the provisions of Section 12 of the Army Act to this Service.

16. POSTS OF ASSISTANT MANAGER (FACTORIES) GROUP A IN THE P & T TELECOM. FACTORIES ORGANISATION :—

- (i) Persons recruited to the post of Assistant Manager (Factories) in the scale of pay of Rs. 2200—4000/- shall be on a probation for a period of 2 years.
- (ii) During the period of probation, the candidate shall be required to undergo practical training in accordance with the programme of training that may be prescribed by the Central Government from time to time and are required to pass a professional examination and a test in Hindi.
- (iii) Any person appointed to the post of Assistant Manager, (Factories) shall, if so required be liable to serve in the Defence Services or posts connected with the Defence of India, for a period not less than four years including the period spent on training if any :

Provided that such person—

- (a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;

(b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(iv) Prospects of promotion to higher grades :

- (a) Assistant Managers with a minimum of 5 years of a regular service in the grade are eligible for promotion to the grade of Senior Engineer (Sr. Time Scale) in the scale of Rs. 3000—4500.
- (b) Senior Engineers with a minimum of 5 years of service in the grade are eligible for promotion to the grade of Deputy General Manager/Manager (Factories) in Junior Adminn. Grade in the scale of pay of Rs. 3700—5000/-.
- (c) Deputy General Manager/Manager with 5 years regular service rendered in the grade are eligible for promotion to the Non-Functional Selection grade of Deputy General Manager/Manager (Selection Grade), Telecom Factory in the scale of Rs. 4500—5700/-.
- (d) Dy. General Manager/Manager with 8 years regular service in Junior Administrative Grade (including service, if any, in the Non-functional Selection Grade) or 17 years of regular service in Group 'A' Post, out of which at least 4 years regular service should be in the JAG Grade (including service, if any, in the Non-functional Selection Grade) are eligible for promotion to the Grade of Chief General Manager Telecom Factory in the scale of Rs. 5900—6700/- (Senior Administrative Grade).

(v) Nature of duties and responsibilities attached to the post :

Assistant Manager—Supervision and management of Telecom Factories of Department of Telecom in the areas of production of Telecom stores and to deal with service matters of industrial and non-industrial workers and staff including their appointments.

Senior Engineer—Head of a branch viz. production planning, Development, Maintenance, Tools etc. and to work as Appointing and Disciplinary Authority for various trades/cadres in Telecom. Factories.

Deputy General Manager/Manager (Selection Grade) and Deputy General Manager/Manager—To assist the Chief General Manager in day-to-day work of general administration, production discipline, planning etc. Incharge of a Factory or production unit/Wing.

Chief General Manager—Head of the Telecom Factory, Responsible for overall control of general administration, production, planning, discipline, etc. in the Factory.

17. SNURVEY OF INDIA GROUP 'A' SERVICE

- 1. Appointments will be made on probation for a period of two years.

Provided that the Controlling Authority may extend the period of probation in accordance with the instructions issued by Government from time to time in this regard

Provided further that any decision for extension of a probation period shall be taken ordinarily within eight weeks after the expiry of the previous probationary period and communicated in writing to the concerned officer together with the reasons for so doing within the said period.

On Completion of the period of probation or any extension thereof, as the case may be, if the Government is of the opinion that an officer is not fit for permanent appointment, for reasons to be recorded in writing, may discharge or revert the officer to the post held by him prior to his appointment in the service, as the case may be.

During the period of probation, or any extension thereof, candidates may be required by Government to undergo such courses of training and instructions and to pass examinations and tests (including examination in Hindi) as Government may deem fit, as a condition to satisfactory completion of the probation.

2. Officers appointed shall be liable to serve anywhere in India and abroad.

3. Officers appointed shall be liable to undergo such training and be detailed on courses of instruction in India or abroad as the Government may decide from time to time.

4. Any person appointed on the result of competitive examination shall if so required be liable to serve in any defence services or posts connected with defence of India for a period not less than 4 years including the period spent on training, if any; provided that such persons shall not be required :—

- (i) to serve as aforesaid after the expiry of 10 years from the date of appointment;
- (ii) ordinarily to serve as the aforesaid after attaining the age of 40 years.

5. The following are the scale of pay admissible :—

Junior Scale	Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.
Senior Scale	Rs. 3000-100-3500-125-4500
Junior Administrative Grade	Rs. 3700-125-4700-150-5000.
Selection Grade (Junior Administrative Grade)	Rs. 4500-150-5700
Senior Administrative Grade.	Rs. 5900-200-6700.
Surveyor General of India	7300-100-7600

6. Nature of duties and responsibilities attached to the various posts :

Deputy Superintending Surveyor—Required to carry out Survey work in the fields of geodesy photogrammetry, cartography and digital mapping as an individual worker, as well as Section Officer/Camp Officer to supervise Sections/Camps. He will also assist Officer-in-Charge (Superintending Surveyor) in both technical & administrative work of the unit.

Superintending Surveyor—Responsible for the organisation and discipline of the Party, custody, maintenance and accurate accounting of stores, economical expenditure of funds at his disposal, proper training of all his Officers and men in their duties and in the method of Survey best suited to the work, execution and supervision of all technical to the work, execution and supervision of all technical work—field verification, fair mapping, photogrammetry and digital mapping etc.

Deputy Director—Assist the functional Director in smooth and efficient functioning of the Directorate, responsible for scrutinising, completion and monitoring of all technical, administrative and financial reports and returns, for arranging trade tests, circle DPCs presiding over procurement boards, finalising of tender and contract and all other matter delegated by the Director.

Director/Deputy Director Selection Grade—Responsible for all surveys and mapping, appointing and disciplinary authority for all Group 'C' staff, technical coordination, guidance, supervision and monitoring of Surveying & Mapping operations including advise to State Govt., Central project Authorities etc. etc., financial management, budgeting, monitoring and control of entire expenditure of the Directorate.

Additional Surveyor General—Complete overall responsibility for the efficient performance of the Circles under his charge in respect of technical, scientific, administration, finance and accounts, finalising the field and fair mapping programmes and printing work for all circles under his charge, monitoring progress of technical work according to the prescribed norms and ensure requisite standard of accuracy at every stage, responsible for development/adoption of new technical methods of work, advise to State Govts. on all surveying matters falling in his Zone.